अब वेब पर भी www.rashtriyaprastavana.com | उत्तर प्रदेश (लखनऊ व कानपुर) से एक साथ प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्र | आर.एन.आई. नं.-यूपीएचआईएन/2011/37605

दैनिक
राष्ट्रीय प्रस्तावना
गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद,आजमगढ़, अयोध्या, झांसी,अम्बेडकरनगर, एटा,औरैया, अमेठी, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर,जौनपुर,श्रावस्ती,उरई,जालौन, फिरोजाबाद,हरदोई, मथुरा,कानपुर,ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर,सिद्धार्थनगर,सन्तकबीरनगर, नोयडा, सुलतानपुर, कासगंज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 15 अंक 184 | लखनऊ, सोमवार, 19 जनवरी 2026 | पृष्ठ: 8 | मूल्य : 2.00

संक्षिप्त

यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन ज़ायेद आज भारत दौरे पर

नई दिल्ली। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन ज़ायेद अल नहयान सोमवार, 19 जनवरी को एक दिवसीय आधिकारिक दौरे पर भारत आएंगे। यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है, जब यूएई और सऊदी अरब के बीच बढ़ते तनाव ने क्षेत्रीय समीकरणों को जटिल बना दिया है। यह यात्रा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर हो रही है और राष्ट्रपति पद संभालने के बाद श्री शेख मोहम्मद बिन ज़ायेद की यह भारत की तीसरी यात्रा होगी। गौरतलब है कि खाड़ी क्षेत्र की दो प्रमुख शक्तियों यूएई और सऊदी अरब के बीच मतभेद हाल के दिनों में खुलकर सामने आए हैं, खासकर दक्षिणी यमन को लेकर। सऊदी अरब ने आरोप लगाया है कि यूएई वहां अलग दक्षिणी राज्य की मांग कर रहे अलगाववादी समूहों का समर्थन कर रहा है।

बांग्लादेश ने फिर भारत से चावल आयात को दी मंजूरी

दक्षिण दिनाजपुर। चावल की बढ़ती कीमतों पर नियंत्रण और कालाबाजारी पर लगाम लगाने के उद्देश्य से बांग्लादेश सरकार ने एक बार फिर भारत से चावल आयात को मंजूरी दे दी है। रविवार दोपहर बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के खाद्य मंत्रालय की ओर से नए सिरे से दो लाख मीट्रिक टन चावल आयात की अधिसूचना जारी की गई। इस खबर के सामने आते ही दक्षिण दिनाजपुर जिले के हिली लैंड पोर्ट के व्यापारियों में भारी उत्साह देखा गया। उल्लेखनीय है कि, बांग्लादेश में खरीफ और रबी सीजन के दौरान धान उत्पादन में कमी के चलते घरेलू बाजार में चावल की कीमतें तेजी से बढ़ी हैं।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में उप्र सबसे बड़ा 'उपभोक्ता बाजार' : मुख्यमंत्री

● सीएम योगी ने की 'यूपी हेल्थ टेक कॉन्क्लेव' की शुरुआत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को राजधानी लखनऊ में कहा कि उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा हेल्थकेयर और मेडिकल टेक्नोलॉजी हब बनेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश को मेडिकल टेक्नोलॉजी, हेल्थकेयर इनोवेशन और फार्मा मैन्युफैक्चरिंग का राष्ट्रीय तथा वैश्विक हब बनाने की दिशा में सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में पिछले पौने नौ वर्षों में उत्तर प्रदेश ने स्वास्थ्य क्षेत्र में ऐतिहासिक परिवर्तन किया है, जिसके परिणाम आज ज़मीनी स्तर पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं।

हेल्थ कान्क्लेव को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश देश के सबसे बड़े हेल्थकेयर कंज्यूमर मार्केट के रूप में 35 करोड़ से अधिक लोगों की स्वास्थ्य आवश्यकताओं का भार वहन करता है। पिछले पौने नौ वर्षों में उत्तर प्रदेश ने स्वास्थ्य क्षेत्र में वह परिवर्तन किया है, जिसकी कल्पना पहले संभव नहीं थी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के लागू होने से पहले किसी गरीब परिवार में यदि कोई गंभीर रूप से बीमार हो जाता था, तो पूरा परिवार भय और आर्थिक संकट में घिर जाता था। इलाज अधूरा छूट जाता था, क्योंकि न सरकार का सहयोग होता था और न ही संसाधन। आज उत्तर प्रदेश में 5.5 करोड़ परिवारों को आयुष्मान गोल्डन कार्ड जारी किए जा चुके हैं, जिनके माध्यम से प्रति परिवार 5 लाख तक की निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। जो पात्र परिवार किसी कारणवश आयुष्मान योजना में शामिल नहीं हो सके, उन्हें मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के माध्यम से कवर किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब अगला लक्ष्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'ईज़ ऑफ लिविंग' विज़न को साकार करना है। इसके लिए टेक्नोलॉजी का अधिकतम उपयोग आवश्यक है। स्क्रीनिंग की प्रक्रिया गांव स्तर से शुरू होनी चाहिए, ताकि मरीज को अनावश्यक रूप से 40-50 किलोमीटर दूर न जाना पड़े। हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर ही यह तय हो जाए कि मरीज को किस स्तर की चिकित्सा की आवश्यकता है। टेलीकंसल्टेशन, टेलीमेडिसिन और एआई आधारित स्क्रीनिंग से यह संभव है।

योगी ने पीएम आवास योजना शहरी 2.0 के तहत लाभार्थियों के खाते में भेजे दो हजार करोड

● कहा-ये विकसित भारत का हिस्सा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज लखनऊ में प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0 के अंतर्गत 2 लाख लाभार्थियों के बैंक खातों में सीधे 2,000 करोड़ की अनुदान राशि के अंतरण किया। उन्होंने कार्यक्रम में कई लाभार्थियों से सीधा संवाद करते हुए कहा कि सभी को रोटी, कपड़ा और आवास उपलब्ध कराना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत का एक हिस्सा है। इसलिए आवास पूर्ण होने पर पीएम को पत्र लिख कर उन्हें धन्यवाद जरूर ज्ञापित करें।

लखनऊ के गोमती नगर स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0 के अंतर्गत 2 लाख लाभार्थियों के बैंक खातों में सीधे 2,000 करोड़ की अनुदान राशि के अंतरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ समेत विभिन्न जिलों के दस लाभार्थियों को अपने हाथों से पत्र दिए जबकि अन्य कई लाभार्थियों से सीधा संवाद स्थापित कर उनकी परिवार को आवास के लिए राशि मिलने पर शुभकामनाएं दीं।

दिल्ली-एनसीआर पर जहरीली धुंध की चादर, एक्यूआई 440 के पार पहुंचा

एजेंसी

नई दिल्ली। रविवार को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में जहरीली स्मॉग की मोटी परत छा गई, जिससे वायु गुणवत्ता में तेज गिरावट दर्ज की गई और यह 'बहुत खराब' से फिसलकर 'गंभीर' श्रेणी में पहुंच गई।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के राष्ट्रीय बुलेटिन के अनुसार, शाम 4 बजे दिल्ली का 24 घंटे का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 440 दर्ज किया गया, जो 'गंभीर' श्रेणी की सीमा 400 से काफी ऊपर है। शनिवार को दिल्ली का एक्यूआई 400 रिकॉर्ड किया गया था। गाजियाबाद देश का सबसे प्रदूषित शहर रहा, जहां एक्यूआई एक दिन पहले के 394 से बढ़कर 458 पहुंच गया, यानी 24 घंटे में 60 से अधिक अंकों की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

एनसीआर के अन्य शहरों में भी हालात बेहद खराब रहे। नोएडा और ग्रेटर नोएडा में एक्यूआई क्रमशः 430 और 402 दर्ज किया गया, जो दोनों ही 'गंभीर' श्रेणी में हैं। वहीं गुरुग्राम और फरीदाबाद की स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर रही, जहां एक्यूआई क्रमशः 378 ('बहुत खराब') और 247 ('खराब') रहा। दिल्ली के सभी 39 वायु गुणवत्ता निगरानी केंद्र 'रेड' श्रेणी में दर्ज किए गए, जो 'गंभीर' वायु गुणवत्ता को दर्शाता है।

पूर्वी भारत का विकास हमारी प्राथमिकता: प्रधानमंत्री

● मोदी ने सिंगूर में 830 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का किया उद्घाटन

एजेंसी

कोलकाता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को सिंगूर, हुगली में 830 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। श्री मोदी ने इस अवसर पर एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि वह पिछले दिन मालदा में थे और अब हुगली आये हैं। उन्होंने दो दिन के इस कार्यक्रम को पूर्वी भारत में विकास को तेज करने की दिशा में ठोस कदम बताते हुए कहा कि पूर्वी भारत का विकास सरकार के एक विकसित भारत के दृष्टिकोण का केंद्रबिंदु है। प्रधानमंत्री ने कहा, ''आज पश्चिम बंगाल को पिछले 24 घंटों में लगभग आधा दर्जन अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनें मिलीं। संभवतः 100 सालों में राज्य को सिर्फ 24 घंटों में इतनी ट्रेनें नहीं मिली होंगी।''

उन्होंने बुनियादी ढांचे पर आधारित विकास के महत्व का उल्लेख करते हुए कहा, ''ये वो आधार हैं, जिन पर पश्चिम बंगाल विनिर्माण और लॉजिस्टिक्स केंद्र के तौर पर उभर सकता है। इससे बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा होंगे।''

इस कार्यक्रम की खास बात बालागढ़ में विस्तारित बंदरगाह गेट सिस्टम की नींव रखना था। इस परियोजना में एक अंतर्देशीय जल परिवहन (आईडब्लूटी) टर्मिनल और एक रोड ओवर ब्रिज बनाना शामिल है। लगभग 900 एकड़ में फैले बालागढ़ को आधुनिक कार्गो हैंडलिंग टर्मिनल के तौर पर विकसित किया जा रहा है। इसकी सालाना क्षमता लगभग 27 लाख टन होने का अनुमान है। इसमें दो खास कार्गो हैंडलिंग जेट्टी होंगी। एक कंटेनर वाले कार्गो के लिए और दूसरी ड्राई बल्क कार्गो के लिए।

प्रधानमंत्री ने कहा, ''श्यामा प्रसाद मुखर्जी बंदरगाह की क्षमता बढ़ाने के प्रयास किये जा रहे हैं और वहां बालागढ़ विस्तारित बंदरगाह गेट सिस्टम व्यापार के लिए नये मार्ग खोलेगा और सड़क परिवहन पर दबाव कम करेगा।'

' परियोजना का मकसद भारी कार्गो यातायात को भीड़भाड़ वाले शहरी कॉरिडोर से मोड़कर कार्गो निकालने की क्षमता बेहतर बनाना है। इससे कोलकाता में सड़क सुरक्षा बढ़ने और भीड़भाड़ और प्रदूषण कम होने की उम्मीद है। श्री मोदी ने बहुविध परिवहन और पर्यावरण-अनुकूल आवागमन पर जोर देते हुए कहा कि इन कोशिशों से परिवहन समय कम होगा और परिवहन के पुराने तरीकों पर निर्भरता कम होगी।

पश्चिम बंगाल से तृणमूल का महा जंगलराज होगा विदा : मोदी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को पश्चिम बंगाल के सिंगुर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए राज्य में राजनीतिक परिवर्तन का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बिहार में भाजपा और एनडीए ने जंगलराज को रोका और अब पश्चिम बंगाल भी तृणमूल कांग्रेस के महा जंगलराज को विदा करने के लिए तैयार है।

संसद समिति की रिपोर्ट पूरे देश में पहुंच चुकी है : कोविंद

● श्रद्धांजलि देने के बाद परिजनों से जताई शोक संवेदना
● राजनैतिक जीवन के सच्चे साथी रहें स्वर्गीय सतीश मिश्रा को नम आँखों से किया याद

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कानपुर देहात। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के राजनैतिक जीवन के सच्चे साथी रहें स्वर्गीय सतीश मिश्रा के निधन के उपरांत उनको श्रद्धांजलि देने पुखरायां पहुँचे। श्रद्धांजलि देने के बाद परिजनों से शोक संवेदना जताई और सदैव परिवार की चिता करने की बात कही। विशेष बातचीत में एक राष्ट्र, एक चुनाव' पर बनी जेपीसी पर उन्होंने कहा, ''वह समिति संसद की है, वह पूरे देश तक पहुंच गई है, और सभी चर्चाएं हो रही हैं। जल्द सकारात्मक परिणाम देश के सामने होगा। उन्होंने कहा कि 1967 तक पहले चार लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ हुए थे। फिर एक साथ चुनाव कराने को असंवैधानिक कैसे कहा जा सकता है। एक साथ चुनाव से देश में न केवल राजनीतिक स्थिरता आएगी, बल्कि शासन व्यवस्था में भी सुधार होगा।

पूर्व राष्ट्रपति और 'एक देश एक चुनाव' पर उच्चस्तरीय समिति के अध्यक्ष राम नाथ कोविन्द रविवार कानपुर देहात पधारे थे। उन्होंने विशेष वार्ता में बताया कि चुनाव कराने पर सेवानिवृत्त जजों और उद्योग संगठन के प्रमुखों से नए दौर का विचार-विमर्श किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि चौथे दौर के विचार-विमर्श में इलाहाबाद हाई कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश जस्टिस दिलीप भोसले और दिल्ली हाई कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश जस्टिस राजेंद्र मेनन से मुलाकात की थी। जिन्होंने इस विषय पर अपनी राय दी थी। उन्होंने बताया कि समिति को जनता से भी लगभग 21 हजार सुझाव प्राप्त हुए थे जिनमें से 81 प्रतिशत में एक साथ चुनाव का समर्थन किया था। 46 राजनीतिक दलों से भी सुझाव आमंत्रित किए गए थे और अभी तक सिर्फ 17 राजनीतिक दलों से सुझाव प्राप्त हुए थे। जिस पर काम चल रहा है।

उन्होंने बताया कि एक राष्ट्र एक चुनाव' समिति ने अपनी रिपोर्ट राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को सौंप दी थी। समिति को मौजूदा संवैधानिक ढांचे को ध्यान में रखते हुए लोकसभा, विधानसभाओं, नगर पालिकाओं और पंचायतों के लिए एक साथ चुनाव कराने के लिए संभावनाएं तलाशने और सिफारिशें करने का काम सौंपा गया था।

विश्व में शान से लहरा रही सनातन धर्म की पताका : ब्रजेश पाठक

● उपमुख्यमंत्री ब्रजेश ने विराट हिन्दू सम्मेलन को संबोधित किया

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ(आरएसएस) की ओर से रविवार को आयोजित विराट हिंदू सम्मेलन को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि पूरे विश्व में शान के साथ सनातन धर्म की पताका लहरा रही है। यह मेरा सौभाग्य है कि देश भर से आए संतजनों के दर्शन करने का पुण्य लाभ प्राप्त हो रहा है। उन्होंने सभी से राष्ट्र निर्माण, सामाजिक सद्भाव और शक्ति के लिए 'एकता ही शक्ति है' के मूलमंत्र पर चलने का आह्वान किया।

आलमबाग स्थित सेन्ट्रल पार्क, समर विहार कॉलोनी में आयोजित हिन्दू सम्मेलन को संबोधित करते हुए ब्रजेश पाठक ने कहा कि कैंट विधानसभा में आयोजित हो रहे इस पावन समारोह के आयोजकों का हृदय से आभार है। उन्होंने विशेषकर सिख समुदाय का उल्लेख करते हुए कहा कि सिख समाज के शूरवीरों के बलिदानों के कारण ही आज सनातन की ध्वजा शान से लहरा रही है।

झारखंड के लातेहार में भीषण सड़क हादसा छह की मौत, 60 घायल

एजेंसी

लातेहार। झारखंड के लातेहार जिले के महुआडांड़ थाना क्षेत्र स्थित ओरसा घाटी के पास रविवार को हुई एक दर्दनाक बस दुर्घटना में छह लोगों की मौत हो गई, जबकि 60 से अधिक लोग घायल हो गए। हादसे के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। कई घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

लातेहार पुलिस एवं प्रशासन से प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतकों में शांति देवी (45), प्रेमा देवी (35), सीता देवी (40), सोनमती देवी (42) और सुखना भुइयां (40) शामिल हैं, जिनकी मौत घटनास्थल पर ही हो गई थी। वहीं विजय भुइयां की मौत इलाज के दौरान हुई। सभी मृतक छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले के निवासी थे। घायलों में से 32 लोगों को रांची स्थित राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) रेफर किया जा चुका है, जबकि शेष घायलों को भी चरणबद्ध तरीके से रिम्स भेजने की प्रक्रिया जारी है। कुछ घायलों का इलाज स्थानीय अस्पतालों में किया जा रहा है।

पुलिस के अनुसार, एक आरक्षित बस में लगभग 85 लोग सवार थे, जो छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले से लातेहार जिले के लोध गांव एक युवक की सगाई समारोह में शामिल होने आ रहे थे। इसी दौरान ओरसा घाटी के पास बस अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि बस में सवार लगभग सभी यात्री घायल हो गए। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए पुलिस और प्रशासन को सूचना दी।

भारत अब आयातक से निर्यातक बन रहा है : राजनाथ सिंह

नागपुर में मीडियम कैलिबर गोला-बारूद फैक्टरी का उद्घाटन

एजेंसी

नागपुर। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि भारत अब सैन्य उपकरणों का आयातक नहीं, बल्कि निर्यातक बनने की ओर तेजी से बढ़ रहा है। रक्षा मंत्री सिंह आज महाराष्ट्र के नागपुर में सोलर इंडस्ट्रीज के स्थापित मीडियम कैलिबर गोला-बारूद निर्माण सुविधा के उद्घाटन अवसर पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि यह देश को रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक अहम कदम है। रक्षा क्षेत्र में निजी कंपनियों की भूमिका लगातार मजबूत हो रही है और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने में सोलर इंडस्ट्रीज जैसी कंपनियां अहम योगदान दे रही हैं। उन्होंने कहा कि जब वह ऐसे आधुनिक रक्षा संयंत्र देखते हैं, तो उन्हें केवल एक फैक्ट्री नहीं, बल्कि नया संकल्प, नई ऊर्जा और नवाचार दिखाई देता है। राजनाथ सिंह ने बताया कि एक समय था जब रक्षा उत्पादन लगभग पूरी तरह सार्वजनिक क्षेत्र तक सीमित था, लेकिन बीते वर्षों में इस सोच में बदलाव आया है। आज निजी क्षेत्र रक्षा उत्पादन में बड़ी भूमिका निभा रहा है, जिससे आयात पर निर्भरता कम हो रही है और भारतीय सशस्त्र बलों को समय पर उच्च गुणवत्ता वाला गोला-बारूद उपलब्ध हो रहा है। उन्होंने कहा कि युद्ध के स्वरूप बदल रहे हैं और अब उसका प्रभाव आम नागरिकों पर भी पड़ता है। ऐसे में आधुनिक तकनीक और नए इनोवेशन के साथ रक्षा उद्योग को मजबूत करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि भारत अब रक्षा उत्पादों के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व की ओर अग्रसर है। उन्होंने यह भी कहा कि नागपुर तेजी से रक्षा उद्योग के केंद्र के रूप में उभर रहा है। यहां न केवल नए रक्षा उद्योग स्थापित हो रहे हैं, बल्कि पहले से मौजूद उद्योग भी अपने विस्तार की दिशा में काम कर रहे हैं। सोलर इंडस्ट्रीज के चेयरमैन सत्यनारायण नुवाल ने कहा कि नागास्त्र जैसे स्वदेशी हथियारों का निर्माण और उनका सफल उपयोग देश की रक्षा क्षमता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र रक्षा और देशहित के लिए आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए सोलर इंडस्ट्रीज लगातार कार्य कर रही है।

सरकारी आयुष अस्पताल बनेंगे रिसर्च सेंटर हब, बीमारियों के इलाज में खुलेगी नई राह

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। योगी सरकार आयुष चिकित्सा पद्धतियों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाने जा रहे हैं। प्रदेश के आयुष अस्पताल अब केवल इलाज तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि उन्हें रिसर्च सेंटर हब के रूप में विकसित करने पर विचार किया जा रहा है। इसके लिए सेंट्रल रिसर्च सेंटर (केंद्रीय अनुसंधान संस्थान) के साथ एमओयू (समझौता ज्ञापन) किया जाएगा। इस पहल के तहत कैंसर, डायबिटीज, हृदय रोग समेत कई अति गंभीर और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों पर आयुष चिकित्सा पद्धतियों से शोध किया जाएगा। प्रमुख सचिव आयुष रंजन कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में आयुर्वेद, योग, यूनानी व होम्योपैथी को स्वास्थ्य व्यवस्था की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए लगातार ठोस प्रयास किए जा रहे हैं। आधुनिक चिकित्सा के साथ आयुष पद्धतियों का समन्वय न केवल इलाज को अधिक प्रभावी बनाएगा, बल्कि रोगों की रोकथाम और दीर्घकालिक स्वास्थ्य सुनिश्चित करने में भी मददगार होगा। प्रदेश के चयनित आयुष अस्पतालों को रिसर्च-ओरिएंटेड सेंटर के रूप में विकसित करने पर मंथन चल रहा है। यहां उपचार के साथ-साथ रोगों के कारण, प्रभाव, जीवनशैली, खानपान और आयुष आधारित उपचार पद्धतियों पर डाटा आधारित शोध किया जाएगा। इसका मुख्य उद्?देश्य आयुष आधारित उपचारों की प्रभावशीलता को वैज्ञानिक प्रमाणों के साथ स्थापित करना है। सेंट्रल रिसर्च सेंटर से एमओयू के बाद आयुष चिकित्सकों को रिसर्च ट्रेनिंग, आधुनिक लैब सुविधाएं और तकनीकी सहयोग मिलेगा। इस रिसर्च का फोकस उन बीमारियों पर होगा, जिनका बोझ तेजी से बढ़ रहा है। कैंसर और डायबिटीज के अलावा उच्च रक्तचाप, मोटापा, थायरॉइड, हृदय रोग, जोड़ों के रोग और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं भी रिसर्च के दायरे में रहेंगी। प्रमुख सचिव ने बताया कि सेंट्रल रिसर्च सेंटर से होने वाले एमओयू के बाद उत्तर प्रदेश आयुष रिसर्च के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी राज्य बनने की ओर बढ़ेगा। इससे न केवल प्रदेश के चिकित्सकों और शोधकर्ताओं को नई पहचान मिलेगी, बल्कि आयुष आधारित उपचारों को वैश्विक स्तर पर स्वीकार्यता दिलाने में भी मदद मिलेगी। योगी सरकार का उद्देश्य है कि रिसर्च के निष्कर्षों के आधार पर स्टैंडर्ड ट्रीटमेंट प्रोटोकॉल तैयार किए जाएं, जिन्हें देश-विदेश में अपनाया जा सके। इससे आयुष चिकित्सा की विश्वसनीयता और प्रभाव दोनों बढ़ेंगे। इससे आयुष क्षेत्र में रोजगार और शोध के नए अवसर भी पैदा होंगे। रिसर्च प्रोजेक्ट्स के माध्यम से आयुष चिकित्सकों, शोधार्थियों और छात्रों को काम करने का मंच मिलेगा।

सड़क हादसे में मारे गए युवक-युवती के शव पहुंचे गांव, लोगों का हंगामा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। बंथरा थाना क्षेत्र में हुए दर्दनाक सड़क हादसे में मारे गए युवक-युवती के शव रविवार को उनके गांव पहुंचे। इस दौरान परिजनों और गांववालों ने बंथरा-कानपुर रोड जाम कर हंगामा कर दिया। वे 50 लाख रुपए मुआवजा और एक नौकरी की मांग करने लगे। मृत युवक के पिता डेडबॉडी देखकर रो पड़े। उन्होंने कहा- बेटे ने कहा था कि बारात में सबको बुलाना। आज हर कोई आया है। सड़क जाम की सूचना मिलते ही बंथरा और कृष्णानगर थाना पुलिस पहुंच गई। एसीपी कृष्णानगर रजनीश वर्मा भी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति संभालने की कोशिश की। सड़क पर शव रखे हुए हैं। परिजनों के सड़क जाम किए जाने से काफी देर से यातायात बाधित है। पुलिस सबको समझाने की कोशिश कर रही है। बंथरा के लतीफनगर का अर्पित त्रिवेदी (22) और उसकी दोस्त सहिजनपुर की काजल रावत (21) की शनिवार रात एक्सीडेंट में मौत हुई थी। तहसीलदार ने मृतक युवक और युवती के परिजनों को आर्थिक मदद के रूप में 5-5 लाख रुपए दिलवाने का आश्वासन दिया। सरोजनी नगर विधायक राजेश्वर सिंह ने सरकार से मिलने वाली अन्य योजनाओं का लाभ देने का आश्वासन दिया। जिसके बाद धरना प्रदर्शन समाप्त हो गया। इस हादसे में अर्पित त्रिवेदी (22) और काजल रावत (21) की मौके पर ही मौत हो गई थी। दोनों अमेजन वेयरहाउस में काम करते थे। अर्पित, काजल को ऑफिस छोड़ने जा रहा था। तभी उसकी स्कूटी में तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने सामने से टक्कर मार दी। इससे दोनों स्कूटी से उछलकर 5 फीट दूर पेड़ से टकरा गए। फिर सड़क किनारे 15 फीट खाई में जा गिरे। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। अर्पित की शादी 25 फरवरी को होनी थी। स्थानीय लोगों का कहना है कि स्कॉर्पियो का ड्राइवर नशे में था। पुलिस जांच में सामने आया कि गाड़ी का रजिस्ट्रेशन पास के ही मिर्ज़ापुर गांव के रहने वाले बलवीर के नाम से है। पुलिस ने अर्पित के पिता की तहरीर पर एफआईआर दर्ज की है। एसीपी कृष्णा नगर रजनीश वर्मा ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की थी। पुलिस ने स्कॉर्पियो को अपने कब्जे में ले लिया। दोनों खून से लथपथ करीब आधे घंटे तक पड़े रहे। राहगीर वीडियो बनाते रहे। पुलिस आई तो उन्हें अस्पताल लेकर गई। भीषण टक्कर लगते ही दोनों स्कूटी से उछलकर 5 फीट दूर पेड़ से टकरा गए। फिर सड़क किनारे 15 फीट खाई में जा गिरे थे। वह अपनी दोस्त को छोड़ने बनी-मोहान रोड से कटी बगिया अमेजन वेयरहाउस जा रहा था। काजल वेयरहाउस में काम करती थी।

मिनरल वॉटर की 160 ईकाइयों का लाइसेंस निलंबित

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मिनरल वाटर तैयार करने वाली 522 इकाईयों में 160 इकाईयों के लाइसेंस निलंबित कर दिये गए और उन्हें बंद करवा दिया गया है। वहीं 106 को 14 दिन में सुधार खातिर वार्निंग मिली है।आयुक्त खाद्य सुरक्षा एंव औषधि प्रशासन आयुक्त रोशन जैकब के निर्देश पर विभाग ने 12 से 14 जनवरी तक अभियान चलाकर राज्य की 522 मिनरल वाटर तैयार करने वाली इकाईयों की जांच की थी। जांच में 387 नमूने एकत्र किए गए थे। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत निर्धारित किए गए मानकों को पूरा करने पर इनके भी लाइसेंस निलंबित किए जाएंगे। इन इकाइयों में पैकेजिंग व लेबलिंग में गड़बड़ी पाई गई थी। जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है। खाद्य सुरक्षा

मानकों पर खरी नही,मिली गड़बड़ी

अधिकारियों की जांच में 160 इकाईयों में खाद्य सुरक्षा के मानकों के अनुसार पानी न तैयार किए जाने का मामला सामने आया है। इनमें बाराबंकी, गोरखपुर व प्रयागराज की 11-11, कानपुर नगर की 10, लखनऊ की नौ, गाजियाबाद की आठ, गौतम बुद्ध नगर की सात, हापुड़, शाहजहांपुर, वाराणसी व संत कबीर नगर की पांच-पांच इकाईयां शामिल हैं। 106 इकाईयों में गड़बड़ी पाए जाने पर उन्हें दो सप्ताह में सुधार की चेतावनी दी गई है। इनमें लखनऊ में सर्वाधिक सात, गौतमबुद्ध नगर व प्रयागराज की छह-छह, मऊ, कानपुर नगर, आगरा व वाराणसी की पांच-पांच, बाराबंकी व देवरिया की चार-चार इकाईयां शामिल हैं।

खेत में शौच के लिए गई युवती से छेड़छाड़,विरोध पर परिवार से मारपीट

लखनऊ। लखनऊ के माल क्षेत्र में शनिवार रात एक युवती के साथ गांव के युवक ने छेड़छाड़ की। युवती शौच के लिए खेत गई थी। जिसका फायदा उठाकर आरोपी ने छेड़छाड़ की। आरोपी के चंगुल से छूटकर भागी युवती ने पूरी घटना परिजनों को बताई। इसके बाद मुकदमा दर्ज कराया गया। भिठौरा निवासी पीड़िता ने बताया कि शनिवार को करीब 10 बजे वह शौच के लिए खेत गई थी। इस दौरान गांव का ही रहने वाला अनिल पीछे से आया और गंदी नीयत से उसे गोद में उठाकर खेत की ओर खींच ले गया। पीड़िता ने शोर मचाया तो अनिल की पकड़ ढीली पड़ी। किसी तरह खुद को छुड़ाकर मौके से भागी और घर पहुंचकर परिजनों को पूरी घटना बताई। इसके बाद जब परिजन आरोपी के घर शिकायत करने पहुंचे तो वहां मौजूद अनिल की मां मुन्नी और उसके भाई सुशील ने गाली-गलौज की और मारपीट पर आमादा हो गए। पीड़िता के परिजनों को घर से भगा दिया गया।

दिल्ली से बागडोगरा जा रहे विमान में बम की सूचना पर लखनऊ में कराई गई इमरजेंसी लैंडिंग

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। दिल्ली से बागडोगरा (पश्चिम बंगाल) जा रही इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट में रविवार सुबह बम होने की सूचना से एयरपोर्ट पर अफरा-तफरी मच गई। इसके बाद विमान को लखनऊ एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। विमान से यात्रियों को सुरक्षित उतार कर बम निरोधक दस्ता और अन्य सुरक्षाकर्मी चेकिंग कर रहे हैं।

जानकारी के अनुसार एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) को सुबह 08:46 बजे दिल्ली से बागडोगरा (पश्चिम बंगाल) जा रही इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट संख्या (6ई-6650) में बम होने की सूचना मिली। इसके बाद सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए विमान की लखनऊ एयरपोर्ट पर 09:17 बजे सुरक्षित इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। इसके बाद यात्रियों को उतार कर विमान को तत्काल आइसोलेशन वे में पार्क कराया गया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि विमान के बाथरूम में टिशू पेपर पर हाथ से लिखा एक नोट मिला, जिस पर ल्लप्लेन में बम हैङ्क लिखा था। सूचना मिलते ही विमान को लखनऊ डायवर्ट किया गया। फ्लाइट में 222 यात्री, 8 शिशु (इन्फेंट्स), 2 पायलट और 5 क्रू मेंबर सवार थे। मौके पर बम निरोधक दस्ता, फायर ब्रिगेड, मेडिकल टीम, सुरक्षा एजेंसियां और एयरपोर्ट प्रशासन ने संयुक्त रूप से जांच अभियान चलाया। इसके साथ ही एयरपोर्ट पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। थाना सरोजनीनगर प्रभारी ने बताया कि सूचना मिलते ही सभी मानक सुरक्षा प्रक्रियाओं का पालन कराया गया। विमान की सुरक्षित लैंडिंग कराकर यात्रियों और क्रू को पूरी तरह सुरक्षित निकाल लिया गया है। बम निरोधक दस्ता और अन्य एजेंसियां गहन जांच कर रही हैं। कानून-व्यवस्था की स्थिति सामान्य और नियंत्रण में है। मामले की विस्तृत जांच की जा रही है और आवश्यक कार्रवाई प्रचलित है। पुलिस एवं संबंधित एजेंसियां पूरे घटनाक्रम पर निरंतर निगरानी बनाए हुए हैं। आगे की जांच के आधार पर विस्तृत जानकारी साझा की जाएगी।

घने कोहरे से विमान संचालन प्रभावित, लखनऊ से आने-जाने वाली ज्यादातर उड़ानें डिले

लखनऊ। घने कोहरे और कम दृश्यता के कारण चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर रविवार को विमान संचालन बुरी तरह प्रभावित हुआ। लखनऊ आने और जाने वाली अधिकांश उड़ानें निर्धारित समय से काफी विलंब से संचालित हुईं, जिससे यात्रियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ा। देर रात और सुबह की कई आगमन उड़ानें घंटों देरी से पहुंचीं। मुंबई से रात 12रू35 बजे लखनऊ पहुंचने वाली इंडिगो की उड़ान (6ई 5264) तड़के 2.40 बजे पहुंची। इसी तरह, दम्माम से सुबह 5.15 बजे आने वाली फ्लाईनेस की उड़ान (एक्सवाई 896) दोपहर 12.20 बजे पहुंचने की उम्मीद है, जबकि मुंबई से सुबह 8.35 बजे की एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान (आईएक्स 1026) भी दोपहर 11 बजे तक ही पहुंच सकी। प्रस्थान करने वाली उड़ानों पर भी कोहरे का असर दिखा। लखनऊ से सुबह 4.30 बजे मस्कट के लिए सलाम एयर की उड़ान (ओवी 706) सुबह 5.40 बजे रवाना हुई।

लखनऊ एयरपोर्ट पर जुटे देशभर के पीठासीन अधिकारी

लखनऊ। राष्ट्रीय पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन को लेकर राजधानी में गतिविधियां तेज हो गई हैं। लखनऊ एयरपोर्ट पर आज सुबह से ही देशभर के पीठासीन अधिकारियों और वरिष्ठ संसदीय पदाधिकारियों का आगमन जारी है। शहर में वीआईपी मूवमेंट बढ़ने के साथ प्रशासन और पुलिस पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। यह सम्मेलन 19 से 21 जनवरी तक विधान भवन में आयोजित होगा। इसमें सभी राज्यों के विधानसभा अध्यक्ष, विधान परिषद के सभापति और संसद के वरिष्ठ पदाधिकारी हिस्सा लेंगे। सम्मेलन की मेजबानी उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना करेंगे। सम्मेलन का उद्घाटन राज्यपाल आनंदीबेन पटेल करेंगी। कार्यक्रम में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश की मौजूदगी रहेगी। कई अतिथि अपने परिवार के साथ भी लखनऊ पहुंचे हैं, जिसके चलते सुरक्षा और प्रोटोकॉल के विशेष इंतजाम किए गए हैं। 21 जनवरी को सम्मेलन के समापन सत्र में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रतिभागियों को संबोधित करेंगे। इस दौरान विधायी संस्थाओं की भूमिका, संसदीय मर्यादा, कार्यकुशलता और लोकतांत्रिक मूल्यों जैसे अहम विषयों पर मंथन होगा। हाई-प्रोफाइल सम्मेलन को देखते हुए एयरपोर्ट से लेकर विधान भवन और प्रमुख मार्गों पर सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। ट्रैफिक प्रबंधन, ठहराव और आवाजाही को लेकर प्रशासन ने विस्तृत प्लान लागू किया है, ताकि आयोजन सुचारु रूप से संपन्न हो सके।

सेलर्स और बायर्स 'एक साथ एक छत के नीचे', एक्सपो कर रहा उद्यमियों की राह आसान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। इंडिया फूड एक्सपो-2026 के चेयरमैन ''चेतन देव भल्ला'' फूड एक्सपो के दूसरे दिन उमड़ी उद्यमियों की भीड़ देखकर खासे उत्साहित नजर आये। उनसे यह पूछने पर कि एक्सपो के 10वें संस्करण पर कैसा महसूस कर रहे हैं, वह बोले कि लगता है कि अपनी मंजिल की तरफ हम एक कदम और आगे बढ़ गये हैं। इसमें 90 कंपनियों के 115 स्टाल हैं, जबकि पहली बार सिर्फ 35 स्टाल ही थे। कल एक्सपो का पहला दिन था। पहले दिन 5 हजार उद्यमियों ने एक्सपो देखा। उन्होंने कहा कि इस एक्सपो में 500 से 800 करोड़ बिजनेस की उम्मीद है। एक से तीन वर्ष में लगभग 3 हजार करोड़ रुपये के निवेश का अनुमान है। इंडियन इंडस्ट्री एसोसिएशन फंड प्रोसेसिंग का ईको सिस्टम डेवलप करेगी। उन्होंने कहा कि अगले साल लगने वाले एक्सपो में 300 स्टाल आने की उम्मीद है। हम उत्तर प्रदेश में देश का सबसे बड़ा एक्सपो लगाना चाहते हैं। आईआईए के सीनियर वाइस प्रेसीडेंट आलोक अग्रवाल कहते हैं कि उद्यमियों, उत्पादकों और विभिन्न इंडस्ट्रीज की आज मजबूत उपस्थित फूड एक्सपो की मंशा को स्पष्ट कर रहा है। एक्सपो में आज ''फुटफॉल'' काफी बढ़ा है। निश्चित तौर पर हम सही दिशा में तेजी के साथ आगे बढ़ रहे हैं। सेलर्स और बायर्स दोनों को ''एक साथ एक छत के नीचे'' लाकर उनकी राह आसान कर रहे हैं। उन्हें एक ही मंच पर उद्यम से रिलेटेड सभी जरूरी जानकारियां उपलब्ध कराई जा रही हैं। उत्पादकों की अच्छी संख्या है तो विभागीय अधिकारी भी हैं। किसानों की जरूरतों के ''सवालों'' पर ''उत्तर'' दे रहे हैं। उद्यमी संतुष्टि के भाव के साथ न केवल सेमिनार में बल्कि प्रदर्शनी के स्टॉलों पर भी जुट रहे हैं। उन्हें उद्यम शुरू करने और उसे आगे ले जाने के लिए बारीक से बारीक जानकारियां दे रहे हैं। ऐसे में बड़े निवेश की उम्मीद है। इसके पीछे वजह यह है कि सरकार की तमाम योजनाओं की जानकारियां उन्हें इस फोरम से उपलब्ध कराई जा रही हैं। आईआईए के एक्सीक्यूटिव डायरेक्टर ''डीएस वर्मा'' का मानना है कि जानकारियां करती उद्यमियों और युवाओं की जुटान बता रही है कि एक्सपो का मकसद गति पकड़ रहा है। लोग आज प्रदर्शनी के स्टालों पर एकत्र हैं और वहां से वह अपनी आवश्यकतानुसार कुछ न कुछ निकाल रहे हैं। सरकार की भी प्राथमिकता है कि किसानों की आय दोगुनी हो। इसी दिशा में काम तेज है। कृषकों की आय दोगुना करना, फूड प्रोसेसिंग को बढ़ावा देना इसी कड़ी का एक अहम हिस्सा है।

उत्पादन की प्रोसेसिंग से किसानों की आय में वृद्धि होना तय है। उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा तो यूनिटें बढ़ेंगी और आय में इजाफा होगा ही। उत्तर प्रदेश के किसानों के लिए यह बहुत ज्यादा उपयोगी होने वाला है। लोगों के सवाल और उद्यम लगाने की जानकारी करना भविष्य के अच्छे संकेत दे रहा है।

यूपी में अगले 24 घंटे में होगी तड़ातड़ बरसात

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मौसम लगातार बदल रहा है। इन दिनों सुबह और शाम के समय प्रदेश के कई हिस्सों में घना कोहरा छाया रहता है। कोहरे की वजह से दृश्यता काफी कम हो जाती है, जिससे लोगों को आवाजाही में परेशानी हो रही है। पश्चिमी यूपी में ठंडी और बर्फीली हवाओं के कारण ठिठुरन और गलन और बढ़ गई है। इसी बीच मौसम विभाग ने आने वाले दिनों बारिश का भी अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार, 19 और 20 जनवरी से पश्चिमी विक्षोभ के आगे बढ़ने के कारण पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ स्थानों पर हल्की बूंदाबांदी या छिटपुट बारिश हो सकती है। बारिश के कारण ठंड और ज्यादा बढ़ सकती है। विभाग के अनुसार, रविवार से मौसम में बदलाव आने की संभावना है और पश्चिमी यूपी में बारिश हो सकती है। वहीं, 22 जनवरी को भी कई इलाकों में बारिश होने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, मेरठ, बागपत, हापुड़, बिजनौर, मुरादाबाद, संभल, रामपुर, बरेली, बदायूं, पीलीभीत, शाहजहांपुर, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, बहराइच, बाराबंकी, अयोध्या, गोंडा, श्रावस्ती, बलरामपुर, कुशीनगर, देवरिया, गोरखपुर, बस्ती और अंबेडकर नगर जिलों में घने से अत्यंत घने कोहरे का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इन इलाकों में कई जगह दृश्यता शून्य तक जा सकती है। इसके अलावा नोएडा, गाजियाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, आगरा, फिरोजाबाद, हाथरस, एटा, कासगंज, मैनपुरी, फर्रुखाबाद, कन्नौज, हरदोई, उन्नाव, लखनऊ, रायबरेली, अमेठी, सुल्तानपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया और गाजीपुर में घने कोहरे को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है।

शिक्षक अपने विचारों से राजनीति के पथ को प्रदर्शित करता है

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश कंाग्रेस मुख्यालय लखनऊ पर उत्तर प्रदेश कंाग्रेस कमेटी शिक्षक प्रकोष्ठ के नव नियुक्त चेयरमैन डॉ0 अमित कुमार राय की अध्यक्षता में शिक्षक प्रकोष्ठ के पूर्व पदाधिकारियों एवं शिक्षकों की एक महत्वपूर्ण बैठक प्रदेश में चल रहे संगठन सृजन अभियान को गति देने तथा प्रदेश में नई कार्यकारिणी के गठन के उद्देश्य से संपन्न हुई। बैठक में बतौर मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश कंाग्रेस कमेटी के अध्यक्ष माननीय श्री अजय राय जी-पूर्व मंत्री उपस्थित रहे। शिक्षक प्रकोष्ठ के चेयरमैन डॉ0 अमित कुमार राय जी ने प्रदेश कंाग्रेस अध्यक्ष अजय रायपूर्व मंत्री को पुष्प कुछ भेंट कर बैठक की औपचारिक शुरुआत की। बैठक में सम्बोधित करते हुए प्रदेश कंाग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने शिक्षक समाज के निर्माता हैं। शिक्षक अपने विचारों से राजनीति के पथ को प्रदर्शित करता है, देश एवं समाज की दिशा और दशा निधारित करते हैं। मुझे आशा ही नहीं बल्कि पूर्ण विश्वास है कि प्रदेश कंाग्रेस का शिक्षक प्रकोष्ठ आने वाले समय में शिक्षकों की समस्याओं एवं मुद्दों ना केवल प्रमुखता से उठाएगा बल्कि आवश्यकता पड़ने पर सड़कों पर उतरकर व्यापक संघर्ष भी करेगा। अपने अध्यक्षीय सम्बोधित कंाग्रेस शिक्षक प्रकोष्ठ के नव नियुक्त चेयरमैन डॉ0 अमित कुमार राय ने कहा कि शीर्ष नेतृत्व ने जो मुझ पर विश्वास जताया है मैं पूरी निष्ठा और समर्पण भाव से उस पर खरा उतरते हुए पार्टी की नीतियों एवं विचारधारा को अधिक से अधिक शिक्षकों के बीच पहुंचाने के कार्य के साथ-साथ वर्तमान समय में शिक्षकों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाते हुए उनके निदान हेतु आप सभी के सहयोग से व्यापक आंदोलन किया जाएगा। डॉ0 अमित राय ने कहा कि आने वाले 100 दिनों में प्रत्येक स्कूलों में शिक्षकों को अपने संगठन से जोड़ते हुए संगठन में वित्त पोषित, वित्त विहीन, मदरसा, संस्कृत विद्यालय एवं अन्य सभी शिक्षकों को शामिल कर प्रदेश में एक सशक्त संगठन का निर्माण किया जाएगा। बैठक में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए हुए शिक्षकों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए प्रो0 श्रवण कुमार गुप्ता-को-कोऑर्डिनेटर शिक्षक प्रकोष्ठ ने कहा कि विषम मौसम में भी इतनी दूर का सफर तय करके आए साथियों का जज्बा और ऊर्ज़ा इस संगठन के निर्माण की आधारशिला होगी। प्रदेश के समस्त जनपदों के प्रत्येक विद्यालयों में शिक्षक प्रकोष्ठ की इकाई का शीघ्र अति शीघ्र गठन कर लिया जाएगा। बैठक में मीडिया विभाग के वाइस चेयरमैन मनीष हिंदवी, डॉ0 निर्मल कुमार श्रीवास्तव, डी0एम0 रिजवी, डॉ0 मो0 इसरार, डॉ0 आदित्य मिश्रा, डॉ0 राहुल प्रताप सिंह, राजेश कुमार गुप्ता, महेन्द्र कुमार, मयंक शेखर, महेन्द्र मिश्र, बिट्टू कुमार राठी, तनवीर आलम, प्रेमचन्द्र यादव, अनंतराम सिंह, सुनील कुमार चौबे, नंदलाल यादव, अंकित पाल, दयाराम वर्मा आदि शिक्षक शामिल हुए।

भाजपा सरकार नष्ट कर रही है काशी की पौराणिकता एवं संस्कृति: अजय राय

- आस्था नहीं व्यापार है भाजपा का वास्तविक चरित्र

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कंाग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय-पूर्व मंत्री ने मणिकर्णिका घाट पर हुई तोड़-फोड़ एवं आस्था की प्रतीक माता अहिल्याबाई जी की मूर्ति को तोड़कर मलबे में फेंक जाने जैसी संवेदनहीन घटना पर आज प्रदेश कंागेस कार्यालय पर पत्रकार बन्धुओं को सम्बोधित किया। प्रेसवार्ता में मुख्य रूप से उ0प्र0 कंाग्रेस मीडिया विभाग के वाइस चेयरमैन मनीष हिंदवी जी मौजूद रहे। प्रेसवार्ता की शुरूआत माता अहिल्याबाई जी के चित्र पर प्रदेश कंाग्रेस अध्यक्ष अजय राय द्वारा पुष्प अर्पित कर की। प्रेसवार्ता को सम्बोधित करते हुए प्रदेश कंाग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि चाहे काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का मामला रहा हो या फिर माता अहिल्याबाई होल्कर जी की मूर्तियों तोड़ने का मामला रहा हो काशी की पौराणिकता एवं संस्कृति को नष्ट करने का कार्य कोई बाहरी नहीं कर रहा बल्कि दुर्भाग्य यह है कि यह उनके द्वारा किया जा रहा जो कभी कहते थे कि उन्हें माँ गंगा ने बुलाया है और आज वही माँ गंगा और काशी के सबसे बड़े दुश्मन हैं। श्री राय ने कहा कि 25 मई 2025 को भाजपा माता अहिल्याबाई होल्कर जी की 300वीं जयंती मनाती है। पूरे देश में खूब सारे ईवेंट करती है, चाँदी के सिक्के जारी करती है ठीक 6 महीने बाद उन्हीं माता अहिल्याबाई होल्कर की मूर्तियों पर बुलडोजर चलवा देती है। श्री राय ने कहा कि सच इतना कडवा है कि योगी सरकार अपनी गलती स्वीकारने के बजाए लोगों को डरा धमका रही है और उन पर एफआईआर करा रही है। योगी जी सच जानते हैं इसीलिए लीपापोती करने वाराणसी पहुंचे और उन्होंने कहा कि यह तस्वीरें एआई जनरेटेड हैं। श्री अजय राय ने कहा कि मैं उन्हें खुली चुनौती देता हूँ कि अगर उनमें साहस है तो वह सभी पत्रकार बन्धुओं को जहां तोड़-फोड़ हुई वहां ले जाए और यह स्पष्ट कर दे कि माता अहिल्याबाई होल्कर जी की मूर्तियां नहीं तोड़ी गई। श्री राय ने कहा कि भाजपा का वास्तविक चरित्र आस्था नहीं व्यापार है यह लोग भावना में नहीं बल्कि ईवेंट में विश्वास रखते हैं। सच तो यह है कि यह लोग आस्था के व्यापारी हैं। कभी राम के नाम पर तो कभी शिव के नाम पर और कभी माता अहिल्या बाई के नाम पर। लेकिन सच यह है कि प्रभु राम के नाम पर बने ट्रस्ट में किस कदर घोटाला हुआ यह किसी से छुपा नहीं है। एक साल में राम पथ में दरारें पड़ गई।एक साल में मंदिर में पानी चूने लगा। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर बनाने के नाम पर बहुत सारे प्राचीन शिवलिगों को तोड़ दिया गया और आज यही माता अहिल्याबाई होल्कर जी की मूर्तियों के साथ दोहराया जा रहा है। इसी अनुक्रम में श्री राय ने मीडिया के सामने तोड़-फोड़ के वीडियो दिखाए एवं एक वीडियो भाजपा मंत्री का भी दिखाया गया जिसमें वह स्वयं स्वीकार कर रहे हैं कि वहां मूर्तियाँ तोड़ी गई हैं। श्री राय ने अहिल्याबाई बाई होल्कर ट्रस्ट का पत्र दिखाते हुए कहा कि इस पत्र में माता अहिल्याबाई जी के परिवार से जुड़े लोगों ने भी ना सिर्फ इस बात तस्दीक की ना सिर्फ मूर्तियाँ तोड़ी गई हैं बल्कि तस्वीरें भी मीडिया के साथ साझा की हैं। श्री राय ने कि हम इस निरंकुश सरकार से पूछते हैं कि क्या माता अहिल्याबाई के परिवार के लोग जो पहले ही दिन से इस संवेदनहीन घटना का विरोध कर रहे थे, बकायदा तस्वीरें जारी की उन्होंने, क्या उन पर पर भी एफआईआर होगी? क्या यशवंत राव होल्कर जी पर भी एफआईआर होगी? श्री राय ने कहा कि यह डरी सहमी योगी सरकार पुलिस को सामने रखकर तानाशाही पर उतरी है। गलतियाँ स्वयं करती है और एफआईआर का डर दिखाकर सच को दबाना चाहती है। लेकिन हम कंाग्रेस पार्टी और जननायक श्री राहुल गांधी जी सिपाही हैं हम ना गलत सहेंगे और नहीं सच कहना बंद करेंगे।

विधायक ने इण्टरलाकिंग सड़क का लोकार्पण किया

राष्ट्रीय प्रस्तावना

माधौगंज (हरदोई)। ब्लाक की ग्राम पंचायत पिलखना के मजरा उसरहा में क्षेत्र पंचायत द्वारा नवनिर्मित इंटरलॉकिंग सड़क का लोकार्पण विधायक ने किया।

मुख्य अतिथि विधायक आशीष सिंह आशू ने वेदमंत्रोचार के साथ पूजन किया। सड़क को गांव के लोगो को समर्पित करते हुए कहा कि सरकार गांव का विकास कर उन्हें मूलभूत सुविधाओं से पूर्ण कर रही है। इस कार्यक्रम में प्रमुख प्रतिनिधि रमेश वर्मा, चेयरमैन बिलग्राम अनिल राठौर प्रधान चंद्र किशोर पाल, धर्मेंद्र सिंह, मुकेश पाल (प्रधान), नंदराम, महेंद्र सिंहए मोहित शर्मा, श्रवण शर्मा, आदर्श पाल, सुरेश पाल आदि ग्रामवासी मौजूद रहे।

भव्य भंडारा एवं कंबल वितरण किया गया

माधौगंज (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कस्बे के बस स्टाप पर मौनी

अमावस्या के उपलक्ष्य पर ओमर वैश्य महिला समिति ने भव्य भंडारा एवं जरूरतमन्दो को कंबल वितरण किया। ओमर वैश्य समिति अध्यक्ष रोजी गुप्ता एवं संरक्षिकाएं रामदेवी गुप्ता एवं दीपा व सदस्य रागिनी गुप्ता, राधा गुप्ता, संगीता गुप्ता, रंजना गुप्ता, सुधा गुप्ता, मीनाक्षी गुप्ता, सृष्टि गुप्ता, रीना गुप्ता, निधि गुप्ता, ममता ओमर सभी ने बढ़-चढ़कर पूरे उत्साह उल्लास के साथ में इस भव्य भंडारे का आयोजन किया और महिलाओं को जागरूक करने की एक नई दिशा दी।

मीना मंच डे कार्यक्रम का हुआ आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना

माधौगंज (हरदोई)। उच्च प्राथमिक विद्यालय सदरियापुर माधौगंज में पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मीना मंच का कार्यक्रम समय सारणी के अनुसार करायें गये। सुगमकर्ता प्रियंका श्रीवास्तव के निर्देशन में मीना मंच की अध्यक्ष नैन्शी मिश्रा व सक्रिय सदस्य कुमकुम, विज्ञांसी, झुमझुम, वर्षा, राधा, निधि ने आज की गतिविधियों में नशीले पदार्थ से होने वाले नुकसान का स्मार्ट टीवी के माध्यम से अभिलेखीय करण बहुत ही सुंदर किया। प्रगति के पंख पर आधारित सत्र मीना मंच के बारे में जागरूकता संबंधित सामूहिक गीत प्रस्तुत किया। चुप्पी-तोड़ो हल्ला बोलों की गतिविधियों के साथ गुड टच-बैड टच, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, आत्मनिर्भर, स्वावलंबी बालिका आदि गतिविधियां कराई गई। कामिक बुक के अन्तर्गत खजानों का नक्शा का विडीयो साझा किया गया। अरमान माड्यूल के अन्तर्गत सत्र 16 की गतिविधियां कराई गई। आत्मनिर्भरता के बारे में प्रभारी प्रधानाध्यापक नीरज गुप्ता द्वारा बहुत ही सुंदर ढंग से समझाया गया। सहायक अध्यापिका प्रियंका श्रीवास्तव ने ईको क्लब फार मिशन लाइफके अन्तर्गत सूखा कचरा नीले कूड़ेदान में व गीला कचरा हरा कूड़ेदान में डालना, एक कदम स्वच्छता की ओर गतिविधि करायी गयी। सहायक अध्यापक गौरव कुमार सिंह ने मीना मंच जागरूकता शपथ दिलवाई।

स्वामी कल्यानानंद महाविद्यालय न्यौरादेव में हुआ विराट हिंदू सम्मेलन

- क्षेत्र प्रचारक, विभाग प्रचारक, जिला प्रचारक, विभाग प्रमुख उपस्थित रहे
- मुख्य अतिथि पंछी देवी का हुआ आध्यात्मिक व राष्ट्र संदेश उद्बोधन

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। पांच संकल्पों के माध्यम से हिंदू समाज को अपनी पहचान राष्ट्र भाव और संस्कृति के प्रति जागरूक और संगठित करने के क्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा चल रहे कार्यक्रमों के तहत स्वामी कल्याणानंद महाविद्यालय न्यौरादेव में विराट हिंदू सम्मेलन आयोजित किया गयाए जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में साध्वी प्रज्ञा भारती 'पंछी देवी' उपस्थित रहीं। आरएसएस के वक्ताओं में क्षेत्रीय प्रचार प्रमुख पूर्वी उत्तर प्रदेश सुभाष, जिला प्रचारक अनिल, विभाग संघ चालक शिव स्वरूप जीए संजीव खरे आदि उपस्थित रहे।

विराट हिंदू सम्मेलन की शुरुआत मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन और मंचासीन अतिथियों के स्वागत और परिचय से हुआ। स्वागत के क्रम में महाविद्यालय के प्रबंध निदेशक हर्षवर्धन सिंह ने साध्वी पंछी देवी का स्वागत किया। कात्यायनी पीठाधीश्वर शाहाबाद का अवनीश द्विवेदी, दिवाकर शास्त्री रामायणी का यशवर्धन सिंह, अनूप शास्त्री रामायणी का हृदयेश वर्धन सिंह, नायाब सिंह सरदार का राजवर्धन सिंह राजू, सरदार हरपाल सिंह का विश्राम राजपूत, डॉक्टर रामदीन यादव का अक्षतानंद मिश्रा, पुष्पा देवी वर्मा का पल्लवी सिंह, हर्षवर्धन सिंह का हेमंत सिंह एडवोकेट, सुनीता सिंह का मृदुल, सुभाष प्रचारक का जसपाल, बाल शास्त्री का हिमांशु गुप्ता और साध्वी पंछी देवी का स्वागत राजेश सिंह नेवादा, उदय कुमार सिंह, अनुराग द्विवेदी अन्नु, राजकुमार सिंह प्रवक्ता और विमलेंद्र सिंह ने किया। स्वागत गीत कुंती के द्वारा और एंजेल गीत समेत दुर्गा स्तुति की गई। विद्यालय के बच्चों द्वारा सुंदर सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति हुई। मुख्य वक्ता सुभाष ने उपस्थित समुदाय से पांच संकल्पों के माध्यम से हिंदू समाज समाज को अपनी पहचान राष्ट्र भाव और संस्कृति के प्रति जागरूक और संगठित होने की अपील की। जातीय विद्वेषता एमनुष्य मनुष्य में भेद को दूर कर समरसता की ओर बढ़ना है हमें चिंतन करना होगा कि वृद्ध आश्रम का समाज में खुलना कितने भयावह स्थिति को दर्शाता है। जिला प्रचारक अनिल ने युवाओ से कहा कि पांच संकल्प कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण एवं जल संरक्षण, सामाजिक समरसता, नागरिक अनुशासन और स्वदेशी भावना को अपने जीवन में आत्मसात करें, भारतीय संस्कृति एवं संस्कारों का अपने में समाहित करे। विख्यात आध्यात्मिक वक्ता पंछी देवी ने राष्ट्र प्रेम और संस्कारों के प्रति समाज को चेताया और कहा कि सनातन संस्कृति एक वैश्विक चिंतन है जो सबके कल्याण की कामना करता है इसे जानने एसमझने और अपने आप में आत्म सात करें।

उद्बोधन के पश्चात भारत माता के चित्रों को वितरित किया गया। भारत माता की आरती के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। समरसता भोज में आए हुए लोगों ने भोजन किया।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से धर्मेंद्र सिंह ब्लॉक प्रमुख बावन, राज वर्धन सिंह समाजसेवी, श्रीकृष्ण शास्त्री, अनुराग द्विवेदी अन्नु, अरुण मिश्रा प्रधान ककवाही, कर्मवीर सिंह चौहान, गौरव भदौरिया, शैलेन्द्र सिंह सोमवंशी, आशीष सिंह सोमवंशी, मुकेश सिंह सोमवंशी, उदय कुमार सिंह, पवन सिंह काशीपुर, जसपाल सिंह, अमित सिंह, जिला अध्यक्ष महिला मोर्चा अल्का गुप्ता, राज कुमार सिंह आदि उपस्थित रहे।

छप्पर में लगी आग से अधेड़ गंभीर रूप से झुलसा, जिला अस्पताल रेफर

पिहानी (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। विकासखंड पिहानी क्षेत्र की ग्राम सभा हिंदू नगर में शनिवार देर शाम आग लगने की एक दर्दनाक घटना सामने आई। जानकारी के अनुसार शनिवार रात करीब ०8:30 बजे गांव निवासी राजबहादुर (55) पुत्र मुंशी सिंह अपने छप्पर के नीचे रजाई ओढ़कर सो रहे थे। इसी दौरान किसी अज्ञात कारण से छप्पर में अचानक आग लग गई। आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया और रजाई तक पहुंच गई, जिससे राजबहादुर गंभीर रूप से झुलस गए। चीख-पुकार सुनकर परिजन एवं ग्रामीण मौके पर पहुंचे और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घटना की सूचना मिलते ही पिहानी कोतवाली पुलिस भी मौके पर पहुंची और हालात का जायजा लिया। सूत्रों के अनुसार घायल अवस्था में राजबहादुर को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पिहानी लाया गयाए जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें हरदोई जिला अस्पताल रेफर कर दिया। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर ग्रामीणों से पूछताछ की तथा आग लगने के कारणों की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल आग लगने के कारण स्पष्ट नहीं हो सके हैं मामले की विवेचना जारी है।

पिहानी क्षेत्र में बेलगाम रफ्तार का कहर, ट्रैक्टर-ट्राला से टक्कर में युवक की मौत

पिहानी (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। गोपामऊ रोड पर तेज रफ्तार और ओवरलोड वाहनों की मनमानी एक और जान ले गई। रविवार को पिहानी-गोपामऊ मार्ग से जेरेली रोड पर गन्ना क्रेशर के पास तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्राला ने स्प्लेंडर बाइक को रौंद दिया। हादसा इतना भीषण था कि बाइक चला रहे युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि पीछे बैठा उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद चालक ट्रैक्टर-ट्राला समेत मौके से फरार हो गया। जानकारी के अनुसार, ब्लॉक हरियावां के ग्राम हफीजुद्दीनपुर (गोपामऊ रोड) निवासी राजेश (40) पुत्र आशाराम अपने साथी लखन सक्सेना (38) पुत्र केशव सक्सेना के साथ किसी निजी कार्य से पिहानी आ रहे थे। जैसे ही वे गन्ना क्रेशर के पास पहुंचे, तेज रफ्तार में आ रहे ट्रैक्टर-ट्राला ने उनकी बाइक को सीधी टक्कर मार दी। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों की मदद से दोनों को एंबुलेंस द्वारा पिहानी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने राजेश को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल लखन को जिला अस्पताल रेफर किया गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना प्रभारी ने अज्ञात ट्रैक्टर-ट्राला की तलाश की बात कही है।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि पिहानीदृहरदोई मार्ग पर दौड़ रहे तेज रफ्तार और ओवरलोड ट्रैक्टर.ट्रालों पर आखिर लगाम कब लगेगी। आए दिन हो रहे हादसे इस बात की गवाही दे रहे हैं कि नियमों की खुलेआम अनदेखी हो रही है। ऐसे वाहन न सिर्फसड़क पर चल रहे लोगों की जान के दुश्मन बन चुके हैंए बल्कि पुलिस की निगरानी और कार्रवाई पर भी गंभीर सवाल खड़े कर रहे हैं। यदि समय रहते कठोर कदम नहीं उठाए गएए तो यह रास्ता आगे भी मौत का रास्ता बनता रहेगा।

तेज रफ्तार डंफर ने अर्टिगा को मारी टक्कर, जद मे आये बाइक सवार, एक की मौत, एक की हालत नाजुक

मल्लावाँ (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। थाना क्षेत्र के भजेहटा गांव के निकट सई नदी के पास भीषण सड़क हादसे मे तेज रफ्तार से आ रहे एक डंफर ने पहले अर्टिगा कार को जोरदार टक्कर मारी, और फिर अनियंत्रित अर्टिगा ने सड़क पर जा रहे बाइक सवार तीन लोगों को अपनी चपेट में ले लिया। हादसा इतना भयावह था कि बाइक सवार दूर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के मुताबिक टक्कर की आवाज सुनते ही आसपास के लोग मौके पर दौड़े, जहां सड़क पर अफरा-तफरी का माहौल था। घायल युवक दर्द से कराहते हुए सड़क पर तडफडा रहे थे। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया गया, जहां उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है, जिसमे मोटरसाइकिल सवार एक की मृत्यृ हो गई, एक की हालत नाजुक बताई जा रही है। घायलों की पहचान साफेज पुत्र मो० अनीस गुलशाद पुत्र अली रहमान आकिब पुत्र सफाउद्दीन तीनों निवासी बड़ा नेवादा गौसगंज, थाना कासिमपुर, जनपद हरदोई, के रुप मे पहचान हुई है हादसे के बाद डंफर चालक मौका पाकर वाहन सहित फरार हो गयाए जबकि अर्टिगा सवार लोग चालक समेत क्षतिग्रस्त गाड़ी को मौके पर छोड़कर भाग निकले। घटना के बाद मौके पर कुछ देर तक यातायात भी बाधित रहा। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और क्षतिग्रस्त अर्टिगा एवं मोटरसाइकिल को कब्जे में ले लिया है। पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

अश्लीलता फैलाने पर नृत्य संचालक पर मुकदमा हुआ दर्ज

राष्ट्रीय प्रस्तावना

साण्डी (हरदोई)। नगर के मोहल्ला नवाबगंज स्थित इंदिरा पार्क में चल रही नुमाइश मेले में नृत्य प्रदर्शनी लगाई गई थी जिसमें अश्लील डांस किए जाने की वीडियो वायरल होने पर सांडी पुलिस द्वारा प्रदर्शनी संचालक पर मुकदमा दर्ज किया गया है।

आपको बता दें नगर के मोहल्ला नवाबगंज स्थित इंदिरा पार्क में प्रतिवर्ष नुमाइश मेले का आयोजन किया जाता है जिसमें इस बार नृत्य प्रदर्शनी भी लगाई गई थी जिसमें लड़कियों और महिलाओं द्वारा अश्लील डांस किए जाने की अफवाहें नगर में चल रही थी इसी क्रम में अश्लील डांस का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ जिसको सांडी पुलिस ने गंभीरता से लेते हुए नृत्य प्रदर्शनी संचालक अनिल पुत्र मल्लूराम निवासी कस्बा नवाबगंज जनपद बरेली के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है किसी भी सार्वजनिक जगह पर अश्लीलता फैलाने पर यह मुकदमा दर्ज किया गया है इस अश्लील डांस का समाज के युवा पीढ़ी के बच्चे और बच्चियों पर बुरा प्रभाव पड़ा रहा था।

समाजसेवी नें भटपुर में बांटे कंबल और किया तहड़ी भोज

कंबल वितरण करते समाजसेवी सी.एल. दीक्षित, राजेश अवस्थी फोटो: राष्ट्रीय प्रस्तावना

राष्ट्रीय प्रस्तावना

- गरीबो की सेवा बुजुर्गो का सम्मान करना अलग सुख: सी.एल. दीक्षित

भरावन (हरदोई)। रविवार को विकास खंड भरावन के भटपुर ग्राम पंचायत के कटका बाजार में लखनऊ बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष व पूर्व ब्लॉक प्रमुख पति सी.एल. दीक्षित द्वारा जरूरतमंदो को कंबल वितरण और तहड़ी भोज का आयोजन किया गया। सी.एल. दीक्षित ने बताया 636 जरूरतमंदो को कंबल वितरण किए गए और क्षेत्र के सम्मानित लोगो को शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। और बताया कटका में तहड़ी भोज का भी आयोजन किया गया। सी.एल. दीक्षित नें बताया गरीबो की सेवा और बुजुर्गो के सम्मानित करने से अलग आनंद मिलता है। कार्यक्रम में क्षेत्र के भाजपा नेता राजेश अवस्थी, गोविन्द बाजपेई, रिंकू तिवारी, उत्कर्ष दीक्षित, भाकियू नेता विष्णु मिश्र, मनोज शुक्ला, मुन्ना तिवारी सहित क्षेत्र के सैकड़ो लोग मौजूद रहे।

मौनी अमावस्या के पावन पर मेहंदी घाट पर उमड़ा जन सैलाब, हजारों लोगों ने लगायी आस्था की डुबकी

राष्ट्रीय प्रस्तावना

मल्लावाँ (हरदोई)। मौनी अमावस्या के पावन अवसर पर रविवार को मेहंदी घाट पर गंगा स्नान के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। भोर से ही हर-हर गंगे के जयघोष के बीच हजारों श्रद्धालुओं ने गंगा में आस्था की डुबकी लगाई। मान्यता है कि मौनी अमावस्या पर गंगा स्नान से पुण्य की प्राप्ति होती है और सभी पापों का नाश होता है।सूर्योदय से पूर्व ही मेहंदी घाट और आसपास के क्षेत्रों में यहां तक कन्नौज सीतापुर हरदोई तथा अन्य जनपदों से श्रद्धालुओं का आवागमन शुरू हो गया था। महिलाओंए बुजुर्गों और बच्चों में विशेष उत्साह देखने को मिला। स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने गंगा तट पर पूजा-अर्चना की और दान.पुण्य किया। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और व्यवस्था को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा पुलिस द्वारा रूट डायवर्जन भी किया गया जिससे भारी वाहनों का गंगा तट पर जा रहे मार्गो में कोई अवरोध उत्पन्न न होने पाए। घाट पर पुलिस बलए गोताखोरों और स्वयंसेवकों की तैनाती की गई थी। प्रशासन के अधिकारियों ने बताया कि मौनी अमावस्या को लेकर पहले से ही विशेष तैयारियां की गई थीं। साफ-सफाई, पेयजल और प्रकाश व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा गयाए जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। दिन चढ़ने के साथ ही घाट पर भीड़ और बढ़ती गई। श्रद्धालुओं ने शांतिपूर्वक स्नान कर धर्म लाभ अर्जित किया। देर शाम तक गंगा स्नान का क्रम जारी रहा। मौके पर भारी पुलिस बल रहा मौजूद।

क्षेत्र के हर व्यक्ति को रामलला के दर्शन कराना लक्ष्यः अजय सिंह

- 250 भक्तो को नि:शुल्क बसों से रामलला के दर्शन के लिए भेजा

हरी झंडी दिखाकर बस को रवाना करते भाजपा नेता अजय सिंह आदित्य

राष्ट्रीय प्रस्तावना

भरावन (हरदोई)। संडीला विधानसभा से भाजपा नेता अजय सिंह द्वारा क्षेत्र के भटपुर, कसहिया, उसरहा, डंमरखेड़ा, हाजीपुर से 250 भक्तो को नि:शुल्क बसों से रामलला के दर्शन के लिए अयोध्याधाम के लिए भेजा गया। भाजपा नेता अजय सिंह आदित्य नें बताया राम काज कीन्हे बिनु मोहि कहाँ विश्राम इस पंक्ति से उर्जित होकर ये प्रण किया क्षेत्र के एक एक व्यक्ति को अयोध्या धाम में रामलला के दर्शन के लिए नि:शुल्क बसों का सिलसिला अनवरत जारी रहेगा। क्षेत्र सत्यनारायण तिवारी कौशल शुक्ला सुरेंद्र सैनी राजू मौर्य गोविंद शर्मा अजय सिंह राम प्रसाद गौतम सचिन रावत किशन यादव पचा रावत शैलेंद्र पिंटू सौरभ पांडे शिवेंद्र तिवारी भक्तो नें अयोध्या धाम के दर्शन के लिए रवाना हुये।

युवक के साथ हुई मारपीट मे पुलिस ने किया मुकदमा दर्ज

मल्लावाँ (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। थाना अन्तर्गत इसरापुर मजरा तेरवा कुल्ली गांव में गाली.गलौज के विरोध पर युवक के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव निवासी कुलदीप सिंह पुत्र स्वण् विशेष सिंह के अनुसार, 11 जनवरी की शाम करीब 8 बजे वह अपने घर के बाहर बैठा था। इसी दौरान गांव का ही एशू सिंह पुत्र संजय सिंह वहां पहुंचा और बेवजह गाली-गलौज करने लगा। मना करने पर आरोपी ने लात-घूंसे व डंडे से मारपीट कर दी, जिससे उसे चोटें आईं। आरोप है कि मारपीट के दौरान आरोपी ने जान से मारने की धमकी भी दी। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचेए तब तक आरोपी फरार हो गया। पीड़ित ने घटना की शिकायत मल्लावां कोतवाली में दर्ज कराई है। पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

सगे चाचा की पीट-पीट कर कर दी हत्या

हरपालपुर (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। चुनावी रंजिश को लेकर प्रधान पति ने अपने सगे चाचा की पीट-पीट कर निर्मम हत्या कर दी है। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

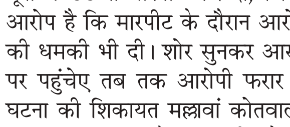

जानकारी के अनुसार हरपालपुर कोतवाली क्षेत्र के अर्जुनपुर गांव निवासी अरविंद सिंह ने राज्य निर्वाचन आयोग को शिकायती पत्र भेज कर ग्राम पंचायत में करीब 150 से अधिक फर्जी वोट शामिल होने की शिकायत की थी। रविवार को मामले की जांच के लिए सवायजपुर तहसील के राजस्व निरीक्षक राजेश शुक्ला व लेखपाल श्यामवीर सिंह मौके पर गए थे। जांच के दौरान प्रधान पति सामेन्द्र सिंह व उसके भाई रामू ने शिकायत कर्ता अरविन्द सिंह के साथ मारपीट की तथा फर्जी वोट के दस्तावेज फाड़ दिए। शिकायतकर्ता अरविन्द मामले की शिकायत के लिए हरपालपुर कोतवाली जा रहा था। तभी दोपहर करीब 2 बजे ग्राम प्रधान आरती सिंह के पति सामेन्द्र सिंह तथा उसके भाई रावेंद्र उर्फ रामू आदि ने शिकायतकर्ता के पिता अशोक सिंह को लाठी डंडे व लात घूसे से पीट कर मरणासन्न कर दिया । गंभीर हालत में उन्हें हरपालपुर सीएचसी लाया गया जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिम मार्तंड प्रकाश सिंह तथा सीओ सतेंद्र कुमार सिंह मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल में जुटे हैं। प्रभारी निरीक्षक वीरेंद्र कुमार पंकज ने बताया शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। तहरीर मिलने पर विधिक कार्यवाही की जाएगी।

चोरी की बैटरी सहित एक गिरफ्तार

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली क्षेत्र के एक मोहल्ले में दरवाजे पर खडे ई रिक्शा से बैटरी चोरी करने के मामले में पुलिस ने आरोपी को चोरी की बैटरी सहित गिरफ्तार कर जेल भेजा है। 17 जनवरी को इजहार पुत्र नन्हे निवासी मोहल्ला जेर बंगला द्वारा थाना पर

तहरीर दी गयी कि पवन पुत्र भोला निवासी मोहल्ला खेड़ा बीबीजेई द्वारा उसके के घर बाहर खड़े ई. रिक्शा से बैट्री चोरी कर ली गयी। इस संबंध में वादी की तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध नामजद रिपोर्ट दर्ज कर जाँच शुरू की थी। शनिवार को शाम 5:00 बजे उपनिरीक्षक अतुल कुमार ने बताया उपरोक्त अभियोग में नामजद आरोपी को चोरी की बैट्री सहित गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

युवती लापता, आरोपी पर रिपोर्ट दर्ज

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव से कालेज गई युवती के लापता होने के मामले में पिता की लिखित तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर युवती की तलाश शुरू कर दी है। पीड़ित पिता के अनुसार उसकी 20 वर्षीय पुत्री 10 जनवरी को घर से कालेज गई थी तब से वापस नहीं लौटी है। पुत्री को काफी तलाश किया तो पता चला कोतवाली क्षेत्र के ग्राम कुंअर गड़ा निवासी अमरपाल पुत्र काली चरन उसकी पुत्री को बहला-फुसलाकर कहीं ले गया है। पुत्री घर से करीब डेढ़ लाख के जेवर और अपने सभी शैक्षिक प्रमाण पत्र अपने साथ ले गई है। पिता को संदेह है आरोपी के साथ किसी और की भी संलिप्तता है क्योंकि आरोपी को कालेज के पास कई बार किसी से आते जाते देखा गया है।पीड़ित पिता की लिखित तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

डिग्री कॉलेज में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण में मौजूद रहे एडीएम, सूची आलेख्व्य पढ़ कर सुनाया गया

राष्ट्रीय प्रस्तावना

शाहाबाद (हरदोई)। विधानसभा क्षेत्र के बीएन डिग्री कॉलेज और ग्राम टुमुरकी सहित कई बूथों पर विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण में ड्राफ्ट मतदाता सूची के आलेख्व्य को पढ़कर सुनाया गया। इस मौके पर एडीएम जिला उप निर्वाचन अधिकारी प्रफुल्ल त्रिपाठी मौजूद रहे। एडीएम प्रफुल्ल त्रिपाठी के साथ उपजिला अधिकारी शाहाबाद अंकित तिवारीए खंड शिक्षा अधिकारी टोडरपुर 155 विधानसभा शाहाबाद के भाग संख्या 19, 80,83,84,85 एवं बीएन डिग्री कॉलेज के भाग संख्या 265, 266, 267, प्राथमिक विद्यालय टुमुरकी के भाग संख्या 268ए 269 जूनियर हाई स्कूल टुमुरकी पर विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण ड्राफ्ट मतदाता सूची को लेकर एक बैठक की गई। इस बैठक में आलेख को मतदाताओं को बीएलओ की उपस्थिति में पढ़कर सुनाया गया। इस अवसर पर ग्राम प्रधान, बीडीसी, एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

भूमि विवाद में महिला सहित तीन घायल, रिपोर्ट दर्ज

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम रामपुर हृदय में ग्राम समाज की भूमि को लेकर हुए विवाद में महिला सहित तीन लोगों को मारपीट कर घायल करने के मामले में पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज की है। पीड़िता रीतू पुत्री मुकेश के अनुसार 17 जनवरी को वह ग्राम समाज की भूमि में बनी कंडे की बठिया के निकट खड़ी थीए तभी गांव निवासी अशोक पुत्र मुन्नू अपने पुत्रों टिंकू और बबलू के साथ उसकी कंडे की बठिया लगी भूमि को अपनी बताते हुए टेभा गाड़ दिया। विरोध करने पर आरोपियों ने उसे मारपीट कर घायल कर दिया। शोर सुनकर उसके माता पिता बचाने आए तो विपक्षियों ने उन्हें भी मारपीट कर घायल कर दिया। पीड़िता की लिखित तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर घायलों को मेडिकल परीक्षण के लिए भिजवाया है। प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र प्रतापपुर सिंह ने बताया पुलिस ने घटना की जांच शुरू की जा है।

महायुति की महासफलता

महाराष्ट्र में हाल ही में संपन्न स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा के नेतृत्व में महायुति गठबंधन की महत्वपूर्ण सफलता ने राज्य में बड़े राजनीतिक बदलाव का संकेत दे दिया है, जो आने वाले दशकों में राज्य की भगवा राजनीति की विरासत पर वर्चस्व की दिशा भी तय करेगा। राज्य के विधानसभा चुनावों में भाजपा नीत महायुति गठबंधन द्वारा विपक्ष को करारी शिकस्त देने के एक साल से कुछ अधिक समय के बाद अब सत्तारूढ़ गठबंधन ने राज्यव्यापी स्थानीय निकाय चुनावों में अपना दबदबा कायम कर लिया है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि दशकों तक शिवसेना के वर्चस्व वाले बहुचर्चित बृहन्मुंबई नगर निगम यानी बीएमसी के चुनावों में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। निश्चित रूप से इस हालिया परिणाम से आने वाले सालों में मुंबई की सत्ता में निर्णायक बदलाव आएगा। अविभाजित पार्टी के रूप में, बाल ठाकरे द्वारा स्थापित शिवसेना ने दशकों तक भारत की वित्तीय राजधानी पर शासन किया। लेकिन अब भाजपा की अगुवाई में शिवसेना से अलग हुए एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाला गुट बीएमसी में अहम भूमिका निभाएगा। जैसे महाराष्ट्र सरकार में एकनाथ शिंदे उप मुख्यमंत्री की भूमिका निभा रहे हैं, वैसी बीएमसी में पार्टी की भूमिका रहेगी। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि दो दशक बाद ठाकरे भाइयों की पार्टियों के एकजुट होकर लड़ने के बावजूद राज्य में महायुति की लहर रुकी नहीं। यही वजह है कि पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की शिवसेना और राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना की हाल ही में सामने आई प्रतीकात्मक एकता चुनावी सफलता में बदलने में कामयाब नहीं हो सकी। वहीं दूसरी ओर शरद पवार और उनके भतीजे अजीत पवार के नेतृत्व वाले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के गुटों के बीच गठबंधन पूणे में बुरी तरह विफल हो गया। उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र की राजनीति में बीएमसी चुनाव परिणामों के गहरे निहितार्थ रहे हैं। बहुचर्चित बृहन्मुंबई नगर निगम यानी बीएमसी को देश का सबसे धनी नगर निगम होने का गौरव हासिल है। जिसके चलते इसका राजनीतिक महत्व बहुत अधिक है। महाराष्ट्र की राजनीति में बीएमसी के महत्व का अंदाजा इसके बजट से लगाया जा सकता है। इसका बजट वर्ष 2025-26 के लिये 74,427 करोड़ रुपये का है, जो हिमाचल प्रदेश और गोवा जैसे राज्यों के बजट से भी अधिक है। ऐसे में हालिया स्थानीय निकाय चुनाव में भाजपा नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन के वर्चस्व के बाद स्थानीय निकाय की नई संरचना का मुंबई के शासन, नीतिगत प्राथमिकताओं और महाराष्ट्र की राजनीतिक गतिशीलता पर दूरगामी प्रभाव पड़ेगा। यहां सकारात्मक पहलू यह भी है कि जनता ने विकास की आकांक्षा को तरजीह दी और क्षेत्रीय संकीर्णता के नारे को खारिज किया। चुनाव परिणाम मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के विकास के वादे का समर्थन करते हैं। हालांकि, ठाकरे परिवार का 'मराठी मानुष' कार्ड ज्यादा मतदाताओं को आकर्षित नहीं कर पाया। एक बार फिर महाराष्ट्र के स्थानीय निकाय चुनाव परिणामों में कांग्रेस हाशिये पर नजर आई। ऐसे में यह कांग्रेस को फिर से आत्ममंथन का मौका देता है। निर्विवाद रूप से महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनाव परिणामों ने विपक्ष के महा विकास अघाड़ी गठबंधन के भविष्य पर प्रश्नचिन्ह लगा दिया है, जिसके घटक दल पहले ही महाराष्ट्र की राजनीति में प्रासंगिक बने रहने के लिये संघर्ष कर रहे हैं। राजनीतिक पंडित कह रहे हैं कि महाराष्ट्र की राजनीति में बरसों तक वर्चस्व रखने वाले ठाकरे और पवार के राजनीतिक परिवार को राज्य में अपनी प्रासंगिकता बनाये रखने के लिये नये सिरे से प्रयास करने होंगे। वहीं दूसरी ओर इन चुनाव परिणामों का एक निष्कर्ष यह भी है कि भाजपा चुनावों में जीतने का गणित सीख गई है। पार्टी के बूथ मैनेजमेंट के साथ संघ का संबल उसकी विजय की राह प्रशस्त करता है। यही वजह है कि स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा न केवल अपने प्रतिद्वंद्वियों को पछाड़ती नजर आई, बल्कि अपने सहयोगियों पर भी भारी पड़ी है।

> **राज्य के विधानसभा चुनावों में भाजपा नीत महायुति गठबंधन द्वारा विपक्ष को करारी शिकस्त देने के एक साल से कुछ अधिक समय के बाद अब सत्तारूढ़ गठबंधन ने राज्यव्यापी स्थानीय निकाय चुनावों में अपना दबदबा कायम कर लिया है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि दशकों तक शिवसेना के वर्चस्व वाले बहुचर्चित बृहन्मुंबई नगर निगम यानी बीएमसी के चुनावों में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। निश्चित रूप से इस हालिया परिणाम से आने वाले सालों में मुंबई की सत्ता में निर्णायक बदलाव आएगा।**

ईरान का इस्लामिक दुनिया से रिश्तों का जटिल जाल

विवेक शुक्ला

> **ईरान की इस्लामिक क्रांति ने उसे मुस्लिम दुनिया में एक वैकल्पिक मॉडल के रूप में स्थापित किया, जहां वह खुद को साम्राज्यवाद-विरोधी और फिलिस्तीन समर्थक के रूप में पेश करता है। हालांकि, शिया-सुन्नी विभाजन के कारण ईरान की सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और अन्य सुन्नी-बहुल देशों के साथ प्रतिद्वंद्विता गहरी है। ईरान को सुन्नी राष्ट्रों द्वारा ''शिया विस्तारवादी'' के रूप में देखा जाता है, जबकि ईरान इन देशों को अमेरिका के कठपुतली मानता है। 1980 के दशक से ईरान ने लेबनान में हिजबुल्लाह, इराक में शिया मिलिशिया, सीरिया में असद शासन और यमन में हूती विद्रोहियों को समर्थन देया। यह नेटवर्क ईरान को क्षेत्रीय शक्ति प्रदान करता है लेकिन इसे आतंकवाद का प्रायोजक भी बनाता है, जैसा कि अमेरिका और उसके सहयोगी दावा करते हैं। सऊदी अरब और ईरान में पुरानी अदावत है।**

रमजान के महीने में राजधानी दिल्ली में इस्लामिक देशों के राजनयिक आमतौर पर चाणक्यपुरी में स्थित सूडान एंबेसी में नमाज अदा करते हैं। पर ईरानी राजनयिक अपनी एंबेसी में ही नमाज अदा करते हैं। ईरान और शेष इस्लामिक संसार में दूरियों को इस उदाहरण से कुछ हद कर समझा जा सकता है। दरअसल, ईरान के इस्लामिक राष्ट्रों के साथ संबंध जटिल और बहुआयामी हैं। 1979 की इस्लामिक क्रांति के बाद से ईरान ने शिया इस्लाम को अपनी विदेश नीति का आधार बनाया है, जो सुन्नी-बहुल मुस्लिम दुनिया के साथ उसके संबंधों को प्रभावित करता है। ईरान की सरकार खुद को इस्लामिक एकता का समर्थक बताती है लेकिन वास्तव में वह शिया प्रभाव को बढ़ाने की कोशिश करती रहती है। ईरान की इस्लामिक क्रांति ने उसे मुस्लिम दुनिया में एक वैकल्पिक मॉडल के रूप में स्थापित किया, जहां वह खुद को साम्राज्यवाद-विरोधी और फिलिस्तीन समर्थक के रूप में पेश करता है। हालांकि, शिया-सुन्नी विभाजन के कारण ईरान की सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और अन्य सुन्नी-बहुल देशों के साथ प्रतिद्वंद्विता गहरी है। ईरान को सुन्नी राष्ट्रों द्वारा ''शिया विस्तारवादी'' के रूप में देखा जाता है, जबकि ईरान इन देशों को अमेरिका के कठपुतली मानता है। 1980 के दशक से ईरान ने लेबनान में हिजबुल्लाह, इराक में शिया मिलिशिया, सीरिया में असद शासन और यमन में हूती विद्रोहियों को समर्थन देया। यह नेटवर्क ईरान को क्षेत्रीय शक्ति प्रदान करता है लेकिन इसे आतंकवाद का प्रायोजक भी बनाता है, जैसा कि अमेरिका और उसके सहयोगी दावा करते हैं। सऊदी अरब और ईरान में पुरानी अदावत है। दरअसल सऊदी अरब में एक शिया मौलवी को 2016 में फांसी की सजा दी गई थी और इसी मुद्दे पर 2016 में सऊदी अरब और ईरान के कूटनीतिक संबंध खत्म हो गए थे। तब से ये दोनों देश एक-दूसरे के जानी दुश्मन बन गए थे। सऊदी अरब खुद को सारी दुनिया के सुन्नी मुसलमानों का रहनुमा मानता है और ईरान अपने को शिया मुसलमानों का। आप जानते हैं कि दोनों ही देश तेल उत्पादक देश हैं। दोनों ही देश अपने व्यावसायिक दिलचस्पी के वर्चस्व की लड़ाई लड़ते हैं। क्या सऊदी अरब और ईरान कभी चीन से यह पूछने की हिमाकत करेंगे कि चीन में मुसलमानों पर भीषण अत्याचार क्यों हो रहे हैं? वे कब थमेंगे? चीन ने अपने मुस्लिम बहुल शिनजियांग प्रांत में रहने वाले मुसलमानों को पूरी तरह से कसा हुआ है। उन्हें खानपान के स्तर पर वह सब कुछ करना पड़ा रहा है, जो उनके इस्लाम धर्म में पूर्ण रूप से निषेध है। इस बीच, ईरान अफगानिस्तान और पाकिस्तान जैसे सुन्नी बहुल देशों के साथ व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाता है। वह मुस्लिम ब्रदरहुड जैसे सुन्नी समूहों से भी संबंध रखता है, ताकि अमेरिकी प्रभाव का मुकाबला कर सके। लेकिन कुल मिलाकर, ईरान की अलगाववादी स्थिति बनी हुई है, विशेष रूप से सुन्नी अरब देशों के साथ। हालांकि यह बताना जरूरी है कि उसकी पाकिस्तान से तनातनी भी चलती रहती है। ईरान ने पाकिस्तान में 2021 में सर्जिकल स्ट्राइक किया था। इस हमले का नतीजा यह हुआ कि ईरान ने अपने कुछ अपहृत कर लिए गए नागरिकों को ञ्जजैश उल अदलङ्क नाम के आतंकी संगठन के कब्जे से छुड़वा लिए। जैश अल-अदल के आतंकी पाकिस्तान की ईरान से लगती सरहद पर लगातार हमले बोल रहे हैं। उनके 2019 के हमले में 27 ईरानी नागरिक मारे गए थे। ऑर्गेनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कोऑपरेशन (ओआईसी) 1969 में स्थापित विश्व का दूसरा सबसे बड़ा अंतर-सरकारी संगठन है, जिसमें 57 मुस्लिम बहुल देश शामिल हैं। ईरान इस संगठन का संस्थापक सदस्य होने के साथ-साथ शुरू से ही एक महत्वपूर्ण और प्रभावशाली देश रहा है। हालांकि, ईरान की स्थिति हमेशा विवादास्पद और उतार-चढ़ाव वाली रही है। सऊदी अरब के साथ क्षेत्रीय प्रतिद्वंद्विता ने ओआईसी में ईरान की भूमिका को बार-बार प्रभावित किया। उसे 1980 के दशक में ईरान-इराक युद्ध के दौरान ओआईसी में अलग-थलग करने की कोशिशें हुईं। फिर भी, ईरान ने इस संगठन में अपनी सक्रियता कभी कम नहीं होने दी। वह फिलिस्तीन के समर्थन, कश्मीर मुद्दे और इस्लामोफोबिया के खिलाफ लगातार मुखर रहा। हाल के वर्षों में, खासकर 2024-2025 में इजराइल के साथ बढ़ते तनाव और ईरान पर हुए हमलों के बाद उसने ईरान ओआईसी से मजबूत एकजुटता की मांग की। कतर, मलेशिया, इंडोनेशिया और तुर्की जैसे देशों ने कई बार ईरान के पक्ष में आवाज उठाई, लेकिन सऊदी अरब और उसके सहयोगियों के प्रभाव के कारण संगठन अक्सर निर्णायक कार्रवाई करने में असमर्थ रहा। ईरान ओआईसी को मुस्लिम दुनिया की एकता का मंच मानता है, लेकिन ईरान की स्थिति प्रभावशाली तो है, परंतु पूर्ण नेतृत्व वाली नहीं है। आज ईरान के प्रमुख सहयोगी हैं: लेबनान में हिजबुल्लाह, गाजा में हमास और फिलिस्तीनी इस्लामिक जिहाद, यमन में हूती, इराक में पॉपुलर मोबिलाइजेशन फोर्सेज। ये समूह ईरान को इजराइल और अमेरिका के खिलाफ ''प्रतिरोध'' प्रदान करते हैं। ईरान रूस और चीन से भी करीब है, जो उसे प्रतिबंधों से बचाने में मदद करते हैं। दूसरी ओर, उसका सुन्नी देशों के साथ तनाव जारी है। सऊदी अरब के साथ यमन युद्ध और इराक में प्रभाव की लड़ाई ने संबंधों को बिगाड़ा है। हालांकि, 2023 में चीन की मध्यस्थता से कुछ सामान्यीकरण हुआ, लेकिन इजराइल-हमास युद्ध ने फिर तनाव बढ़ाया। ईरान खुद को मुस्लिम दुनिया का रक्षक बताता है लेकिन कई मुस्लिम राष्ट्र उसे संदेह की नजर से देखते हैं क्योंकि वह क्षेत्रीय अस्थिरता फैलाता है। ईरान में आजकल चल रही उथल-पुथल इस्लामिक दुनिया के साथ उसके संबंधों को और जटिल बना रही है। पिछले दिसंबर से तेहरान के ग्रैंड बाजार में दुकानदारों की हड़ताल से शुरू हुए विरोध प्रदर्शन तेजी से देशव्यापी हो गए, सभी 31 प्रांतों में फैल गए। शुरुआत में मुद्रा (रियाल) के पतन और 40% महंगाई के खिलाफ थे लेकिन जल्दी ही राजनीतिक हो गए। प्रदर्शनकारी देश के शिखर नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के खिलाफ नारे लगा रहे हैं, रेजा पहलवी (पूर्व शाह के पुत्र) के पक्ष में चिल्ला रहे हैं और शासन के अंत की मांग कर रहे हैं।

हिंदू होने का मर्म है विविधता में एकता और आत्मभूतेषु भाव

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

> **डॉ. भागवत का यह कथन है कि भारत एक भौगोलिक इकाई से ऊपर एक चरित्र है, जोकि भारतीय सभ्यता के मूल स्वभाव को रेखांकित करता है। भारत की पहचान उसकी सीमाओं से अधिक उसके संस्कारों से है। यदि भारत में कुछ अच्छा होता है तो उसका श्रेय भी हिंदू समाज को जाता है और यदि कुछ गलत होता है तो उत्तरदायित्व भी उसी पर आता है। कहना होगा कि भागवत जी का ये कथन किसी श्रेष्ठता का दावा नहीं है, वस्तुतः एक गहन दायित्वबोध है। यह हमें स्मरण कराता है कि बहुसंख्यक होना अधिकार नहीं, उत्तरदायित्व है।**

भारत एक देश होने के साथ ही एक चेतना है, एक संस्कार है, एक जीवन दृष्टि है। यह वह भूमि है जहां हजारों वर्षों से मानवता को जीने की कला सिखाई गई, जहां विविधता को शक्ति के रूप में देखा गया और जहां अंतःचेतना को ही एकता के लिए समाज की आधारशिला बनाया गया। इसी भारत के स?व को स्वर देते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने आज जो कहा है, वह हम सभी के लिए गहन रूप से विचारणीय है। वस?तुतः ये भारत के अतीत, वर्तमान और भविष्य को जोड़ने वाला वैचारिक उद्घोष है। जिसमें कि उनके शब्द हर हिंदू, हर सनातनी और हर भारतवासी के भीतर यह भाव जगाते हैं कि इस राष्ट्र का चरित्र हमारे आचरण से बनता है और इसकी जिम्मेदारी हमारे कंधों पर है। डॉ. भागवत का यह कथन है कि भारत एक भौगोलिक इकाई से ऊपर एक चरित्र है, जोकि भारतीय सभ्यता के मूल स्वभाव को रेखांकित करता है। भारत की पहचान उसकी सीमाओं से अधिक उसके संस्कारों से है। यदि भारत में कुछ अच्छा होता है तो उसका श्रेय भी हिंदू समाज को जाता है और यदि कुछ गलत होता है तो उत्तरदायित्व भी उसी पर आता है। कहना होगा कि भागवत जी का ये कथन किसी श्रेष्ठता का दावा नहीं है, वस्तुतः एक गहन दायित्वबोध है। यह हमें स्मरण कराता है कि बहुसंख्यक होना अधिकार नहीं, उत्तरदायित्व है। हिंदू समाज की परंपरा मूलतः समावेशी रही है। यहां कभी एकरूपता थोपने का प्रयास नहीं हुआ। यहां विचार, पूजा पद्धति, जीवन शैली, भाषा और खानपान की असंख्य धाराएं साथ-साथ बहती रहीं और ये सतत है। किसी ने शंकर को पूजा, किसी ने राम को, किसी ने शक्ति को, किसी ने निराकार को, फिर भी समाज बिखरा नहीं। यही कारण है कि भारत में शैव, वैष्णव, शाक्त, बौद्ध, जैन और सिख परंपराएं टकराव नहीं, सह-अस्तित्व का उदाहरण बनीं। डॉ. भागवत जब कहते हैं कि हिंदू समाज ने विविधता को कभी संघर्ष का कारण नहीं बनने दिया, तो वे इतिहास के सत्य को दोहराते हैं। सदियों के आक्रमण, शोषण और सांस्कृतिक आघातों के बावजूद भारत की मूल चेतना सुरक्षित रही क्योंकि उसका आधार समावेश है। भारत की विविधता में एकता सिर्फ आदर्श वाक्य नहीं है, यह भारत का चरित्र और सामाजिक यथार्थ है। 2011 की जनगणना बताती है कि देश में 22 आधिकारिक भाषाएं हैं और हजारों बोलियां जीवित हैं। समाजशास्त्रीय अध्ययनों के अनुसार चार हजार से अधिक जाति और उपजातीय समूह भारत में मौजूद हैं, फिर भी एक सांस्कृतिक सूत्र पूरे समाज को बांधे रखता है। दीपावली, होली, रामनवमी, मकर संक्रांति जैसे पर्व किसी एक वर्ग के नहीं, पूरे समाज के उत्सव बन जाते हैं। यही वह भारत है, जहां भिन्नता के बावजूद एकत्व का अनुभव होता है। वर्ष 2021 के प्यू रिसर्च अध्ययन में यह तथ्य सामने आया कि भले ही सामाजिक संरचनाओं में अभी चुनौतियां हैं, लेकिन समरसता और समानता की दिशा में प्रयास निरंतर बढ़ रहे हैं। कहना होगा कि इस समावेशिता की जड़ें भारतीय दर्शन में हैं। उपनिषदों का आत्मभूतेषु भाव, अर्थात सभी प्राणियों में एक ही आत्मा का दर्शन, हिंदू चिंतन की रीढ़ है। सर्वं खल्विदं ब्रह्म और अहं ब्रह्मास्मि जैसे महावाक्य व्यक्ति को धार्मिक के साथ ही उसे सामाजिक रूप से भी उदात्त बनाते हैं। जब मनुष्य सभी में स्वयं को देखने लगता है, तब भेदभाव स्वतः समाप्त होने लगता है। डॉ. भागवत का जाति, भाषा और व्यवसाय से ऊपर उठकर मित्रता करने का आह्वान इसी दर्शन का सामाजिक रूपांतरण है। यह वास्वत में व्यवहारिक सामाजिक सुधार का मार्ग है। यहां यह भी बताना होगा कि हिंदूत्व का यह दर्शन अध्यात्म तक सीमित नहीं है। यह शासन, समाज और अर्थव्यवस्था तक बहुत विस्तृत है। इसी क्रम में डॉ. भागवत का आत्मनिर्भरता पर जोर अत्यंत महत्वपूर्ण है। स्थानीय उत्पादों के उपयोग का आग्रह आर्थिकता के साथ ही सांस्कृतिक स्वाभिमान से जुड़ा विषय है। आत्मनिर्भर भारत अभियान के अंतर्गत मार्च 2025 तक 1.76 लाख करोड़ रुपये का निवेश, 16.5 लाख करोड़ रुपये का उत्पादन और बिक्री तथा लगभग 12 लाख रोजगार सृजित हुए हैं। यह आंकड़े बताते हैं कि आत्मनिर्भरता राष्ट्रीय पुनर्निर्माण की ठोस प्रक्रिया है। उन्होंने वैश्वीकरण को वैश्विक बाजार के बजाय वैश्विक परिवार के रूप में देखने की बात कही है। यह वही दृष्टि है, जिसने भारत को वसुधैव कुटुंबकम् का संदेश दिया। भारत सदियों से अपने नागरिकों को सशक्त बनाकर विश्व के साथ संतुलित संबंध बनाने वाला राष्ट्र रहता आया है। आत्मनिर्भरता का अर्थ आत्मबल के साथ विश्व से जुड़ना है। हिंदू समाज में एकता के संदर्भ में डॉ. भागवत का संदेश स्पष्ट और दृढ़ है। यह समाज के प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य है। संघ पहल करेगा, मार्गदर्शन देगा, किंतु नेतृत्व समाज को स्वयं करना होगा।भगवान राम का उदाहरण यह सिखाता है कि संवाद, धैर्य और मर्यादा भारतीय परंपरा का मूल है, किंतु जब अन्याय सीमा लांघ जाए, तब दृढ़ता भी आवश्यक है। यह संतुलन ही भारतीय चरित्र की पहचान है। आज जब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की दैनिक शाखा, साप्ताहिक मिलन और मासिक मंडली को मिलाकर संख्या देढ़ लाख से अधिक हो चुकी है और सामाजिक समरसता के प्रयास व्यापक रूप ले रहे हैं, तब यह स्पष्ट होता है कि समाज जाग रहा है। जातिगत भेद, आंतरिक विभाजन और हीनभावना को त्यागकर संगठित होना ही भारत की शक्ति का मूल है। संगठित समाज ही सांस्कृतिक निरंतरता, सामाजिक स्थिरता और राष्ट्रीय सुरक्षा की गारंटी बनता है। अंततः भारत के लिए हिंदू होने का अर्थ किसी संकीर्ण पहचान में सीमित होना नहीं है। यह एक जीवन दृष्टि है, जो विविधता को सम्मान देती है, आत्मभूतेषु भाव से सभी में एकात्मता देखती है और आत्मनिर्भरता के माध्यम से राष्ट्र को सशक्त बनाती है। वस?तुतः आज डॉ. मोहन भागवत के कथन इसलिए महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वे हमें स्मरण कराते हैं कि भारत का भविष्य किसी और के हाथ में नहीं, हमारे अपने आचरण में निहित है। यदि हिंदू समाज अच्छे, दृढ़ और ईमानदार बनने का संकल्प लेता है तो भारत का चरित्र स्वतः उज्ज्वल होगा। यही हिंदुत्व का मर्म है, यही सनातन का संदेश है और यही भारत का गौरव भी है।

महाराष्ट्र में भाजपा के विकास एवं विश्वास की निर्णायक जीत

ललित गर्ग

> **बीएमसी का महत्व केवल राजनीतिक प्रतीकात्मकता तक सीमित नहीं है। यह देश का सबसे धनी नगर निगम है, जिसका 2025-26 का बजट 74,427 करोड़ रुपये का है, जो कई छोटे राज्यों के बजट से भी अधिक है। इसीलिये बीएमसी शिवसेना का आर्थिक संबल थी, क्योंकि भ्रष्ट तौर-तरीकों के कारण नगर निकाय का पैसा उसके नेताओं के पास पहुंचता था। बीएमसी के इसी भ्रष्टाचार के कारण मुंबई अंतरराष्ट्रीय शहर के रूप में विकसित नहीं हो पा रही थी। ऐसे में बीएमसी पर नियंत्रण का अर्थ है नीतिगत प्राथमिकताओं, शहरी विकास की दिशा और संसाधनों के उपयोग पर निर्णायक प्रभाव।**

महाराष्ट्र में हाल ही में संपन्न शहरी निकाय चुनाव राज्य की राजनीति की दिशा, प्रवृत्ति और भविष्य का संकेत देने वाला एक बड़ा जनादेश बनकर सामने आए हैं। भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में महायुति गठबंधन की ऐतिहासिक सफलता ने यह स्पष्ट कर दिया है कि महाराष्ट्र की राजनीति अब एक निर्णायक मोड़ पर खड़ी है। यह बदलाव केवल सत्ता के हस्तांतरण तक सीमित नहीं है, बल्कि राजनीतिक सोच, जन अपेक्षाओं और लोकतांत्रिक व्यवहार में गहरे परिवर्तन का द्योतक है। इन चुनावों ने जहां भगवा राजनीति की वैचारिक और संगठनात्मक शक्ति को नए सिरे से रेखांकित किया है, वही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सकारात्मक सोच एवं विकास की राजनीति को आगे बढ़ाया है। यह सफलता ऐसे समय में मिली है जब विधानसभा चुनावों में विपक्ष को करारी शिकस्त दिए जाने को अभी एक वर्ष भी पूरा नहीं हुआ था। इसके बावजूद राज्यव्यापी स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा नीत महायुति गठबंधन का दबदबा यह दर्शाता है कि यह जीत क्षणिक नहीं, बल्कि एक सुदृढ़ राजनीतिक प्रवाह का परिणाम है। इन परिणामों ने राष्ट्र का ध्यान इसलिए अपनी ओर खींचा, क्योंकि इन चुनावों को मिनी विधानसभा चुनावों की संज्ञा दी गई थी। दशकों तक शिवसेना के वर्चस्व का प्रतीक रहे बृहन्मुंबई नगर निगम, यानी बीएमसी में शिवसेना का दशकों पुराना किला ढ़ह गया, बीएमसी एवं राज्यभर के शहरी निकाय चुनाव में भाजपा का सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरना एवं उसका दबदबा कायम होना, एक बड़े राजनीतिक बदलाव का सबसे सशक्त प्रमाण है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की राजनीतिक सोच और कार्यशैली इस पूरे परिदृश्य में एक निर्णायक कारक के रूप में उभरकर सामने आई है। फडणवीस ने महाराष्ट्र की राजनीति को केवल सत्ता संतुलन की सीमाओं में नहीं बांधा, बल्कि उसे दीर्घकालिक विकास दृष्टि से जोड़ा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रहे व्यापक राष्ट्रीय विकास कार्यक्रमों जैसे बुनियादी ढांचे का विस्तार, डिजिटल गवर्नेंस, पारदर्शिता, निवेश अनुकूल वातावरण और सुशासन को उन्होंने राज्य की आवश्यकताओं के अनुरूप जमीन पर उतारने का प्रयास किया है। उनकी राजनीति भावनात्मक उत्तेजना या तात्कालिक लोकप्रियता पर नहीं, बल्कि योजनाबद्ध विकास, प्रशासनिक दक्षता और भविष्य की तैयारी पर आधारित रही है। मुंबई से लेकर विदर्भ और मराठवाड़ा तक विकास की समान अवधारणा, शहरी-ग्रामीण संतुलन और रोजगार सृजन पर जोर उनकी सोच को प्रतिबिंबित करता है। इस महाविजय के पीछे फडणवीस की रणनीति के चार प्रमुख स्तंभ रहे हैं- हिंदुत्व और विकास का संतुलन, लोकल मुद्दों पर फोकस, विपक्ष पर प्रभावी जवाब और जनता के साथ जुडाव। यही कारण है कि स्थानीय निकाय चुनावों में जनता ने उन्हें केवल एक प्रशासक के रूप में नहीं, बल्कि एक दूरदृष्टा नेतृत्वकर्ता के रूप में स्वीकार किया है। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' की जो राष्ट्रीय अवधारणा गढ़ी गई, देवेंद्र फडणवीस ने उसे महाराष्ट्र की राजनीतिक और प्रशासनिक संस्कृति का हिस्सा बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, और यही दृष्टि महायुति की सफलता की वैचारिक रीढ़ बनती दिखाई देती है। बीएमसी का महत्व केवल राजनीतिक प्रतीकात्मकता तक सीमित नहीं है। यह देश का सबसे धनी नगर निगम है, जिसका 2025-26 का बजट 74,427 करोड़ रुपये का है, जो कई छोटे राज्यों के बजट से भी अधिक है। इसीलिये बीएमसी शिवसेना का आर्थिक संबल थी, क्योंकि भ्रष्ट तौर-तरीकों के कारण नगर निकाय का पैसा उसके नेताओं के पास पहुंचता था। बीएमसी के इसी भ्रष्टाचार के कारण मुंबई अंतरराष्ट्रीय शहर के रूप में विकसित नहीं हो पा रही थी। ऐसे में बीएमसी पर नियंत्रण का अर्थ है नीतिगत प्राथमिकताओं, शहरी विकास की दिशा और संसाधनों के उपयोग पर निर्णायक प्रभाव। भाजपा नेतृत्व वाली महायुति की सफलता यह संकेत देती है कि आने वाले वर्षों में मुंबई का प्रशासनिक और विकासात्मक स्वरूप नए सिरे से गढ़ा जाएगा। मुंबई को खराब सडकों, ट्रैफिक जाम और प्रदूषण से त्रस्त शहर की छवि से मुक्त करना भाजपा की पहली प्राथमिकता बननी चाहिए। इन चुनावों का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह रहा कि दो दशक बाद ठाकरे परिवार से जुड़ी पार्टियां एकजुट होकर मैदान में उतरीं, फिर भी वे महायुति की लहर को रोकने में असफल रहीं। उद्धव ठाकरे की शिवसेना और राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना की प्रतीकात्मक एकता मतदाताओं को प्रभावित नहीं कर सकी। इसी तरह शरद पवार और अजीत पवार के नेतृत्व वाले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के गुटों का पूणे में गठबंधन भी बुरी तरह विफल रहा। यह पराजय उन राजनीतिक परिवारों के लिए एक चेतावनी है, जिन्होंने लंबे समय तक राज्य की राजनीति में वर्चस्व बनाए रखा था। इन परिणामों से यह स्पष्ट है कि महाराष्ट्र की जनता ने क्षेत्रीय संकीर्णता और पुराने नारों की बजाय विकास, स्थिरता और विश्वास की राजनीति को प्राथमिकता दी है। 'मराठी मानुष' जैसे भावनात्मक मुद्दे इस बार ज्यादा प्रभाव नहीं डाल सके। मतदाताओं ने यह संकेत दिया है कि वे अपनी आकांक्षाओं को केवल पहचान की राजनीति में सीमित नहीं रखना चाहते, बल्कि वे बेहतर बुनियादी ढांचे, पारदर्शी प्रशासन और भविष्य की स्पष्ट दृष्टि चाहते हैं। इन स्थानीय निकाय चुनावों में कांग्रेस की हाशिये पर मौजूदगी भी एक महत्वपूर्ण संकेत है। यह स्थिति कांग्रेस के लिए आत्ममंथन का अवसर है। महाराष्ट्र जैसे बड़े और राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण राज्य में उसकी कमजोर होती पकड़ यह सवाल उठाती है कि क्या पार्टी बदलते राजनीतिक परिदृश्य को समझने और उसके अनुरूप रणनीति बनाने में विफल हो रही है। महा विकास अघाड़ी गठबंधन के भविष्य पर भी इन परिणामों ने प्रश्नचिह्न लगा दिया है। इसके घटक दल पहले ही प्रासंगिक बने रहने के लिए संघर्ष कर रहे हैं और यह पराजय उस संघर्ष को और कठिन बना देती है। राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि ठाकरे और पवार जैसे परिवारों को अब अपनी राजनीति का पुनर्मूल्यांकन करना होगा। केवल विरासत और अतीत की उपलब्धियों के सहारे राजनीति नहीं चलाई जा सकती। जनता अब जवाबदेही, परिणाम और स्पष्ट दिशा चाहती है। इसके विपरीत भाजपा ने यह सिद्ध कर दिया है कि वह चुनाव जीतने का गणित अच्छी तरह समझ चुकी है। मजबूत बूथ मैनेजमेंट, कैडर आधारित संगठन और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का वैचारिक व सांगठनिक संबल उसकी सफलता की आधारशिला बने हैं। यही कारण है कि भाजपा न केवल अपने प्रतिद्वंद्वियों से आगे निकली, बल्कि कई स्थानों पर अपने सहयोगियों पर भी भारी पड़ी। इन चुनावों का व्यापक अर्थ केवल महाराष्ट्र तक सीमित नहीं है। यह परिणाम राष्ट्रीय राजनीति के लिए भी एक संकेत हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विश्वास, विकास और आश्वासन की राजनीति को जनता लगातार समर्थन दे रही है। यह राजनीति केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं, बल्कि जमीन पर बदलाव की अनुभूति कराती है। अंधेरों के बीच रोशनी की किरण की तरह यह राजनीति आम नागरिक को यह विश्वास दिलाती है कि उसका भविष्य सुरक्षित हाथों में है। इससे राजनीतिक परिभाषाएं ही नहीं बदलीं, बल्कि इंसान की सोच में भी परिवर्तन आया है। मतदाता अब भावनात्मक उकसावे से अधिक ठोस उपलब्धियों और संभावनाओं को महत्व देने लगा है। महाराष्ट्र के स्थानीय निकाय चुनाव इस बदलाव का सशक्त उदाहरण हैं। बड़े-बड़े दावे करने वालों के बोल ध्वस्त हुए हैं और विकास की राजनीति आगे बढ़ी है। जनता देश को एक नई दिशा, एक नए लोकतांत्रिक परिवेश और एक नई राजनीतिक संस्कृति में देखना चाहती है। यह संस्कृति केवल सत्ता परिवर्तन की नहीं, बल्कि शासन के तौर-तरीकों में बदलाव की मांग करती है। पारदर्शिता, जवाबदेही और परिणामोन्मुखी प्रशासन अब केवल नारे नहीं, बल्कि जन अपेक्षा बन चुके हैं। बीएमसी जैसे शक्तिशाली संस्थान में भाजपा का वर्चस्व न केवल मुंबई की सत्ता संरचना को बदलेगा, बल्कि महाराष्ट्र की राजनीति की धुरी को भी नए सिरे से परिभाषित करेगा। यह जीत बताती है कि लोकतंत्र में वही राजनीतिक ताकत टिकाऊ होती है, जो समय के साथ खुद को बदलने, जनता की नब्ज पहचानने और विकास को केंद्र में रखने का साहस रखती है। महाराष्ट्र के स्थानीय निकाय चुनावों ने इसी सच्चाई को एक बार फिर उजागर किया है।

बागेश्वरधाम पीठाधीश्वर ने दिव्य दरबार में समस्याओं का किया निराकरण

- किसी को नाम लेकर तो किसी की पहचान बताकर स्वीकार की अर्जी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। बागेश्वरधाम पीठाधीश्वर पं.धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने महादिव्य दरबार में एक के बाद एक न सिर्फ लोगों को मंच पर बुलाया, बल्कि बिना बताए ही उनके मन के भाव पढ़कर उनकी समस्या जानी और समाधान का भरोसा दिलाया।

सबसे आश्चर्यचकित करने वाला मामला उस समय आया जब एक व्यक्ति की अर्जी स्वीकार हुई और बागेश्वरधाम सरकार ने उसके ऊपर कर्ज की धनराशि का भी सबके सामने खुलासा कर दिया। हालांकि पं.शास्त्री ने 32 लाख 80 हजार रुपए का कर्ज धीरे धीरे तीन साल के अंदर चुक जाने का आशीर्वाद भी दिया।

शहर के मवई बाईपास चौराहे पर बुंदेलखंड यूथ फाउंडेशन के संस्थापक भाजपा नेता प्रवीण सिंह के संयोजन में आयोजित पंच दिवसीय हनुमंत कथा के तीसरे दिन बागेश्वरधाम पीठाधीश्वर पं.धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने रविवार को महा दिव्य दरबार लगाया और बिना बताए ही लोगों की समस्याएं न सिर्फ जान लीं, बल्कि उनका समाधान भी बताया। दरबार शुरू होते ही पहली अर्जी पिपरहरी के सोनू और दूसरी अर्जी विजय यादव और तीसरी अर्जी बिजलीखेड़ा की प्रीती नाम की महिला की स्वीकार हुई।

अर्जी स्वीकार होने की जानकारी बागेश्वर सरकार ने किसी का नाम पुकारकर तो किसी की पहचान व स्थान बताकर दी। प्रत्येक अर्जी स्वीकार होने पर लाखों श्रद्धालुओं से खचाखच भरा पंडाल सन्यासी बाबा, बागेश्वरधाम सरकार और हनुमान जी महराज के जयकारों से गूंज उठता था। सोनू मिश्रा ने परिवार की खुशी मांगी तो बरेठी गांव के विजय यादव ने विश्व कल्याण व भारत हिंदू राष्ट्र की अर्जी लगाई। बागेश्वरधाम सरकार ने सभी की अर्जी स्वीकार की और समस्याओं का समाधान बताया। एक के एक बाद करीब दो दर्जन से अधिक लोगों की अर्जी स्वीकार की और उनकी समस्याओं का समाधान बताया। दिव्य दरबार के साथ ही प्रेतराज सरकार का भी दरबार लगा, जिसमें बागेश्वरधाम सरकार ने सभी की प्रेत बाधाओं का समुचित उपचार किया।

भूत-प्रेतबाधा से पीड़ितों को लगाई चमीटा की मार

जहां वैज्ञानिक युग की चकाचौंध के बीच विज्ञान भूत-प्रेत को सिरे से नकारते हैं, वहीं सनातन संस्कृति के ध्वजवाहक बागेश्वरधाम सरकार पं.धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने प्रेतराज सरकार का दरबार लगाया और भूत-प्रेत बाधाओं से पीड़ित मरीजों को चमीटा से मार लगाई। महादिव्य दरबार के बीच भूत-प्रेत रोगियों की जमात जुटी और बालाजी महराज के आदेश पर प्रेतराज सरकार की सेना ने सभी झूमने पर विवश कर दिया और पीड़ितों को प्रतीकात्मक चमीटा की जमकर मार लगाई। लाखों श्रद्धालुओं से खचाखच भरे भारी भरकम पंडाल में उस समय सनसनी फैल गई, जब एक पीड़ित पर सवार भूत-प्रेत ने खुलेआम बालाजी सरकार को ही चुनौती दे डाली। उसने तेज आवाज में चीखकर कहा कि जब बागेश्वरधाम में उसका कुछ नहीं बिगड़ा तो यहां उसका क्या बिगड़ सकता है। हालांकि बाद में प्रतीकात्मक मार के बाद बागेश्वरधाम सरकार ने उसका उपचार किया तो सबकुछ ठीक हो गया। बागेश्वरधाम सरकार के आदेश के बाद एक एक करके सैकड़ों की संख्या में भूत प्रेत बाधा से पीड़ित महिला-पुरुष, बच्चे और बुजुर्ग भाव से झूमने लगे। पीठाधीश्वर पं.धीरेंद्र शास्त्री ने सभी का उपचार किया और भूभूत के माध्यम से सभी को ठीक करने का दावा किया।

इनसेट

अपने ससुर को बुला दइयो, हमें उनकी ठठरी बारने

शहर के बिजलीखेड़ा मोहल्ला में रहने वाली प्रीती की अर्जी लगी तो वह खुशी से झूम उठी और उसकी आंखों में अनायास ही आंसू छलक पड़े। बांदा वाली भौजी के नाम सोशल मीडिया एकाउंट चलाकर शोहरत हासिल करने वाली प्रीती की अर्जी स्वीकार करते हुए उनकी समस्याओं पर चर्चा की और उनका समाधान भी बताया। बांदा वाली भौजी प्रीती की समस्याओं पर बागेश्वरधाम सरकार ने कहा कि अपने आप पर बहुत कंट्रोल करें, यश-ख्याति बढ़ेगी, धन की तंगी है, बच्चों की सफलता चाहती हैं, मन विचलित रहता है। बागेश्वरधाम पीठाधीश्वर पं.धीरेंद्र शास्त्री ने बांदा वाली भौजी के परिवार में कलह होना बताया और उसके ससुर को धाम लेकर आने का आदेश सुनाया। कहा कि अपने ससुर को बुला दइयो हमें उनकी ठठरी बारने। बागेश्वरधाम सरकार के चिर परिचित अंदाज में ठठरी के बरे, नककटा, मुसरचंदा जैसे उद्‌बोधन सुनकर श्रद्धालु श्रोताओं के ठहाके समूचे पंडाल में गूंज उठते हैं।

...जब संत आते हैं तो संस्कृति मुस्कराती है

जिस पर बसंत आने पर प्रकृति खिल जाती है, ठीक वैसे ही जब संत आते हैं तो संस्कृति मुस्कुरा उठती है। हनुमान चालीसा की चौपाइयों पर आधारित हनुमंत कथा को संबोधित करते हुए बागेश्वरधाम पीठाधीश्वर पं.धीरेंद्र शास्त्री ने रोचक कथाओं के माध्यम से श्रद्धालु श्रोताओं को बांधे रखा। कथा के तीसरे दिन लाखों की संख्या में उमड़े जन-सैलाब के चलते समूचा क्षेत्र राममय हो गया और पंडाल से लेकर सड़कों तक केवल श्रद्धालुओं का हुजूम ही नजर आया। कथा के दौरान बागेशवरधाम सरकार ने हनुमान जी के जीवन प्रसंगों और उनकी अटूट राम भक्ति का ऐसा जीवंत वर्णन किया कि वहां मौजूद हर भक्त भाव-विभोर होकर जयकारे लगाने लगा। रविवार को हनुमान गढ़ी अयोध्या के महंत राजूदास महराज, काशी विद्वत परिषद के महामंत्री रामनारायण द्विवेदी, योगी सत्यनाथ, जिला पंचायत अध्यक्ष सुनील पटेल, जिला पंचायत सदस्य व पूर्व लोकसभा प्रत्याशी मयंक द्विवेदी, झांसी महानगर प्रचारक सक्षम, पूर्व विधायक आनंद शुक्ला समेत तमाम जनप्रतिनिधि व विभिन्न मठों के महंत कथा श्रवण करने पहुंचे। आयोजक बुंदेलखंड यूथ फाउंडेशन के संस्थापक प्रवीण सिंह, मुख्य यजमान प्रशांत सिंह समेत उनके परिजनों व समर्थकों ने आरती में हिस्सा लिया।

प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के अंतर्गत जनपद के लाभार्थियों के खातों में हस्तांतरित हुई धनराशि

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा रविवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 के अंतर्गत प्रदेश के 2 लाख लाभार्थियों के बैंक खातों में सीधे 2,000 करोड़ रुपये की अनुदान राशि का हस्तांतरण किया गया। इस कार्यक्रम का सजीव प्रसारण जनपद कौशांबी के उदयन सभागार में आयोजित कार्यक्रम में किया गया जहां उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने मुख्यमंत्री के संबोधन को सुना।

परियोजना अधिकारी डूडा आकाश सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि जनपद कौशांबी के कुल 3092 लाभार्थियों के बैंक खातों में प्रथम किस्त के रूप में 3092 लाख रुपये की धनराशि सीधे हस्तांतरित की गयी। जिसमें नगर पालिका परिषद मंझनपुर ऽ 497 लाभार्थी, अझुवा ऽ 331 लाभार्थी, भरवारी ऽ 1184 लाभार्थी, चायल ऽ 39 लाभार्थी, चरवा ऽ 325 लाभार्थी, दारानगर ऽ 167 लाभार्थी, पूरब/पश्चिम शरीरा ऽ 144 लाभार्थी, सराय अकील ऽ 102 लाभार्थी, सिराथू ऽ 303 लाभार्थी के खाते में धनराशि हस्तांतरित की गयी। कार्यक्रम के दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद मंझनपुर वीरेन्द्र फौजी एवं अध्यक्ष नगर पालिका परिषद भरवारी कविता पासी द्वारा निकायवार 10-10 कुल 100 लाभार्थियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किये गये।इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी शालिनी प्रभाकर, अधिशासी अधिकारी प्रतिभा सिंह, शहर मिशन प्रबंधक डूडा कामरान अहमद, सी.एल.टी.सी. डूडा अदनान फैज तथा सामुदायिक आयोजक डूडा राजेन्द्र कुमार गुप्ता सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

डॉ. आंबेडकर राष्ट्रीय एकता मंच के तत्वावधान में सामाजिक जागरूकता बैठक का आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। मऊ/बरेली। रविवार को डॉ. आंबेडकर राष्ट्रीय एकता मंच के तत्वावधान में सामाजिक जागरूकता बैठक का आयोजन ग्राम पोस्ट मस्तीपुर, मोहनलालगंज विधानसभा क्षेत्र में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मंच के राष्ट्रीय संरक्षक एवं पूर्व आईएएस अधिकारी राम बहादुर, विशिष्ट अतिथि के रूप में मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष भवननाथ पासवान एवं प्रदेश अध्यक्ष आशा राम सरोज उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मोहनलालगंज विधानसभा अध्यक्ष पीताम्बर प्रसाद ने की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि राम बहादुर ने कहा कि आज देश और समाज के सामने शिक्षा का अभाव, सामाजिक विषमता, संविधान पर हो रहे हमले, गरीब, दलित, पिछड़े और वंचित वर्गों के अधिकारों का हनन सबसे बड़े ज्वलंत मुद्दे हैं। उन्होंने कहा कि जब तक समाज संगठित और जागरूक नहीं होगा, तब तक शोषण, अन्याय और भेदभाव को समाप्त नहीं किया जा सकता। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे बाबासाहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के विचारों को अपनाकर शिक्षा, संगठन और संघर्ष के मार्ग पर चलें और सामाजिक परिवर्तन के सिपाही बनें।

राष्ट्रीय अध्यक्ष भवननाथ पासवान ने अपने ओजस्वी संबोधन में कहा कि आज देश बेरोजगारी, महंगाई, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी गंभीर समस्याओं से जूझ रहा है, लेकिन इन मुद्दों से ध्यान भटकाने का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि डॉ. आंबेडकर राष्ट्रीय एकता मंच का स्पष्ट उद्देश्य है कि समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक न्याय, सम्मान और अधिकार की आवाज पहुंचे। अब समय आ गया है कि समाज चुप रहने के बजाय अपने संवैधानिक अधिकारों के लिए संगठित होकर निर्णायक संघर्ष करे। प्रदेश अध्यक्ष आशा राम सरोज ने अपने संबोधन में कहा कि आज गांव-गांव में शिक्षा की कमी, नशाखोरी, सामाजिक भेदभाव और बेरोजगारी जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि जब तक समाज जागरूक नहीं होगा, तब तक कोई भी सरकार या व्यवस्था आम आदमी को उसका पूरा अधिकार नहीं दिला सकती। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे नशा, भटकाव और नकारात्मक सोच से दूर रहकर शिक्षा और संगठन को अपनी ताकत बनाएं और बाबा साहब के सपनों का समतामूलक समाज बनाने में अपनी भूमिका निभाएं। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए पीताम्बर प्रसाद ने कहा कि इस प्रकार की सामाजिक जागरूकता बैठकें समाज को नई दिशा और नई चेतना देने का काम करती हैं और मंच द्वारा किया जा रहा यह अभियान निश्चित रूप से आने वाले समय में एक बड़ा जनआंदोलन बनेगा। बैठक में यह सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया कि आने वाले समय में मोहनलालगंज विधानसभा क्षेत्र के हर गांव में सामाजिक जागरूकता अभियान चलाया जाएगा और लोगों को शिक्षा, संविधान, सामाजिक एकता और अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाएगा। अंत में कार्यक्रम का समापन बाबासाहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के मिशन को जन-जन तक पहुंचाने और सामाजिक न्याय की लड़ाई को और तेज करने के संकल्प के साथ किया गया। इस अवसर पर अनिल पासी, संतदीन, बालक राम, शिव बालक रावत, गुरु प्रसाद, राम वीरज रावत, अर्जुन प्रसाद राव, शत्रोहन लाल, बैंक मैनेजर श्री संत राम रावत, सोहनलाल, गायत्री रावत, मीरा रावत, सावित्री रावत, श्रीमती वर्षा रावत, पल्लवी रावत, स्नेहा रावत, सपना त्यागी सहित बड़ी संख्या में महिलाओं एवं क्षेत्रवासी व सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

लापरवाही पर भड़के सीएमओ, मूरतगंज पीएचसी के निरीक्षण में आशा बहू को लगायी फटकार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी। स्वास्थ्य सेवाओं की जमीनी हकीकत परखने के उद्देश्य से रविवार को आयोजित मुख्यमंत्री आरोग्य मेले के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजय कुमार ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मूरतगंज का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए सीएमओ ने लापरवाही पर कड़ा रुख अपनाया। निरीक्षण के क्रम में सीएमओ सीधे प्रसव कक्ष पहुंचे जहां हाल ही में दो महिलाओं का प्रसव हुआ था। उन्होंने प्रसूताओं एवं उनके परिजनों से संवाद कर सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। सीएमओ ने स्पष्ट रूप से पूछा कि क्या अस्पताल में किसी कार्य के बदले धन की मांग की गयी तथा क्या निर्धारित मेनू के अनुसार पौष्टिक आहार उपलब्ध कराया जा रहा है। इसी दौरान वहां मौजूद एक आशा बहू बार-बार बातचीत के बीच हस्तक्षेप करने लगी और परिजनों का पक्ष सुने जाने से पहले ही अपनी सफाई देने लगी। इससे नाराज होकर सीएमओ ने फीडबैक प्रक्रिया में बाधा डालने पर कड़ी आपत्ति जताई और आशा बहू को फटकार लगाते हुए वार्ड से बाहर जाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि उन्हें सीधे जनता से बात करने दिया जाय। निरीक्षण के दौरान सीएमओ ने अस्पताल परिसर की साफ-सफाई, दवाओं की उपलब्धता तथा अन्य व्यवस्थाओं की भी जांच की। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, प्रसव के बाद मिलने वाले लाभों तथा स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार की दलाली या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। सीएमओ डॉ. संजय कुमार ने चिकित्सा अधीक्षक को निर्देशित किया कि मरीजों एवं उनके तीमारदारों को किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा आशा कार्यकत्रियां अपनी निर्धारित भूमिका और मर्यादा में रहकर कार्य करें।

जिलाधिकारी ने विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण का निरीक्षण किया

उन्नाव। जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी गौरांग राठी ने आज भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम का निरीक्षण किया। इस दौरान जिलाधिकारी सदर विधानसभा के बूथ 186 से 190, श्याम कुमारी सेठ, में पहुंचे और कार्यक्रम की प्रगति देखी। उन्होंने उपस्थित बीएलओ से मतदाताओं द्वारा भरे गए फॉर्म-6 (नाम पंजीकरण) और फॉर्म-8 (सुधार / स्थानांतरण) सहित अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं। जिलाधिकारी ने अपने सामने बीएलओ के माध्यम से फॉर्म-06 और फॉर्म-08 ऑनलाइन भरवाकर प्रक्रिया का अवलोकन किया और उपस्थित मतदाताओं से फीडबैक लिया कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान को और गति कैसे दी जा सकती है। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने स्थानीय लोगों और मतदाताओं से अपील की कि वे अधिक से अधिक फॉर्म-06 और फॉर्म-08 भरवाने में सहयोग करें।

तिंदवारी विधान सभा क्षेत्र के पांच बूथों का आयुक्त ने किया निरीक्षण

- बूथों पर कार्यरत मिले बीएलओ, मतदाता जांचते मिले सूची में अपने नाम

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। आयुक्त ने विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत तिंदवारी विधान सभा क्षेत्र के पाँच बूथों का औचक निरीक्षण करते हुए प्रगति की समीक्षा की। उपजिलाधिकारी पैलानी को नवनियुक्त बीएलओ को शीघ्र प्रशिक्षण प्रदान करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी अधिकारियों, कर्मियों को पूरी निष्ठा के साथ काम करने को कहा।

आयुक्त अजीत कुमार ने तिंदवारी विधान सभा क्षेत्र के उच्च प्राथमिक विद्यालय पैलानी, प्राथमिक विद्यालय क्योटरा डेरा, उच्च प्राथमिक विद्यालय जसपुरा, मधुसूदनदास इंटर कॉलेज जसपुरा तथा प्राथमिक विद्यालय (अंग्रेजी माध्यम) पपरेंदा का निरीक्षण किया। सभी पांच बूथों में बीएलओ उपस्थित पाए गए, जिनके पास फार्म-6,7 एवं 8 पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध थे। बीएलओ द्वारा मौके पर उपस्थित नागरिकों को आलेख्य निर्वाचक नामावली पढ़कर सुनाई जा रही थी, जिससे मतदाताओं को अपने नामों की जांच करने में सुविधा प्राप्त हुई। निरीक्षण में बीएलओ सीमा, नीलम एवं पूर्णिमा को निर्वाचन संबंधी कार्यों का अपेक्षित प्रशिक्षण प्राप्त नहीं हो पाया है। इस पर आयुक्त ने उपजिलाधिकारी पैलानी को नवनियुक्त बीएलओ को शीघ्र प्रशिक्षण प्रदान करने के निर्देश दिए। आयुक्त ने 18 वर्ष पूर्ण कर चुके सभी युवाओं को मतदाता बनने के लिए प्रेरित करने, विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं कौशल प्रशिक्षण केंद्रों के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाने, बीएलओ द्वारा घर-घर संपर्क कर मतदाताओं के नाम जोड़ने एवं संशोधन करने, दिव्यांग, वरिष्ठ नागरिक एवं असहाय व्यक्तियों की सहायता के लिए विशेष प्रयास करने आदि के बारे में निर्देश दिए। उन्होंने सभी अधिकारियों, कर्मियों को पूरी निष्ठा के साथ काम करने के निर्देश दिए।

संक्षिप्त समाचार

पांच ट्रकों को थाने में निरुद्ध किया

बांदा। सड़क दुर्घनाओं में कमी लाये जाने के उद्देश्य से परिवहन विभाग द्वारा चलाए जा रहे चेकिंग अभियान में 53 वाहनों का चालान काटते हुए चालकों को सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक किया। पकड़े गए पांच ओवरलोड ट्रकों को संबंधित थानों के सुपुर्द किया। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत रविवार को परिवहन अधिकारियों ने चेकिंग अभियान चलाया। पीटीओ वीरेंद्रनाथ राजभर ने ओवरलोड के विरूद्ध अभियान चलाकर पांच ओवरलोड ट्रकों को पकड़ लिया। पकड़े गए ट्रकों को संबंधित थानों में निरूद्ध किया गया। इसके अलावा 24 बिना हेलमेट, 22 नो पार्किंग सहित अन्य अभियोगों में कुल 53 वाहनों के चालान काटे गए। वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक किया गया।

तीन लोगों ने जहरीला पदार्थ खाया

बांदा। शहर कोतवाली क्षेत्र के कंचनपुरवा निवासी रोहित (26) पुत्र बिंदेश्वरी ने शनिवार की रात घरेलू किसी बात से नाराज होकर जहर खा लिया। शहर कोतवाली क्षेत्र के जंगल दफ्तर निवासी मनीष (18) पुत्र देवीदीन ने शनिवार की रात पिता की डांट से नाराज होकर जहर खा लिया। बबेरू कस्बा निवासी रानी (35) पत्नी शिवभोला ने शनिवार की रात किसी बात से नाराज होकर जहर खा लिया। तीनो को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

बाइक से गिर कर युवती घायल

बांदा। चिल्ला थाना क्षेत्र के डिघवट गांव निवासी रागिनी (22) पत्नी उदित बाइक पर बैठकर मवई बाईपास हनुमंत कथा सुनने आ रही थी। बाइक के पहिए में साड़ी फंस जाने से बाइक आनियंत्रित होकर गिर पड़ी। वह घायल हो गई। उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया

60 साल के लोगों के बनाएं जाएं आयुष्मान कार्ड

बांदा। समाजसेवी व आरटीआई एक्टिविस्ट कुलदीप शुक्ला ने प्रधानमंत्री को पत्र भेजकर 60 वर्ष से अधिक सभी आयु वर्ग के लोगों के आयुष्मान

उन्नाव में 22-23 जनवरी को 'रंग दे बसंती'

- देश-विदेश के धर्मगुरु एक मंच पर देंगे एकता का संदेश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। 22 और 23 जनवरी को 'रंग दे बसंती' कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में आयोजित एक प्रेसवार्ता में बताया गया कि इसमें देश-विदेश के प्रसिद्ध धर्मगुरु शामिल होंगे।

श्री साईं दरबार मंदिर सेवा समिति के संस्थापक सुरेंद्र वर्मा (बाबा)इस कार्यक्रम का आयोजन कर रहे हैं। आयोजकों के अनुसार, यह उन्नाव के इतिहास में पहला मौका होगा जब हिंदू, सिख, ईसाई, जैन और मुस्लिम सहित सभी धर्मों के प्रमुख गुरु एक मंच पर आकर समाज को एकता और भाईचारे का संदेश देंगे। धर्मगुरुओं का यह सम्मेलन रामलीला मैदान में होगा।

कार्यक्रम की रूपरेखा के अनुसार, 22 जनवरी को सभी धर्मगुरु अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद स्मारक, बदरका पहुंचेंगे। वे वहां श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे और उपस्थित जनसमूह को संबोधित करेंगे।

23 जनवरी को सुबह 9 बजे आवास विकास कॉलोनी स्थित पटेल पार्क से एक विशाल यात्रा निकाली जाएगी। यह यात्रा हरदोई पुल, बड़ा चौराहा, गांधी नगर तिराहा सहित विभिन्न मार्गों से होते हुए रामलीला मैदान पहुंचेगी।

कार्यक्रम में विशेष मुम्बई से आएं बैंड द्वारा देशभक्ती गीतों पर रंगारंग कार्यक्रम व बसंत पंचमी पर विशेष पतंग उड़ानें का कार्यक्रम होगा।

यात्रा के बाद सभी धर्मगुरु कार्यक्रम स्थल पर अपने विचार साझा करेंगे। प्रेसवार्ता में आचार्य लंकेश जी महाराज, सौरभ वर्मा, अमित मिश्रा, अनूप दिक्षीत, संतोष वर्मा, आशीष पाडेय, शमशुद्दीन भोलू और समिति के कई पदाधिकारी व सदस्य मौजूद रहे। आयोजकों ने जनपदवासियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

महाशिवरात्रि पर भव्य होगी विशाल शिव शोभायात्रा

उन्नाव। विशाल शिव शोभायात्रा समिति उन्नाव की एक महत्वपूर्ण बैठक रविवार को स्थानीय श्री सिद्धनाथ मंदिर में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता स्वामी रामस्वरूप ब्रह्मचारी ने की। बैठक का शुभारंभ भगवान शिव एवं विशाल शिव शोभायात्रा के सूत्रधार स्वर्गीय राजकुमार निगम जी के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। स्वामी रामस्वरूप ब्रह्मचारी ने कहा कि भगवान शिव आदि महादेव हैं और महाशिवरात्रि का पर्व सनातन संस्कृति की आत्मा है। उन्होंने सभी शिवभक्तों से एकजुट होकर महाशिवरात्रि पर निकलने वाली विशाल शिव शोभायात्रा को भव्य व ऐतिहासिक बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय राजकुमार निगम जी ने जिस भाव से इस शोभायात्रा की नींव रखी थी, उनकी पांचवीं पुण्यतिथि पर इससे बड़ी श्रद्धांजलि और कोई नहीं हो सकती।

बाबा बलखंडेश्वर महादेव मंदिर में श्री गणेश महायज्ञ

- राम कथा में हुआ व्यास पीठ पूजन
- भाजपा नेता विमल द्विवेदी ने किया व्यास पीठ का पूजन, 22 जनवरी को भव्य रामलीला आयोजन की घोषणा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

परियर। स्थानीय बाबा बलखंडेश्वर महादेव मंदिर परिसर में आयोजित श्री गणेश महायज्ञ के अंतर्गत व्यास पंडित प्रिया किशोरी जी की राम कथा के दौरान रविवार को भाजपा नेता एवं नर सेवा नारायण सेवा संस्थान के संस्थापक विमल द्विवेदी ने व्यास पीठ का पूजन-अर्चना कर पंडित प्रिया किशोरी जी को सम्मानित किया।

इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए विमल द्विवेदी ने सनातन धर्म के महत्व पर प्रकाश डाला और समाज को संगठित रहने का आह्वान किया। कथा के दौरान वक्ता द्वारा सती का कुम्भज ऋषि द्वारा कथा श्रवण तथा भगवान शिव द्वारा श्रीराम की महिमा के वर्णन का प्रसंग सुनाया गया। राम कथा में व्यास ने श्रोताओं को बताया कि राम एक ऐसा नाम है, जो भारतीय संस्कृति में अत्यंत पूज्यनीय और आदरणीय है। भगवान राम सत्य और न्याय के प्रतीक हैं। उन्होंने अपने पिता की आज्ञा का पालन करते हुए 14 वर्षों का वनवास स्वीकार किया और रावण जैसे शक्तिशाली शत्रु को पराजित कर धर्म की स्थापना की। राम की महिमा का पूर्ण वर्णन करना असंभव है। राम नाम के स्मरण से मन को सुख और शांति की अनुभूति होती है। गणेश महायज्ञ आयोजन के प्रमुख पंडित शिवकेश दीक्षित ने जानकारी देते हुए बताया कि आगामी 22 जनवरी की रात्रि में मंदिर परिसर में भव्य रामलीला का आयोजन किया जाएगा।

मौनी अमावस्या पर शुक्लागंज के गंगा घाटों पर उमड़ा आस्था का सैलाब

शुक्लागंज। धार्मिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाने वाली मौनी अमावस्या के पावन अवसर पर रविवार को शुक्लागंज के गंगा घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। भोर पहर से ही कड़ाके की ठंड और शीतलहर के बावजूद श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया, जो दोपहर तक लगातार जारी रहा। हजारों की संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने पतित पावनी मां गंगा में आस्था की डुबकी लगाकर पुण्य लाभ अर्जित किया। मान्यता है कि मौनी अमावस्या के दिन मौन रहकर स्नान एवं दान करने से अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है। इसी विश्वास के साथ बालामऊ, लखनऊ, जैतीपुर, उन्नाव, सोनिक, अचलगंज, रायबरेली और कानपुर सहित दूर-दराज के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में स्नानार्थी शुक्लागंज के गंगा घाटों पर पहुंचे। सुबह के समय गलन अधिक होने के बावजूद श्रद्धालुओं के उत्साह में कोई कमी नहीं दिखाई दी।

ईसानगर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 38 गौवंश सुरक्षित

- पशु तस्करी में लिप्त 12 अभियुक्त गिरफ्तार, ट्रैक्टर-ट्रॉली व कार बरामद

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। जनपद खीरी में अपराध एवं पशु तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस प्रशासन को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस अधीक्षक खीरी संकल्प शर्मा के निर्देशन में थाना ईसानगर पुलिस ने पशु तस्करी करते हुए 12 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 38 गौवंश सुरक्षित बरामद किए हैं।

यह कार्रवाई अपर पुलिस अधीक्षक खीरी के निकट पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी धौरहरा के कुशल मार्गदर्शन में थानाध्यक्ष ईसानगर के नेतृत्व में 18 जनवरी 2026 को की गई। पुलिस टीम ने ग्राम इमलिया चौराहे से आगे सिसैया मार्ग पर घेराबंदी कर पशु तस्करी में लिप्त अभियुक्तों को मौके से गिरफ्तार किया। इस दौरान 04 ट्रैक्टर-ट्रॉली एवं 01 अल्टो कार बरामद की गई। पुलिस के अनुसार अभियुक्त संगठित रूप से गौवंश की तस्करी में संलिप्त थे। बरामद किए गए सभी गौवंशों को सुरक्षित स्थान पर भेज दिया गया है। इस संबंध में थाना ईसानगर पर मु0अ0सं0 26/2026 के अंतर्गत गौवध निवारण अधिनियम की धारा 5(इ)/8 एवं पशु क्रूरता अधिनियम की धारा 11 में मुकदमा पंजीकृत कर विधिक कार्रवाई पूरी करते हुए सभी अभियुक्तों को न्यायालय भेज दिया गया है। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जनपद खीरी में गौ-तस्करी व पशु क्रूरता के मामलों में शून्य सहनशीलता की नीति अपनाई गई है और आगे भी इस प्रकार की कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में- निर्मल तिवारी थानाध्यक्ष, उप निरीक्षक अनिल कुमार वर्मा, हेड कांस्टेबल सुनील कुमार, कांस्टेबल शिवकुमार, कांस्टेबल दिनेश कुमार, कांस्टेबल पिंटू वर्मा, कांस्टेबल शिवम कुमार, कांस्टेबल जितेंद्र कुमार, कांस्टेबल सोनवीर सिंह, कांस्टेबल भूपेंद्र सिंह थाना ईसानगर शामिल रहे।

रोटी बैंक सोसाइटी ने जरूरतमंदों को दी कंबलों की सौगात

बांदा। पिछले कई वर्षों से रेलवे स्टेशन, बस अड्डा, मंदिर, दरगाह और जिला अस्पातल आदि में शरण लिए बेसहारा और निर्धनों को नियमित रूप से भोजन परोस रही रोटी बैंक सोसायटी ने एक और पुनीत काम अंजाम दिया। सोसाइटी स्वयंसेवकों ने सदर तहसील क्षेत्र के अछरौड़ गांव में जरूरतमंदों को ठंड से बचाव को समाजसेवी द्वारा उपलब्ध कराए गए 15 कंबलों के साथ गर्म कपड़ों की सौगात दी। ग्रामीणों ने सोसाइटी स्वयंसेवकों की समाजसेवा को जमकर सराहा। रोटी बैंक सोसाइटी संरक्षक शेख़ सादी जमां और सह संरक्षक चंद्रमौलि भारद्वाज के संरक्षण में मीडिया प्रभारी अब्दुल मुजीब की अध्यक्षता में खुटला शाखा प्रमुख महेंद्र पाल के नेतृत्व में ग्राम प्रधान विनोद यादव की उपस्थिति में रविवार को सदर तहसील क्षेत्र के अछरौड़ गांव में सहायता शिविर आयोजित हुआ। इस मौके पर समाजसेवी व शिक्षक मज़हर अली द्वारा दान किए गए 15 कंबलों के साथ जागरूक लोगों द्वारा दान में दिए गर्म कपड़े जरूरतमंद ग्रामीणों को वितरित किए।

मतदाता पुनरीक्षण के विशेष अभियान के तहत लगे विशेष कैम्प

- एईआरओ ने किया बूथों का निरीक्षण, नए मतदाताओं ने भरे फार्म

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। श्रीनगर विधानसभा क्षेत्र में विशेष प्रगाढ़ मतदाता पुनरीक्षण अभियान के तहत श्रीनगर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत उच्च प्राथमिक विद्यालय भल्लिया बुजुर्ग एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय सेमरई में रविवार को विशेष कैम्प का आयोजन किया गया। अभियान के अंतर्गत बूथ संख्या 49 एवं 50 का निरीक्षण एईआरओ चतुर्भुज सिंह द्वारा किया गया।

निरीक्षण के दौरान बूथ संख्या 49 की बीएलओ राजरानी ने बताया कि मतदाता सूची के अवलोकन के बाद नाम बढ़ाने व संशोधन का कार्य किया जा रहा है। अभी तक फार्म-6 के 9 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जबकि दिव्यांग मतदाता की संख्या 1 दर्ज की गई है। वहीं बूथ संख्या 50 की बीएलओ अफसाना ने जानकारी दी कि कुल 32 फार्म प्राप्त हुए हैं, जिनमें 31 फार्म-6 तथा 1 फार्म-7 शामिल है।

इस मौके पर बीएलए सलमान नकवी, इसहाक खान, अरसद निजाम, जन्मेजय यादव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। उधर, उच्च प्राथमिक विद्यालय सेमरई में बूथ संख्या 43, 44 एवं 45 के लिए मतदाता सूची संशोधन एवं नए मतदाताओं को जोड़ने हेतु लगाए गए विशेष कैम्प में बीएलओ बबिता श्रीवास्तव, जितेंद्र कुमार मिश्र एवं संतोष कुमारी मौजूद रहीं। कैम्प में बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचे और नए मतदाताओं ने आवेदन फार्म भरकर मतदाता सूची में नाम जुड़वाए। बीएलओ जितेंद्र कुमार मिश्र ने बताया कि इस क्षेत्र में नो-मैपिंग मतदाताओं की संख्या काफी है। संबंधित नोटिस प्राप्त होने के बाद मैपिंग का कार्य प्रारंभ किया जाएगा। निर्वाचन विभाग द्वारा चलाए जा रहे इस विशेष अभियान से मतदाता सूची को अद्यतन करने और अधिक से अधिक पात्र नागरिकों को मतदाता सूची में शामिल करने में मदद मिल रही है।

गन्ना प्रजाति पहचान व सर्वे को लेकर विशेष प्रशिक्षण आयोजित

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। गन्ना एवं चीनी आयुक्त, उत्तर प्रदेश के निर्देश पर गन्ना विकास परिषद गोला एवं चीनी मिल गोला के संयुक्त तत्वावधान में मिल गेट परिक्षेत्र के ग्राम धरमपुर स्थित प्रगतिशील कृषक तुलसीराम के फार्म पर विभागीय व मिल स्टाफ के लिए गन्ना प्रजाति पहचान एवं रोग प्रबंधन विषय पर विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में लगभग 65 कार्मिकों ने प्रतिभाग किया। प्रशिक्षण उपरांत ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक गोला आशुतोष मधुकर ने जानकारी देते हुए बताया कि 20 जनवरी से 05 फरवरी 2026 तक खड़े गन्ने, डेमो प्लॉट एवं नर्सरी के सत्यापन अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने डाटा फीडिंग को सटीक रखने, अस्वीकृत व अनामित प्रजातियों के स्थान पर उन्नतशील प्रजातियों को बढ़ावा देने तथा प्रजातीय संतुलन बनाए रखने के निर्देश दिए। इस अवसर पर वरिष्ठ महाप्रबंधक गन्ना पी.एस. चतुर्वेदी, सहायक महाप्रबंधक गन्ना ओ.डी. शर्मा, प्रबंधक गन्ना सत्येंद्र कुमार मिश्र सहित मिल व समिति के समस्त अधिकारी, गन्ना कामदार एवं मोटिवेटर उपस्थित रहे।

अंर्तजनपदीय टप्पेबाज गैंग का पुलिस ने किया पर्दाफाश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। मवई बाईपास में चल रही पांच दिवसीय हनुमंत कथा शुभारंभ मौके पर निकाली गई भव्य कलश यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं के जेवर पार करने वाले अंर्तजनपदीय टप्पेबाज गिरोह का शहर कोतवाली पुलिस ने पर्दाफाश करते हुए छह महिलाओं समेत आठ सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने अभियुक्तों के कब्जे से सात मंगलसूत्र, एक सोने की चेन एवं घटना में प्रयुक्त कार भी बरामद की है। पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल के निर्देश पर जनपद में चलाए जा रहे अपराध उन्मूलन अभियान के तहत शहर कोतवाली पुलिस ने 15 जनवरी को हनुमंत कथा से पूर्व निकाली गई भव्य कलश यात्रा के दौरान कई महिला श्रद्धालुओं के जेवर चोरी हो गए थे। पुलिस टप्पेबाजों को गिरफ्तार करने के लिए सक्रियता से लगी हुई थी। मुखबिर ने कोतवाली पुलिस को सूचना दी कि अतर्रा रोड बाईपास के पास सफ़ेद रंग के चार पहिया वाहन में कुछ संदिग्ध पुरुष व महिलाएं हैं।

भागवत कथा सुनने से होता है उद्धार : आचार्य श्याम बिहारी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मैलानी खीरी। मैलानी स्थित सिद्धिविनायक पब्लिक स्कूल परिसर में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के द्वितीय दिवस वृंदावन धाम से पधारे आचार्य श्याम बिहारी चतुर्वेदी ने कहा कि भागवत कथा श्रवण से ही जीव का कल्याण व उद्धार संभव है। कथा में आचार्य श्री ने बताया कि शास्त्रों के अनुसार भगवान के प्रमाणिक रूप से चौबीस अवतार माने गए हैं। उन्होंने राजा परीक्षित के जीवन चरित्र का विस्तार से वर्णन करते हुए कहा कि परीक्षित की कथा से ही भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं का उदय होता है। अश्वत्थामा के ब्रह्मास्त्र से परीक्षित गर्भ में ही नष्ट हो सकते थे, लेकिन भगवान श्रीकृष्ण की कृपा से उनकी रक्षा हुई। जन्म के बाद उनका नाम विष्णुराट पड़ा और बाद में वे राजा बने।

आचार्य ने आगे कहा कि एक दिन राजा परीक्षित ने अपने राज्य में देखा कि कलयुग गाय और बैल को पीट रहा है, जो धर्म और पृथ्वी का प्रतीक हैं। राजा के पूछने पर कलयुग ने अपने निवास के लिए स्थान मांगा। तब राजा परीक्षित ने उसे चार स्थान दिए– जुआ खेलने का स्थान, मदिरापान का स्थान, व्यभिचार का स्थान, हिंसा का स्थान इसके बाद कलयुग ने एक और स्थान मांगा, तब राजा ने सोना (रजोगुण से उत्पन्न) को उसका निवास बताया। कलयुग के प्रभाव से राजा परीक्षित की बुद्धि भ्रष्ट हुई और वे संतों के प्रति दोषदृष्टि करने लगे। इसी कारण ऋषि समीक के पुत्र श्रृंगी ने उन्हें सात दिन में तक्षक नाग से मृत्यु का श्राप दे दिया।

श्राप की सूचना मिलने पर राजा परीक्षित गंगा तट पहुंचे और ऋषियों से पूछा कि मृत्यु समीप होने पर मनुष्य को क्या करना चाहिए तथा जीवन में सदा क्या करना चाहिए। तब शुकदेव जी ने बताया कि सभी प्राणियों का कल्याण केवल श्रीमद्भागवत कथा में ही है। इसके पश्चात राजा परीक्षित ने सप्ताह श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण किया। इस अवसर पर नगर के अनेक प्रतिष्ठित लोग उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री स्वास्थ्य मेले में 140 मरीजों ने कराया उपचार

- पीएचसी सेमरई में लगे मेले में शुगर व ब्लड प्रेशर की हुई जांच

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। सीएचसी फरधान से संबद्ध पीएचसी सेमरई में रविवार को मुख्यमंत्री स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया। मेला चिकित्सा प्रभारी डॉ. आर.के. सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुआ, जिसमें एलोपैथिक, आयुष चिकित्सकों के साथ एएनएम एवं समस्त स्वास्थ्य स्टाफ उपस्थित रहा। स्वास्थ्य मेले में कुल 140 मरीजों ने पहुंचकर विभिन्न बीमारियों का उपचार कराया। इस दौरान 28 मरीजों की शुगर एवं ब्लड प्रेशर की जांच की गई। मरीजों को निःशुल्क दवाइयां भी वितरित की गईं। पीएचसी प्रभारी डॉ. आर.के. सिंह ने बताया कि बीते कुछ दिनों में दमा (आस्थमा), खांसी-जुकाम, शुगर एवं उच्च रक्तचाप के मरीजों की संख्या में वृद्धि देखी जा रही है। उन्होंने लोगों से समय-समय पर जांच कराने और चिकित्सकीय सलाह का पालन करने की अपील की। मेले में उपस्थित होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ. विनोद वर्मा ने शुगर व ब्लड प्रेशर के मरीजों को नियमित जांच कराने, संतुलित खान-पान अपनाने तथा परहेज रखने की सलाह दी।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयोजित मुख्यमंत्री स्वास्थ्य मेले के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को उनके गांव के पास ही बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे मरीजों को समय पर उपचार मिल सके।

बजाज चीनी मिल में गन्ने का अकाल

- भुगतान न होने से किसानों ने रोकी आपूर्ति, मिल की एक इकाई बंद

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। नगर स्थित बजाज हिन्दुस्थान शुगर लिमिटेड चीनी मिल द्वारा किसानों का गन्ना भुगतान समय पर न किए जाने से हालात गंभीर हो गए हैं। किसानों ने गन्ने की आपूर्ति ठप कर दी, जिसके चलते मिल की एक इकाई को बंद करना पड़ा है, जबकि दूसरी इकाई भी पर्याप्त गन्ने के अभाव में लड़खड़ा रही है। मिल ने पिछले पेराई सत्र में 12.69 लाख कुंतल गन्ना खरीदा था, जिसका कुल मूल्य 47,620.44 लाख रुपये बनता है।

इसके सापेक्ष किसानों को केवल 41,582.41 लाख रुपये का ही भुगतान किया गया। इस प्रकार पिछले सत्र का 6,038.03 लाख रुपये अभी भी बकाया है।

वर्तमान पेराई सत्र में मिल द्वारा अब तक 69.79 लाख कुंतल गन्ने की खरीद की जा चुकी है, जिसका मूल्य 27,685.45 लाख रुपये है। भुगतान न मिलने से आक्रोशित किसानों ने आपूर्ति बंद कर दी। बताया गया कि राष्ट्रीय किसान शक्ति संगठन द्वारा 1 जनवरी को गन्ना आपूर्ति रोकी गई थी। उस समय मिल प्रबंधन ने मौके पर मौजूद किसानों से पिछले वर्ष का संपूर्ण भुगतान तत्काल करने, 15 जनवरी तक सभी बकाया चुकाने तथा नए भुगतान की शुरुआत का वादा किया था।

आश्वासन के बाद आपूर्ति शुरू हुई, लेकिन वादे पूरे न होने से किसानों का भरोसा टूट गया और उन्होंने स्वतः गन्ना आपूर्ति बंद कर दी। गन्ना आपूर्ति बनाए रखने के लिए मिल प्रबंधन द्वारा सहकारी गन्ना विकास समिति लिमिटेड को अधिक इंडेंट जारी किए जा रहे हैं। अधिक इंडेंट के चलते समिति ने मात्र चार दिनों में ही 7 और 8 दोनों पक्षों की पर्चियां जारी कर दीं। जबकि मिल की दोनों इकाइयों की संयुक्त पेराई क्षमता 1,30,000 कुंतल प्रतिदिन है, लेकिन किसानों की आपूर्ति रुकने से एक इकाई पूरी तरह बंद हो चुकी है। बंद इकाई की मुंडेर पर बगुले बैठे नजर आ रहे हैं, जो ठप पड़ी गतिविधि की तस्वीर बयां करते हैं।

क्रेशर और कोल्हू पर बिक रहा गन्ना

गोला गोकर्णनाथ खीरी। बजाज चीनी मिल से भुगतान न मिलने के कारण किसान आर्थिक संकट में हैं। मजबूरी में वे गन्ना क्रेशर व कोल्हू पर 380 से 400 रुपये प्रति कुंतल तक नगद बेच रहे हैं। कई किसानों ने मूल्य बढ़ने की उम्मीद में पौधा गन्ना भी रोक लिया है, इसी कारण मिल को गन्ना आपूर्ति नहीं मिल पा रही है।

ट्रक की टक्कर से आटो पलटा युवक की मौत

बांदा। जालौन जिला के उरई से कुछ लोग शनिवार की रात आटो में बैठ कर बांदा आ रहे थे। रविवार की सुबह मटौंध थाना क्षेत्र के बुदेलखंड एक्सप्रेस-वे पर पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने आटो में टक्कर मार दी। आटो आनियंत्रित होकर पलट गया। इसमें सवार खल्ला निवासी विक्रम सिंह (30) पुत्र रमेश, कमल सिंह (45) पुत्र रतन, रवि (36) पुत्र रामदेव सिंह, उरई निवासी सुरेंद्र (55) पुत्र मोहनलाल, नीतू (24) पुत्री कमलजीत, देवकली (45) पत्नी हकीम सिंह, अंशू देवी (35) पत्नी वीर सिंह घायल हो गए। हादसे के बाद ट्रक समेत चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने सभी घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। आटो चालक विक्रम को मृत घोषित कर दिया। पुलिस शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के चाचा अरविंद ने बताया कि विक्रम आटो लेकर बांदा आ रहा था। तभी रास्ते में यह हादसा हो गया।

गोला गोकर्णनाथ में पिकअप-टेम्पो की भिड़ंत, चार घायल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। गोला गोकर्णनाथ क्षेत्र के ग्राम निपनियां के पास रविवार सुबह गोलाऽबांकेगंज मार्ग पर पिकअप और टेम्पो की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में टेम्पो चालक सहित चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना सुबह लगभग 10 बजे निपनियां मोड़ के पास हुई। घायलों में टेम्पो चालक रामू पुत्र शिवचरन (30 वर्ष) निवासी बेचापुर शामिल है, जिसके दोनों पैर फ्रैक्चर हो गए। इसके अलावा टेम्पो में सवार विनोद पुत्र हरद्वारी लाल (48 वर्ष) निवासी सुभानपुर के सिर में गंभीर चोट आई है।

जगदीश प्रसाद पुत्र पंचम लाल (53 वर्ष) निवासी झाऊपुर के हाथ में चोट तथा अजय पुत्र ब्रजमोहन (30 वर्ष) निवासी मैकूपुर के पैर व कमर में चोटें आई हैं। घटना की सूचना पर स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को सीएचसी गोला भेजा गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद विनोद की हालत गंभीर देखते हुए उसे ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया गया। वहीं टेम्पो चालक रामू के परिजन उसे जिला अस्पताल ले जाने के बजाय निजी संजीवनी हॉस्पिटल ले गए। पिकअप संख्या ठध्31 खग 4795 का चालक दुर्घटना के बाद मौके से फरार हो गया। पुलिस के अनुसार प्रथम दृष्टया दुर्घटना का कारण ओवरटेकिंग बताया जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि निपनियां मोड़ के पास आए दिन हादसे होते रहते हैं, इसलिए यहां चेतावनी संकेतक व स्पीड ब्रेकर लगाए जाने की आवश्यकता है। फिलहाल पुलिस ने टेम्पो और पिकअप को कब्जे में लेकर पुलिस चौकी बांकेगंज में खड़ा करा दिया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

एनसीसी कैडेट्स ने दी जूनियर डिवीज़न 'ए' प्रमाण पत्र परीक्षा

बांदा। कड़ी सुरक्षा के बीच एनसीसी जूनियर डिवीजन 'ए' प्रमाण पत्र परीक्षा में अतर्रा के हिंदू इंटर कालेज (अतर्रा) और आदर्श बजरंग इंटर कालेज के 94 एनसीसी कैडेट्स ने भागीदारी की। बताया कि इस परीक्षा को पास करने के बाद एनसीसी कैडेट्स को एनसीसी निदेशालय द्वारा 'ए' प्रमाण पत्र दिया जाएगा। 60वीं बटालियन कमांडिंग आफीसर कर्नल बृजेश पठानिया के नेतृत्व में रविवार को आदर्श बजरंग इंटर कालेज में कड़ी सुरक्षा के बीच एनसीसी जूनियर डिवीजन 'ए' प्रमाण पत्र परीक्षा आयोजित हुई। परीक्षा में हिंदू इंटर कालेज व आदर्श बजरंग इंटर कालेज के 94 एनसीसी कैडेट्स शामिल हुए। प्रधानाचार्य मेजर मिथलेश कुमार पांडेय ने बताया कि इस परीक्षा को पास करने के बाद एनसीसी कैडेट्स को एनसीसी निदेशालय द्वारा 'ए' प्रमाण पत्र दिया जाएगा। उन्हें सेना तथा सेना से संबंधित नौकरियों में विशेष लाभ के साथ वरीयता का फायदा मिलेगा।

लखीमपुर खीरी में 5100 शहरी लाभार्थियों को पीएम आवास योजना की पहली किस्त

सीएम ने किया 51 करोड़ रुपये का ऑनलाइन हस्तांतरण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- अटल सभागार में भव्य आयोजन, सीएम के कार्यक्रम की हुई लाइव स्ट्रीमिंग
- पीएम आवास योजना से गरीबों को सम्मान और सुरक्षित भविष्य' : विधायक

लखीमपुर खीरी। शहरी गरीबों के पक्के आवास का सपना साकार करने की दिशा में सरकार ने रविवार को एक बड़ा कदम उठाया। मौनी अमावस्या के पावन अवसर पर जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी-2.0 के तहत 5100 लाभार्थियों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 51 करोड़ रुपये की पहली किस्त डीबीटी के माध्यम से सीधे उनके खातों में हस्तांतरित की। कलेक्ट्रेट स्थित अटल सभागार में भव्य कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में लाभार्थियों ने विधायक (धौरहरा) विनोद शंकर अवस्थी, डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल, एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह और पीओ डूडा संगीता सिंह की मौजूदगी में सीएम के कार्यक्रम की लाइव स्ट्रीमिंग देखी और सुनी। सीएम ने बटन दबाकर सभी लाभार्थियों के खातों में एक-एक लाख की धनराशि अंतरित की। इस दौरान विधायक विनोद शंकर अवस्थी ने डीएम व एडीएम के साथ लाभार्थियों को आवास के स्वीकृति पत्र वितरित किए।

विधायक विनोद शंकर अवस्थी ने कहा कि पीएम आवास योजना केवल पक्का घर नहीं, बल्कि गरीबों को सम्मान, सुरक्षा और आत्मनिर्भर भविष्य देती है। उन्होंने कहा कि पीएम और सीएम के नेतृत्व में अब गरीबों का पक्का आवास सपना साकार होता लक्ष्य बन गया है। विधायक ने लाभार्थियों से अपील की कि वे इस सहायता का सदुपयोग कर गुणवत्तापूर्ण निर्माण कराएं और प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करें।

डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने लाभार्थियों को दी बधाई

डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने कहा कि यह कार्यक्रम सिर्फ घर देने तक सीमित नहीं है, बल्कि गरीबों के जीवन में सम्मान, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता की सौगात है।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी योजनाओं का लाभ समय पर, पारदर्शी और व्यवस्थित रूप से हर पात्र नागरिक तक पहुंचे, ताकि हर परिवार नई छत के साथ खुशहाल और समृद्ध जीवन की दिशा में कदम बढ़ा सके।

एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह ने कहा कि योजना गरीबों के जीवन में न सिर्फ छत, बल्कि आत्मसम्मान और आशाओं का आधार भी बन रही है।

अब हमारी भी छत है...पीएम आवास योजना से भावुक हुए हीरालाल थारू, मुख्यमंत्री से संवाद में छलका धन्यवाद

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से वर्चुअल संवाद के दौरान पीएम आवास योजना (शहरी) के पलिया से लाभार्थी थारू समुदाय के हीरालाल थारू भावुक नजर आए। उन्होंने मुख्यमंत्री के समक्ष चरण स्पर्श कर कोटि-कोटि प्रणाम किया। मुख्यमंत्री ने स्नेहपूर्वक अभिवादन स्वीकार करते हुए जिले में थारू समुदाय की आबादी और उनकी सामाजिक स्थिति के बारे में जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने जब पूछा कि अब तक आवास नहीं था, तो हीरालाल ने बताया कि पहली बार उन्हें पक्का आवास मिला है। इस पर मुख्यमंत्री ने बधाई देते हुए कहा कि यह सरकार की योजनाओं की सार्थकता है। संवाद के दौरान हीरालाल ने बताया कि उनकी माता को निराश्रित महिला पेंशन, उज्ज्वला योजना के तहत गैस सिलेंडर, राशन कार्ड, शौचालय और निशुल्क विद्युत कनेक्शन का लाभ मिला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि योजनाओं का लाभ समय पर लेना जरूरी है और थारू समाज के हर व्यक्ति व हर गरीब को इसके लिए जागरूक कर प्रेरित किया जाना चाहिए। इससे समाज का व्यापक उत्थान संभव है। मुख्यमंत्री के सुझाव पर हीरालाल ने थारू समुदाय की ओर से प्रधानमंत्री को आभार व धन्यवाद पत्र लिखने की बात कही। इस पर उन्होंने खुशी जाहिर करते हुए भरोसा दिलाया कि वे पूरे समाज की ओर से यह संदेश जरूर पहुंचाएंगे।मुख्यमंत्री की बातों से उत्साहित हीरालाल ने थारू समुदाय की ओर से प्रधानमंत्री को आभार और धन्यवाद पत्र लिखने का संकल्प लिया। खुशी से भरे स्वर में उन्होंने कहा कि सरकार ने जो भरोसा और सम्मान दिया है, उसे शब्दों में पिरोकर वे पूरे समाज की भावनाएं जरूर पहुंचाएंगे।

अपना विजय अभियान जारी रखने के लिए उतरेगा आरसीबी

एजेंसी

वडोदरा। अब तक अपने चारों मैच जीत कर उत्साह से भरी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम गुजरात जायंट्स के खिलाफ सोमवार को यहां होने वाले महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) क्रिकेट टूर्नामेंट के मैच में अपना विजय अभियान जारी रखने के लिए मैदान पर उतरेगी। कप्तान स्मृति मंधाना की अगुवाई वाली आरसीबी की टीम ने अभी तक खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन किया है और उसकी टीम को हराना आसान नहीं होगा। दूसरी तरफ गुजरात जायंट्स ने पहले दो मैच जीत कर इस सत्र की अच्छी शुरुआत की थी लेकिन इसके बाद वह अगले दो मैच में हार गई और अंक तालिका में तीसरे स्थान पर खिसक गई। आरसीबी के लिए सबसे अच्छी बात यह है कि कप्तान मंधाना ने फॉर्म में वापसी की है। उन्होंने शनिवार को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ आठ विकेट से मिली शानदार जीत में 96 रन की मैच विजेता पारी खेली। सलामी बल्लेबाज ग्रेस हैरिस ने भी अच्छी शुरुआत की है लेकिन वह उन्हें बड़े स्कोर में बदलने में नाकाम रहीं हैं। पिछले मैच में जॉर्जिया वोल ने भी नाबाद 54 रन बनाकर शानदार प्रदर्शन किया। आरसीबी के पास ऋचा घोष, नादिन डी क्लर्क, गौतमी नायक और राधा यादव जैसी आक्रामक बल्लेबाज भी हैं जिससे बल्लेबाजी उसका सबसे मजबूत पक्ष बन गया है। आरसीबी की गेंदबाजी इकाई भी काफी मजबूत है, जिसमें लॉरेन बेल और सायली सतघरे जैसी गेंदबाज शुरुआती ओवरों में जिम्मेदारी संभाली हैं जबकि श्रेयांका पाटिल, प्रेमा रावत और राधा यादव जैसे स्पिनरों ने भी अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है। आरसीबी ने गुजरात जायंट्स के खिलाफ पिछला मैच जीता था और इससे भी उसकी टीम को आत्मविश्वास मिलेगा। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी एशले गार्डनर की अगुवाई वाली गुजरात जायंट्स की टीम में बेथ मूनी, सोफी डिवाइन, कनिका आहूजा, गार्डनर, जॉर्जिया वेयरहम और भारती फुलमाली जैसी अच्छी बल्लेबाज शामिल हैं, लेकिन इन सभी को मिलकर अच्छा प्रदर्शन करने की जरूरत है। गुजरात जायंट्स की गेंदबाजी की कमान रेणुका सिंह संभाल रही हैं, जो टूर्नामेंट में अब तक प्रभावित करने में विफल रही हैं। डिवाइन ने अभी तक बल्ले और गेंद दोनों से अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन उन्हें अन्य खिलाड़ियों से सहयोग की जरूरत है।

टीम इस प्रकार हैः

गुजरात जायंट्सः एशले गार्डनर (कप्तान), बेथ मूनी, सोफी डिवाइन, रेणुका सिंह ठाकुर, भारती फुलमाली, टिटास साधु, काशी गौतम, कनिका आहूजा, तनुजा कंवर, जॉर्जिया वेयरहम, अनुष्का शर्मा, हैप्पी कुमारी, किम गार्थ, यास्तिका भाटिया, शिवानी सिंह, डैनी व्याट-हॉज, राजेश्वरी गायकवाड़ और आयुषी सोनी।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरुः स्मृति मंधाना (कप्तान), ऋचा घोष, श्रेयांका पाटिल, जॉर्जिया वोल, नादिन डी क्लर्क, राधा यादव, लॉरेन बेल, लिन्से स्मिथ, प्रेमा रावत, अरुंधति रेड्डी, पूजा वस्त्राकर, ग्रेस हैरिस, गौतमी नायक, प्रत्यूषा कुमार, डी. हेमलता और सयाली सतघरे।

इंग्लैंड के पाकिस्तानी मूल के खिलाड़ियों को वीजा मिला, अन्य को भी जल्द मिलेगी मंजूरी

एजेंसी

नयी दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भारत में होने वाले टी20 विश्व कप में भाग लेने वाले पाकिस्तान मूल के सभी 42 खिलाड़ियों और अधिकारियों के लिए वीजा संबंधी औपचारिकताओं को सुविधाजनक बनाने के कदम उठाया है। इंग्लैंड की टीम में पाकिस्तानी मूल के क्रिकेटरों में स्पिनर आदिल राशिद, रेहान अहमद और तेज गेंदबाज साकिब महमूद शामिल हैं। अमेरिका की टीम में अली खान और शायन जहांगीर तथा नीदरलैंड की टीम में जुल्फिकार साकिब जैसे पाकिस्तानी मूल के कुछ खिलाड़ी शामिल हैं। पता चला है कि इंग्लैंड के खिलाड़ियों राशिद, रेहान और साकिब के वीजा आवेदन पहले ही मंजूर किए जा चुके हैं। नीदरलैंड की टीम के सदस्यों और कनाडा के सहयोगी स्टाफ के सदस्य शाह सलीम जफर को भी वीजा मिल चुका है। संयुक्त अरब अमीरात, अमेरिका, इटली, बांग्लादेश और कनाडा की टीम में शामिल पाकिस्तानी राष्ट्रीयता या पाकिस्तानी मूल के खिलाड़ियों और अधिकारियों के लिए वीजा उपलब्ध कराने की प्रक्रिया चल रही है। इन टीमों के लिए वीजा उपलब्ध कराने के लिए जरूरी कार्यवाही के लिए अगले सप्ताह की तिथि नियत कर दी गई है जिससे संकेत मिलता है कि प्रक्रिया अपने अंतिम चरण में पहुंच गई है। प्रतिभागियों के लिए वीजा जारी करने की अंतिम तिथि 31 जनवरी है। सहयोगी और पूर्ण सदस्य देशों में पाकिस्तानी मूल के खिलाड़ियों के प्रतिनिधित्व को देखते हुए इस प्रक्रिया में तेजी को एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है। आईसीसी की इस प्रक्रिया में कई टीमों के क्रिकेटर, अधिकारी और स्टैंडबाय खिलाड़ी शामिल हैं, जिससे पता चलता है कि विश्व क्रिकेट की सर्वोच्च संस्था अंतिम समय में होने वाली किसी तरह की जटिलता से बचना चाहती है। आईसीसी इसके लिए विभिन्न देशों के कई शहरों में स्थित भारतीय उच्चायोगों के साथ लगातार संपर्क में है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी खिलाड़ियों और अधिकारियों के वीजा आवेदनों को बिना किसी अड़चन के निपटाया जाए। आईसीसी को आश्वासन मिला है कि लंबित मामलों को निर्धारित समय सीमा के भीतर सुचारू रूप से निपटाया जाएगा। टी20 विश्व कप सात फरवरी से शुरू होगा और आईसीसी को विश्वास है कि तब तक सभी तरह की प्रक्रियाएं पूरी कर ली जाएंगी। पाकिस्तान मूल के भारतीय वीजा आवेदकों की गहन जांच की जा रही है और इसलिए प्रक्रिया में सामान्य से अधिक समय लग रहा है।

संक्षिप्त समाचार

टाटा स्टील मास्टर्सः एरिगैसी ने प्रज्ञानानंदा को हराया, गुकेश ने सिंदारोव से ड्रॉ खेला

विज्क आन ज़ी (नीदरलैंड)। शीर्ष वरीयता प्राप्त अर्जुन एरिगैसी ने हमवतन आर प्रज्ञानानंदा को हराकर टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की जबकि विश्व चैंपियन डी गुकेश ने पहले दौर में उज्बेकिस्तान के विश्व कप विजेता जावोखिर सिंदारोव के खिलाफ कड़े मुकाबले में ड्रॉ खेला। पर्यावरण कार्यकर्ताओं के विरोध के कारण खेल समय पर शुरू नहीं हो पाया था लेकिन इसके बाद जब दुनिया के सबसे पुराने टूर्नामेंट में से एक में खेल शुरू हुआ तो फिर कई रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। इस प्रतियोगिता की पहली जीत अमेरिका के हैंस मोके नीमन ने हासिल की, जिन्होंने स्लोवेनिया के व्लादिमीर फ़ेडोसेव हो हराया। जर्मन खिलाड़ी विन्सेंट कीमर दिन के दूसरे विजेता रहे। उन्होंने नीदरलैंड के स्टार खिलाड़ी अनीश गिरी को पराजित किया। पहले दौर के बाद एरिगैसी, कीमर और नीमन एक-एक अंक के साथ संयुक्त बढ़त पर हैं, जबकि गुकेश और सात अन्य खिलाड़ी उनसे आधा अंक पीछे हैं। अपने मित्र प्रज्ञानानंदा के खिलाफ एरिगैसी ने शुरू से ही अच्छा प्रदर्शन किया। प्रज्ञानानंदा ने शुरू में ही एक गलती कर दी जिससे उनका राजा बीच में फंस गया जिसका एरिगैसी ने पूरा फायदा उठाया और केवल 32 चाल में मुकाबला जीत लिया। गुकेश भी जीत के करीब पहुंच गए थे लेकिन सफ़ेद मोहरों से खेल रहे सिंदारोव के खिलाफ अपनी मजबूत स्थिति को जीत में तब्दील नहीं कर सके। यह दिन का सबसे लंबा मुकाबला था जो 78 चाल में ड्रॉ पर समाप्त हुआ। इस प्रतियोगिता में भाग ले रहे एक अन्य भारतीय खिलाड़ी अरविंद चिदंबरम ने भी जर्मनी के मैथियास ब्लूबाउम के खिलाफ ड्रॉ के साथ शुरुआत की। अन्य मुकाबलों में तुर्की के यागिज़ कान एर्दोगमस ने उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक याकुबोएव के साथ जबकि नीदरलैंड के जॉर्डन वान फॉरेस्ट ने चेक गणराज्य के थाई दाई वान गुयेन के साथ ड्रॉ खेला।

ज्वेरेव की संघर्षपूर्ण जीत, पाओलिनी और स्वितोलिना भी आगे बढ़ी

मेलबर्न। तीसरी वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज़्वेरेव ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करते हुए रविवार को यहां गैब्रियल डियालो को हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट में अपने अभियान की सकारात्मक शुरुआत की। पिछले साल के उपविजेता ज्वेरेव ने कनाडा के 24 वर्षीय खिलाड़ी डियालो के खिलाफ अच्छी शुरुआत नहीं की लेकिन इसके बाद उन्होंने अपने अनुभव और दमदार सर्विस के दम पर वापसी करते हुए 6-7 (7), 6-1, 6-4, 6-2 से जीत हासिल की। वह लगातार दसवें साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन के दूसरे दौर में पहुंचे हैं। ज्वेरेव ने मैच के बाद कहा, ''सच कहूं तो जब मैंने ड्रॉ देखा तो मैं बिल्कुल भी खुश नहीं था। पहले सेट में मेरा प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। मैं सोच रहा था कि इससे बुरा तो कुछ भी नहीं हो सकता। इसके बाद मैंने बेहतर खेल का प्रदर्शन किया। डियालो युवा है, बहुत प्रतिभाशाली है और अविश्वसनीय रूप से आक्रामक है।'' महिला वर्ग में सातवीं वरीयता प्राप्त जैस्मीन पाओलिनी ने पहले दौर में अलीअक्सांद्रा सास्नोविच को 6-1, 6-2 से हराया। इटली की इस खिलाड़ी को यह मैच जीतने में किसी तरह की परेशानी नहीं हुई। उन्होंने पहला सेट केवल 27 मिनट में जीत लिया था और इसके बाद भी अपनी लय बरकरार रखी। इटली के विश्व रैंकिंग में 20वें नंबर पर काबिज फ्लेवियो कोबोली टूर्नामेंट से बाहर होने वाले पहले वरीयता प्राप्त पुरुष खिलाड़ी बन गए। उन्हें ब्रिटिश क्वालीफायर आर्थर फ़ेरी ने 7-6 (7), 6-4, 6-1 से हराया। इसके अलावा 18वीं वरीयता प्राप्त फ्रांसिस्को सेरुंडोलो ने झांग झिझेन को 6-3, 7-6 (0), 6-3 से और 32वीं वरीयता प्राप्त कोरेंटिन माउटेट ने ट्रिस्टन स्कूलकेट को 6-4, 7-6 (1), 6-3 से पराजित किया। महिला वर्ग में नंबर 12 एलिना स्वितोलिना ने क्रिस्टीना बुक्सा को 6-4, 6-1 से हराया जबकि मारिया सकारी ने लियोलिया जीनजीन पर 6-4, 6-2 से जीत हासिल की। विंबलडन की पूर्व चैंपियन मार्केटा वोंद्रोसोवा ने पहले दौर के मैच से पूर्व कंधे की चोट के कारण नाम वापस ले लिया। इससे क्वालीफाइंग राउंड में खेल चुकी टेलर टाउनसेंड को मुख्य ड्रॉ में जगह मिल गई, जहां उनका सामना हैली बैपटिस्ट से हुआ। अमेरिका की दो खिलाड़ियों के बीच खेले गए इस मुकाबले में बैपटिस्ट 6-3, 6-7 (3), 6-3 से विजयी रही।

बजट से पहले बाजार प्रतिभागियों ने इक्विटी कर में राहत की मांग की

नयी दिल्ली। बाजार प्रतिभागियों ने 2026-27 के आम बजट से पहले सरकार से पूंजी बाजार कराधान को आसान बनाने का आग्रह किया है, जिसमें दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ (एलटीसीजी) पर उच्च छूट सीमा की मांग शामिल है। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि सरकार को लेनदेन करों में और वृद्धि करने से बचना चाहिए। आम बजट एक फरवरी को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किया जाएगा। बाजार के हितधारकों ने खुदरा और दीर्घकालिक निवेशकों को अधिक राहत देने के लिए इक्विटी निवेश से होने वाले दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ पर कर मुक्त छूट सीमा को बढ़ाने की मांग की है। जेएम फाइनेंशियल सर्विसेज ने कहा कि सरकार को इक्विटी एलटीसीजी के लिए कर-मुक्त छूट सीमा को 1.25 लाख रुपये से बढ़ाकर दो लाख रुपये करना चाहिए। कंपनी ने जटिलता को कम करने और कर स्पष्टता में सुधार के लिए इक्विटी, डेट, सोना और रियल एस्टेट सहित सभी परिसंपत्ति वर्गों में 'दीर्घकालिक' की परिभाषा को 12 महीने के रूप में मानकीकृत करने की भी मांग की है। इसके अतिरिक्त, इसने पूंजीगत हानि को अन्य मदों के तहत होने वाली आय के साथ समायोजित करने की अनुमति देने की मांग भी की है। बाजार प्रतिभागियों ने लेनदेन से संबंधित करों में किसी भी तरह की और वृद्धि के खिलाफ चेतावनी दी है। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी धीरज रेली ने कहा कि हितधारकों ने सट्टा कारोबार के बजाय दीर्घकालिक निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए नकद इक्विटी सौदों पर प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) को डेरिवेटिव की तुलना में कम रखने का प्रस्ताव दिया है।

सोनमेज ने ऑस्ट्रेलियन ओपन में एलेक्जेंड्रोवा को हराया

मेलबर्न। क्वालीफायर ज़ेनेप सोनमेज ने खेल भावना, हॉट शॉट्स और आखिरकार तुर्की के इतिहास का एक हिस्सा पेश किया, जब वह तीसरे सेट में 3-0 से पीछे होने के बाद नंबर 11 सीड एकातेरिना एलेक्जेंड्रोवा को 7-5, 4-6, 6-4 से हराकर ऑस्ट्रेलियन ओपन के पहले राउंड में जीत हासिल की। 23 साल की सोनमेज ने अपने करियर की दूसरी टॉप 20 जीत हासिल की (पिछले साल बीजिंग में क्लारा टौसन को हराने के बाद), और ओपन एरा में ऑस्ट्रेलियन ओपन में मैच जीतने वाली पहली तुर्की महिला बनीं। पिछले साल, वह कागला बुयुकाकके के बाद यहां मुख्य ड्रॉ में प्रतिस्पर्धा करने वाली दूसरी तुर्की महिला बनीं, जो 2017 में अपने एकमात्र मुख्य-ड्रॉ उपस्थिति में पहले राउंड में हार गई थीं। 2 घंटे, 37 मिनट का यह मुकाबला उतार-चढ़ाव से भरा रहा। सोनमेज़ ने पहला सेट 5-2 से पीछे होने के बाद जीता, एक सेट प्वाइंट बचाया, और लगातार सात गेम जीते; वह दूसरा सेट 3-1 से आगे होने के बाद हार गईं क्योंकि एलेक्जेंड्रोवा ने अगले नौ में से आठ गेम जीते; लेकिन निर्णायक सेट में 3-0 से पीछे होने के बाद, सोनमेज ने फिर से लय पकड़ी और आखिरी सात में से छह गेम जीते।

वानखेड़े स्टेडियम से भावनात्मक रूप से जुड़ने का इंतजार कर रहे हैं अमेरिकी तेज गेंदबाज नेत्रवलकर

एजेंसी

नयी दिल्ली। मुंबई में जन्मे अमेरिकी तेज गेंदबाज सौरभ नेत्रवलकर उस पल का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं जब वह सात फरवरी को वानखेड़े स्टेडियम में भारत के खिलाफ अपनी टीम के टी20 विश्व कप के पहले मैच में मैदान पर उतरेंगे। यह वही मैदान है जहां से एक क्रिकेटर के रूप में उनके करियर की शुरुआत हुई थी। इसके बाद वह अपना करियर बनाने के लिए अमेरिका चले गए और वहां की नागरिकता हासिल करने के बाद उसकी राष्ट्रीय टीम के सदस्य बन गए। इस 34 वर्षीय इस खिलाड़ी ने 2013 में सूर्यकुमार यादव और शार्दुल ठाकुर जैसे खिलाड़ियों के साथ मुंबई के लिए प्रथम श्रेणी क्रिकेट भी खेला था, लेकिन 2010 में अंडर-19 विश्व कप में भारत का प्रतिनिधित्व करने के

बाद वह सीनियर टीम में जगह नहीं बना पाए। नेत्रवलकर ने आखिर में 2015 में प्रतिष्ठित कॉर्नेल विश्वविद्यालय से कंप्यूटर विज्ञान में मास्टर डिग्री लेने के लिए अमेरिका में उच्च शिक्षा पाने का फैसला किया था। अपने जीवन में उन्होंने जो राह चुनी थी उसे देखते हुए नेत्रवलकर ने सोचा भी नहीं था कि वह फिर से क्रिकेट खेलेंगे लेकिन किस्मत में कुछ और ही लिखा था। वह अमेरिका की टीम से जुड़ गए और 2024 में टी20 विश्व कप में भी खेले। उनका मानना है कि जब वह वानखेड़े स्टेडियम में फिर से कदम रखेंगे तो भावनाएं उन पर हावी हो सकती हैं। अमेरिका की टीम अभी कोलंबो में अभ्यास कर रही है और नेत्रवलकर ने वहां से पीटीआई को बताया कि वानखेड़े में खेलना उनके लिए भावुक करने वाला पल होगा। उन्होंने कहा, ''मैं नहीं जानता कि वहां पहुंचने पर मेरी प्रतिक्रिया कैसी होगी लेकिन यह निश्चित रूप से भावुक क्षण होगा। एक तरह से यह मेरे लिए समय का एक चक्र पूरा होने जैसा है क्योंकि मैंने मुंबई में क्रिकेट खेलना शुरू किया था और फिर इस खेल को छोड़कर अमेरिका चला गया। मुझे दोबारा क्रिकेट खेलने की उम्मीद भी नहीं की थी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट तो मेरे दिमाग में भी नहीं था। नेत्रवलकर ने कहा, ''यह एक तरह से मेरे लिए दूसरी पारी की तरह है। क्रिकेट ने मुझे फिर से मुंबई में खेलने का मौका दिया है। इससे मेरी कई पुरानी यादें ताजा हो जाएंगी और यह मेरे लिए भावनात्मक होगा। लेकिन अभी मैं इस बारे में नहीं सोच रहा हूं। नेत्रवलकर से जब पूछा गया कि क्या उन्होंने अपने परिवार और दोस्तों के सामने वानखेड़े स्टेडियम में खेलने की कल्पना की थी, उन्होंने कहा, ''कुछ हद तक हां।

कर्नाटक ने आईपीएल मैचों से पहले एम चिन्नास्वामी स्टेडियम को सशर्त मंज़ूरी दी

बेंगलुरु। भले ही 4 जून, 2025 को एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में हुई भगदड़ की यादें अभी भी ताज़ा हैं, लेकिन कर्नाटक सरकार ने इस जगह को इंटरनेशनल क्रिकेट मैच और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की मेज़बानी के लिए सशर्त मंज़ूरी दे दी है। गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने कहा कि यह फैसला कर्नाटक राज्य क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा दिए गए लिखित आश्वासन और उन पर रखे गए ''भरोसे'' पर आधारित है। रविवार को पत्रकारों से बात करते हुए, परमेश्वर ने कहा कि सरकार का फैसला कई निरीक्षणों और समिति की रिपोर्टों के बाद आया है, लेकिन यह भी माना कि सुरक्षा शर्तों का सख्ती से पालन करने की शर्त पर ही अनुमति दी गई है। उन्होंने कहा, ''उन्होंने लिखित में दिया है कि वे शर्तों को पूरा करेंगे। हमने उन पर भरोसा किया है। गृह मंत्री ने कहा कि भगदड़ के बाद स्टेडियम का निरीक्षण करने और सुधारात्मक उपायों की सिफारिश करने के लिए जस्टिस कुन्हा समिति का गठन किया गया था।

घरेलू सर्राफा बाजार में तेजी का रुख, सोने ने फिर बनाया मजबूती का नया रिकॉर्ड

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज तेजी का रुख नजर आ रहा है। सोने ने आज एक बार फिर ऑल टाइम हाई का नया रिकॉर्ड कायम कर दिया है। ये चमकीली धातु आज 360 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 390 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगी हो गई है। इसीर तरह चांदी ने भी एक दिन की गिरावट के बाद आज एक बार फिर मजबूती दिखाई है। दिल्ली सर्राफा बाजार में इस चमकीली धातु ने आज 3,100 रुपये प्रति किलोग्राम की छलांग लगाई है। कीमत में आज आए इस उछाल के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,43,780 रुपये से लेकर 1,43,930 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,31,800 रुपये से लेकर 1,31,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। दूसरी ओर, चांदी की कीमत में भी तेजी आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में आज ये चमकीली धातु 2,95,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर बिक रही है। साप्ताहिक आधार पर देखें तो पिछले सप्ताह के कारोबार में 24 कैरेट सोने की कीमत में 3,320 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी आई है। इसी तरह 22 कैरेट सोना साप्ताहिक आधार पर 3,050 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 4,603.51 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर पहुंचा हुआ है। चांदी के भाव में भी पिछले सप्ताह की कारोबार में 35 हजार रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी आई है। लंदन सिल्वर मार्केट में चांदी का हाजिर भाव 93.92 डॉलर प्रति औंस के स्तर तक पहुंचने के बाद फिलहाल 90.33 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर कारोबार कर रहा है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,43,930 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,31,950 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,43,780 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,43,830 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,31,850 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,43,780 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,31,800 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,43,780 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,43,830 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,31,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

2025 में भारत से वाहन निर्यात 24 प्रतिशत बढ़ा

नयी दिल्ली। वाहन विनिर्माताओं के संगठन सियाम के ताजा आंकड़ों के अनुसार विदेशी बाजारों में कारों, दुपहिया वाहनों और वाणिज्यिक वाहनों की मजबूत मांग के कारण 2025 में भारत से वाहन निर्यात 24 प्रतिशत बढ़ा। पिछले साल भारत से कुल निर्यात 24.1 प्रतिशत बढ़कर 63,25,211 इकाई हो गया, जबकि 2024 में यह 50,98,474 इकाई था। इस दौरान यात्री वाहनों का निर्यात 16 प्रतिशत बढ़कर 8,63,233 इकाई रहा, जो 2024 में 7,43,979 इकाई था। उपयोगिता वाहनों का निर्यात पिछले साल सालाना आधार पर 32 प्रतिशत बढ़कर 4,27,219 इकाई रहा। इस दौरान यात्री कारों का निर्यात तीन प्रतिशत बढ़कर 4,25,396 इकाई हो गया। सियाम ने कहा कि पश्चिम एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका सहित अधिकांश बाजारों में मांग स्थिर रही है। मारुति सुजुकी 2025 में 3.95 लाख इकाइयों का निर्यात करके इस क्षेत्र में सबसे आगे रही।

डिसकॉम ने कई वर्षों के घाटे के बाद 2024-25 में 2,701 करोड़ रुपये का लाभ दर्ज किया

एजेंसी

नयी दिल्ली। देश की बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) ने कई वर्षों तक लगातार घाटा उठाने के बाद वित्त वर्ष 2024-25 में सामूहिक रूप से 2,701 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया है। रविवार को जारी एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। राज्य बिजली बोर्डों के पुनर्गठन और निगमीकरण के बाद से ही वितरण कंपनियां घाटे में चल रही थीं। बिजली मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2023-24 में इन कंपनियों को 25,553 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2013-14 में 67,962 करोड़ रुपये का भारी घाटा हुआ था। वित्त वर्ष 2024-25 के परिणामों पर टिप्पणी करते हुए बिजली मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि यह वितरण क्षेत्र के लिए एक नए अध्याय की शुरुआत है। उन्होंने कहा कि यह मंत्रालय द्वारा बिजली वितरण क्षेत्र की समस्याओं को दूर करने के लिए उठाए गए विभिन्न कदमों का परिणाम है। मंत्री ने कहा, भारत न केवल अपनी बल्कि दुनिया की प्रगति को गति दे रहा है और इसमें ऊर्जा क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि सरकार इस क्षेत्र में आवश्यक सुधारों के लिए प्रतिबद्ध है ताकि बिजली क्षेत्र भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था को सहारा दे सके और 'विकसित भारत' की यात्रा में अपना योगदान दे सके। मंत्रालय ने बताया कि सुधारों का असर न केवल मुनाफ़े में, बल्कि अन्य प्रदर्शन संकेतकों में भी दिख रहा है। एग्रीगेट तकनीकी और वाणिज्यिक (एटीएंडसी) घाटे में भी कमी आई है, जो इस क्षेत्र में बदलाव का संकेत है। वित्त वर्ष 2013-14 में एटीएंडसी घाटा 22.62 प्रतिशत था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में घटकर 15.04 प्रतिशत रह गया है।

नेविल टाटा को सर रतन टाटा ट्रस्ट का ट्रस्टी बनाने के लिए प्रस्तावित बोर्ड बैठक रद्द

एजेंसी

नयी दिल्ली। सर रतन टाटा ट्रस्ट (एसआरटीटी) की एक प्रस्तावित बोर्ड बैठक कोरम (गणपूर्ति) की कमी के कारण शनिवार को रद्द कर दी गई। इस बैठक में टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा के बेटे नेविल टाटा को ट्रस्टी के रूप में नियुक्त किया जाना था। नेविल टाटा को आरएसटीटी के बोर्ड में शामिल करने की कोशिश दो महीने पहले भी असफल हो चुकी है। करीब 180 अरब डॉलर से अधिक के टाटा समूह की प्रवर्तक होल्डिंग कंपनी टाटा संस में एसआरटीटी की 23.6 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इस घटनाक्रम की प्रत्यक्ष जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति ने कहा, सभी ट्रस्टी बैठक में शामिल नहीं हो सके, जो नये ट्रस्टी की नियुक्ति के लिए एक अनिवार्य शर्त है। उस व्यक्ति ने आगे बताया कि बैठक को अगले कुछ दिनों में फिर से आयोजित किया जा सकता है। हालांकि, अन्य लोगों का कहना है कि ट्रस्टियों के बीच नियुक्ति पर आम सहमति बनाने के लिए संभव है कि बैठक को आगे बढ़ाया गया हो। इस संबंध में टाटा ट्रस्ट्स को भेजे गए सवालों का कोई जवाब नहीं मिला है। एसआरटीटी के ट्रस्टी नोएल टाटा, वेणु श्रीनिवासन, विजय सिंह, जिमी एन टाटा, जहांगीर एचसी जहांगीर और डेरियस खंबाटा हैं। पिछले साल नवंबर में नेविल टाटा और भास्कर भट को सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट (एसडीटीटी) में नियुक्त किया गया था, जिसकी टाटा संस में 28 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

कंपनियों के तिमाही नतीजे, वैश्विक रुझान इस सप्ताह तय करेंगे शेयर बाजार की चालः विश्लेषक

एजेंसी

नयी दिल्ली। इस सप्ताह शेयर बाजार की चाल काफी हद तक कंपनियों के तिमाही नतीजों, वैश्विक रुझानों और विदेशी कोषों की आवाजाही पर निर्भर करेगा। विशेषज्ञों ने कहा कि इसके अलावा निवेशक भू-राजनीतिक घटनाक्रमों और व्यापार वार्ताओं से जुड़ी किसी भी खबर पर कड़ी नजर रखेंगे। रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजीत मिश्रा ने कहा, ङ्कप्रतिभागी शुरुआत में रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक जैसे दिग्गजों के नतीजों पर प्रतिक्रिया देंगे। इसके

बाद ध्यान विभिन्न क्षेत्रों की कई बड़ी और मझोली कंपनियों के तीसरी तिमाही के नतीजों पर टिक जाएगा। उन्होंने आगे कहा, ङ्कवैश्विक मोर्चे पर जीडीपी वृद्धि दर, बेरोजगारी के दावों और पीएमआई आंकड़ों सहित अमेरिकी व्यापक आर्थिक आंकड़े जोखिम की भावना और मुद्रा की चाल को प्रभावित करेंगे। भू-राजनीतिक घटनाक्रम और व्यापार वार्ताओं की प्रगति पर भी निवेशकों की नजर रहेगी। स्वास्तिका इन्वेस्टमार्ट लिमिटेड के शोध प्रमुख संतोष मीणा ने कहा, नतीजों के अलावा बाजार प्रतिभागी भू-राजनीतिक स्थिति और भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के संबंध में किसी भी महत्वपूर्ण सूचना पर कड़ी नजर रखेंगे। आम बजट करीब आने के साथ, बजट-पूर्व उम्मीदों के आधार पर क्षेत्र-विशिष्ट हलचल भी बढ़ने की संभावना है। ऑनलाइन कारोबारी मंच एनरिच मनी के सीईओ पोनमुडी आर ने कहा, ङ्कभारतीय बाजार नए सप्ताह में सतर्क लेकिन शेयर विशिष्ट रुख के साथ प्रवेश कर रहे हैं। बैंकिंग शेयर सुर्खियों में रह सकते हैं, क्योंकि बाजार आईसीआईसीआई बैंक और एचडीएफसी बैंक जैसे दिग्गजों के साथ ही कई निजी और सार्वजनिक क्षेत्र के ऋणदाताओं के तिमाही परिणामों का आकलन करेंगे। इस सप्ताह बीएचईएल, एलटीआईमाइंडट्री, पीएनबी, एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक, अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस, बैंक ऑफ इंडिया, इंटरग्लोब एविएशन (इंडिगो), डीएलएफ, बीपीसीएल और अदाणी ग्रीन एनर्जी सहित कई प्रमुख कंपनियों के नतीजे आएंगे।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक हरिनाथ सिंह * द्वारा टिनटिन प्रिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड डी-33 अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया, नादरगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशातगंज, लखनऊ से प्रकाशित, सम्पर्क-522-4064242
Email: noidarp@gmail.com, therptimes@yahoo.com, 9918735329 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना पाठकों को सुझाव दिया जाता है, कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जाँच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावें की सच्चाई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

मानवता की मिसाल बन रहे सपा प्रमुख अखिलेश

दिनेश दुबे

चौदह वर्ष पहले अपनी मेहनत के बलबूते यूपी में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने वाले सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव सत्ता से दूर होने के बावजूद अपने कार्यों की वजह से समाज में गहरी पैठ बनाते जा रहे हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या समाज के हर वर्ग में पैठ बना रहे अखिलेश यादव का अगले वर्ष 2027 के विधान सभा चुनाव में ''राजनैतिक वनवास'' खत्म हो जायेगा ? क्योंकि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पिछले एक दशक से ऐसा कोई मौका नहीं छोड़ते दिख रहे हैं, जिससे समाज में यह संदेश न जा रहा हो कि वास्तव में ''राजनेता'' हो तो सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव जैसा। यह बात अलग है कि राजनैतिक दृष्टि से सत्तापक्ष से जुड़े अंधभक्त और व्यक्तिगत तौर पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को पसंद न करने वालों को इस लेख में उल्लेखित बातें ठीक वैसी ही लगेंगी जैसी ''दस्त से ग्रस्त मरीज'' को लोटा भर खौलता हुआ दूध पिला दिया जाए।

लखनऊ। देश ही नहीं बल्कि विश्व के सर्वश्रेष्ठ काव्य ग्रन्थ श्री रामचरित मानस के रचयिता गोस्वामी तुलसीदास जी की तमाम ऐसी चौपाइयां, सोरठे, छंद एवं दोहे हैं, जिनमें से यदि एक का भी किसी व्यक्ति द्वारा आत्मसात कर लिया जाए तो उस व्यक्ति का न सिर्फ व्यक्तित्व ही निखर जायेगा, बल्कि वह व्यक्ति समाज के लिए एक विशिष्ट उदाहरण भी बन जायेगा। गोस्वामी तुलसीदास जी की एक ऐसी ही चौपाई देखिए और फिर इस चौपाई पर मंथन करते हुए वर्तमान राजनैतिक परिदृश्य में कथित ''राम द्रोही'' सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की अन्य दलों खासकर सत्तापक्ष के समकक्ष राजनेताओं से तुलना करके खुद तय करिए कि हिंदुत्व के नाम पर सरकार चलाते हुए देश को बर्बाद करने वाले सत्ताधीश भाजपा नेता अच्छे हैं या फिर अखिलेश यादव ?

दया धर्म का मूल है,
पाप मूल अभिमान।
तुलसी दया नहीं छोड़िए
जब लग घट में प्राण।।

श्री रामचरितमानस के रचयिता गोस्वामी तुलसीदास जी द्वारा उपरोक्त चौपाई के माध्यम से कहा गया है कि दया धर्म का आधार है और अभिमान पाप का मूल है, इसलिए जीवन भर दयालु बने रहना चाहिए। मूलतः आप सब लोग देख ही रहे हैं कि यूपी सहित देश के अधिकांश राज्यों के साथ ही केंद्र में भी पिछले एक दशक से भी अधिक समय से भाजपा की सरकार है। धर्म और भगवान श्रीराम के नाम पर कई राज्यों (खासकर उत्तर प्रदेश) से होते हुए केंद्र की सत्ता में पहुंची वर्तमान भाजपा ने पिछले एक दशक में विकासशील देशों में सुमार हमारे भारत की जो दुर्दशा कर रखी है, वह किसी से छिपी नहीं है ? छोटा सा पड़ोसी देश बांग्लादेश भी हमारे देश को कई मायनों में चिढ़ा रहा है। ताजा मामले (बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार) को छोड़कर देखा जाए तो वर्तमान समय में बांग्लादेश की आर्थिक स्थिति हमारे भारत से बेहतर है। ऐसे में सवाल ये उठता है कि आखिर ऐसा क्यों है ? सत्ता और सत्तापक्ष की अंधभक्ति का चश्मा हटाकर देखा जाए तो ऐसा इसलिए है कि देश की सत्ता पर धर्म के धंधेबाज नाकाबिल लोग काबिज़ हुए हैं, जिन्हें न तो किसी धर्म से लेना देना है और न ही देश की किसी अन्य व्यवस्था से। उनके लिए सत्ता में बने रहना ही आवश्यक है। सत्ता में बने रहने के लिए उन्हें जो कुछ भी करना पड़ रहा है, वो वहीं कर रहे हैं। अंधभक्ति में डूबे लोग मदारी का तमाशा देखकर तालियां पीट रहे हैं। धर्म के नाम पर खुलेआम अधर्म हो रहा है। सत्ता की जय जयकार करने वाले बनावटी संतों और कथा वाचकों का सरकार सत्कार कर रही है और धर्म कर्म का ज्ञान रखने वाले देश के सर्व मान्य संतो का अपमान किया जा रहा है।

उदाहरण के तौर पर देखा जाए तो सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर अयोध्या में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की जन्म भूमि पर निर्मित श्रीराम मंदिर का देश के प्रधानमंत्री ने खुल कर राजनीतिकरण किया। श्रीराम जन्म भूमि आंदोलन के लगभग सभी अगुआकारों को बाहर करके सरकार द्वारा बनाए गए ट्रस्ट में उस व्यक्ति को अध्यक्ष बनाया गया है जो मूल रूप से कार सेवकों पर गोली चलवाने का दोषी था। देश भर के राम भक्तों और आम जनता के पैसों से सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर बनाए गए श्रीराम मंदिर का धार्मिक व्यवस्था के विरुद्ध शुभारंभ कर दिया गया। जो कार्य धर्माचार्यों के द्वारा होना चाहिए था वह स्त्रीविहीन प्रधानमंत्री ने करके वैदिक परम्परा का उपहास किया। देश की जनता को भावनात्मक रूप से छलने वाले प्रधानमंत्री ने खुद की अनसुनी कहानी के साथ ही अपनी मां के नाम पर जनता को बेवकूफ बनाया। सनातनी परम्परा को नकारकर छोटे और बड़े भाई के होते हुए दिवंगत मां का न सिर्फ स्वयं अंतिम संस्कार किया, बल्कि सिर भी नहीं मुड़वाया। यही नहीं मां का अंतिम संस्कार करने के बाद प्रधानमंत्री ने सूतक काल का भी ख्याल नहीं रखा और सरकारी योजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास जारी रखा।

उपरोक्त बातें साबित करती हैं कि देश की सत्ता पर काबिज देश के प्रधानमंत्री धर्म के नाम पर लगातार अधर्म कर रहे हैं और जनता मूक दर्शक बनी हुई है। जबकि डेढ़ दशक पहले स्वघोषित सामाजिक कार्यकर्ताओं की वह मंडली पूरी तरह से अपने अपने काम में व्यस्त है, जिसने मंहगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार जैसे ज्वलंत मुद्दों को उठाकर भाजपा के पक्ष में चुनावी माहौल तैयार किया था। देश की जनता ने जिस आशा और विश्वास से भाजपा को सत्ता सौंपकर भ्रष्टाचारियों को सबक सिखाने के साथ देश के सर्वांगीड़ विकास की जिम्मेदारी सौंपी थी, आज वही जनता खुद को ठगा हुआ महसूस कर रही है। जिन जिन

योजनाओं में तत्कालीन सरकार द्वारा भ्रष्टाचार किए जाने के मुद्दे आंदोलनकारियों ने उठाए थे वो सबके सब मनगढ़ंत निकले। किसी भी मामले में किसी आरोपी को सजा मिलना तो दूर उसे जेल का दरवाजा तक नहीं दिखाया गया। महंगाई और बेरोजगारी घटने के बजाय ''सुरसा के मुंह'' की तरह बढ़ती जा रही है। रही बात भ्रष्टाचार खत्म होने और विदेशी बैंकों में जमा काले धन के वापसी के मामले की तो आंकड़े खुद बयां कर रहे हैं कि भ्रष्टाचार खत्म होने की बजाय कई गुना बढ़ चुका है और विदेशी बैंकों में जमा काले धन की मात्रा भी बेतहाशा बढ़ रही है। मंहगाई के बारे में तो कुछ भी कहना और लिखना मुनासिब ही नहीं है। कुल मिलाकर अंध भक्तों को छोड़कर देश की जनता खुद को छला हुआ महसूस कर रही है, और छल फरेब करने वालों से छुटकारा चाहती है। ऐसे में बात आती है कि विपक्ष के उन नेताओं की जो देश को मजबूत नेतृत्व देने के साथ साथ देश की जनता को लोकतांत्रिक व्यवस्था के तहत मिले अधिकारों की रक्षा कर सके। जिसमें देश के सबसे बड़े राजनीतिक दल कांग्रेस और उसके बाद समाजवादी पार्टी की जिम्मेदारी बनती है कि वो देशहित में शासन सत्ता संभाले। लेकिन सत्तारूढ़ दल ने हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था को लंगड़ा कर रखा है। जाति धर्म की खाई को इतना गहरा कर कर दिया है कि आम मतदाताओं को उसमें से निकालना बेहद कठिन हो गया है । बावजूद इसके देश के तीसरे सबसे बड़े राजनीतिक दल के मुखिया सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव सामाजिक समरसता और मानवता के सहारे जनता में पैठ बनाते नजर आ रहे हैं। दुष्कर्म पीड़ित बालिकाएं हों या फिर सत्ता के सताए युवा और महिलाएं हों, अखिलेश सभी की आवाज को बुलंद कर रहे हैं। लखनऊ कार्यालय में प्रतिदिन समाज के सभी वर्गों से मिलते और उनसे बातचीत भी करते हैं। अवैध कब्जेदारों को डराने के नाम पर यूपी सरकार द्वारा अपनाई गई बुलडोजर नीति में सताए जा रहे गरीबों की पीड़ा पर अखिलेश यादव न सिर्फ भावुक होते हैं, बल्कि सरकार की नीति का जमकर विरोध करते हुए पीड़ितों की तत्काल मदद भी करते हैं। आज से ठीक तीन साल पहले कानपुर देहात के थाना रूरा के मड़ौली गांव में ग्राम समाज की ज़मीन से जिला प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाने के दौरान मां-बेटी की जिंदा जलकर हुई मौत के मामले में पीड़ित कृष्ण कुमार दीक्षित के परिवार को आज तक न्याय नहीं मिला है । पीड़ित का आरोप है कि प्रशासन के लोगों ने गाँव के कुछ लोगों के कहने पर उनके घर में आग लगाई थी, जबकि डीएम ने उस समय आरोपों का खंडन करते हुए कहा था कि मामले की निष्पक्ष जांच करवाई जा रही है। जांच कब तक पूरी होगी किसी को पता नहीं ? इस मुद्दे पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव कई बार सरकार को ललकार भी चुके हैं।

मानवता की मिसाल बने अखिलेश यादव ने बीती 12 जनवरी को ''राष्ट्रीय युवा दिवस'' के मौके पर राज्य स्तरीय विवेकानंद युवा पुरस्कार के लिए सरकार द्वारा चयनित लखनऊ के अवधेश कुमार साहू का नाम अंतिम क्षणों में हटा दिए जाने को गंभीरता से लिया। चूंकि साहू को सम्मान प्राप्त करने का सरकारी तौर पर आमंत्रण पत्र भी मिल चुका था। कार्यक्रम स्थल पहुंचने से पहले ही अवधेश को पता चला कि उसके स्थान पर किसी अन्य युवक का चयन करके उसे सम्मानित किया जा रहा है। इस पर अवधेश सपा अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से मिलने सपा कार्यालय पहुंच गया और सपा अध्यक्ष को मिलकर अपनी पीड़ा बताई। इस पर अखिलेश यादव ने अवधेश कुमार साहू को 51,000/- (इक्यावन हजार रूपये) की धनराशि पुरस्कार स्वरूप प्रदान कर उसे सम्मानित किया। इस दौरान अखिलेश यादव ने सरकार की पुरस्कार सूची में हेराफ़ेरी की निंदा करते हुए कहा कि यह कृत्य युवाओं के मनोबल को तोड़ने वाला है। लेकिन सपा सभी धर्मों व वर्गों के साथ ही खासकर युवाओं के साथ है। समाजवादी पार्टी उनके आत्म सम्मान और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्षरत रहेगी। इससे ठीक एक दिन पहले 11 फरवरी को कानपुर देहात के विकरु कंाड की पीड़िता खुशी दुबे की बीमार मां का पूरा इलाज करवाने की घोषणा करके सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने जिस दरियादिली का परिचय दिया है, उससे राजनैतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। दरअसल कानपुर के बिकरू कंाड से जुड़ी खुशी दुबे की मां गायत्री देवी का डॉ राम मनोहर लोहिया अस्पताल में इलाज चल रहा था। आर्थिक रूप से परेशान खुशी दुबे को डाक्टरों ने बताया कि सरकारी व्यवस्था के बावजूद उसकी मां के इलाज (ऑपरेशन) में 5 लाख रुपए खर्च होगा। कमजोर आर्थिक स्थिति के कारण इलाज में देरी हो रही थी, जिसके बाद खुशी दुबे ने तमाम लोगों से मदद मांगी लेकिन किसी ने भी खुशी को सहारा नहीं दिया जिस पर खुशी दुबे ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से मदद मांगी। अखिलेश यादव के निर्देश पर समाजवादी पार्टी ने इलाज और दवाओं का पूरा खर्च वहन कर गायत्री का न सिर्फ ऑपरेशन करवाया, बल्कि हर संभव मदद का भरोसा भी दिया। देश की मशहूर कवियित्री श्वेता सिंह की इस शेर के से साथ अब बात होगी जनता की अदालत में..

**पेड़ों ने यहां जिसको है
रहनुमा बनाया,
वह ही गर्दनों पर चलवा रहा हैं
आरे।
फिर सत्य क्या बचेगा, न्याय कैसे
होगा
क़ातिल ही बन गए हैं, मुंसिफ यहाँ
हमारे।।**

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)
मोबाइल : 9415147159
ईमेलः **dineshknj1@gmail.com**

मौनी अमावस्या पर चित्रकूट देव गंगा मंदाकिनी में लाखों श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

चित्रकूट। विश्व प्रसिद्ध पौराणिक तीर्थ के रूप में विख्यात भगवान श्री राम की तपोभूमि चित्रकूट में मौनी अमावस्या के अवसर पर देश भर से लाखों श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। कड़ाके की ठंड के बावजूद, धर्मनगरी में लाखों श्रद्धालुओं ने देव गंगा मंदाकिनी में आस्था की डुबकी लगाने के बाद भगवान श्री कामतानाथ सरकार के दर्शन पूजन कर सुख, समृद्धि की कामना की। अनादि तीर्थ के रूप में विख्यात तपोभूमि चित्रकूट में मौनी अमावस्या पर्व का विशेष महत्व है। मान्यता है कि इसी मौनी अमावस्या के पावन पर्व पर मंदाकिनी के रामघाट पर हनुमान जी के सहयोग से गोस्वामी तुलसीदास जी को भगवान श्री राम और अनुज लक्ष्मण के दर्शन हुए थे। तभी से मौनी अमावस्या पर प्रभु के दर्शन की कामना को लेकर देश भर से लाखों श्रद्धालु चित्रकूट पहुंचते हैं। श्रद्धालुओं का चित्रकूट आगमन शनिवार देर शाम से ही शुरू हो गया था। रविवार भोर से ही रामघाट पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटी। देव गंगा मंदाकिनी के अमृत जल में आस्था का स्नान करने के बाद लोगों ने

घाट पर बैठे पुरोहितों को अन्न, वस्त्र और तिल का दान कर आशीर्वाद प्राप्त किया। स्नान के पश्चात लाखों श्रद्धालुओं ने भगवान मत्यगजेंद्र नाथ का जलाभिषेक किया और भगवान श्री कामतानाथ के मंदिर में माथा टेककर कामदगिरि पर्वत की ओर बढ़ चले। पांच कोस की इस परिक्रमा मार्ग पर जय कामतानाथ और जय श्री राम के जयकारे गूंजते रहे। रामघाट और कामदगिरि परिक्रमा पर उमड़ी भीड़ को देखते हुए चित्रकूट जिला प्रशासन ने मेला परिक्षेत्र में सुरक्षा आदि के कड़े इंतजाम किए थे। भारी संख्या में पुलिस बल को तैनात किया गया था, ताकि श्रद्धालुओं को आवागमन में असुविधा न हो। चित्रकूट के पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह और अपर पुलिस अधीक्षक सत्यपाल सिंह ने फोर्स के साथ रामघाट और कामदगिरि परिक्रमा मार्ग पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। साथ ही ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों और पुलिस कर्मियों को सतर्कता के साथ ड्यूटी करने और श्रद्धालुओं के साथ विनम्र बर्ताव करने की हिदायत दी। कामदगिरि प्रमुख द्वार के महंत डॉ मदन गोपाल दास जी महाराज, दिगंबर अखाड़ा के महंत दिव्य जीवन दास महाराज, तोता मुखी हनुमान मंदिर के महंत मोहित दास महाराज ने बताया कि चित्रकूट विश्व का सबसे प्राचीन तीर्थ है। यह विश्व की इकलौती ऐसी भूमि है जहां ब्रह्मा, विष्णु और महेश तीनों देवताओं ने लीला की है। भगवान श्री राम ने भी वनवास काल का सर्वाधिक समय व्यतीत करने के लिए चित्रकूट की ही पावन धारा को चुना।

आरएसएस के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर 20 जनवरी को सुलतानपुर में करेंगे स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा का अनावरण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर। बढ़ते पाश्चात्य संस्कृति के परिवेश में युवाओं के प्रेरणा स्रोत युग पुरुष स्वामी विवेकानंद के विचारों की उपस्थिति आम जनमानस में अति आवश्यक है। इसी संदर्भ में 20 जनवरी मंगलवार को सुलतानपुर के तिकोनिया पार्क में स्वामी विवेकानंद की मूर्ति का अनावरण समारोह आयोजित है। मूर्ति अनावरण समारोह के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर होंगे। उत्तर प्रदेश के जिला सुलतानपुर में भारत विकास परिषद की ओर से रविवार को पत्रकारों से वार्ता करते हुए अधिवक्ता व व्यापारी नेता आलोक कुमार आर्य ने कहा कि समाज का नेतृत्व हमेशा हमारे महापुरूषों ने किया है । हमारे युवा पीढ़ी और आने वाली पीढ़ी के मार्गदर्शन के लिए स्वामी विवेकानंद जैसे महापुरुषों के विचारों की अति आवश्यकता है, जिनके विचारों से प्रेरणा लेकर युवा पीढ़ी समाज और राष्ट्र के मुख्य धारा से जुड़कर विश्व का मार्गदर्शन कर सके। इसी पवित्र उद्देश्य को लेकर भारत विकास परिषद के निवर्तमान अध्यक्ष कमल सेठ, सचिव अभय शर्मा एवं कोषाध्यक्ष अरुण आर्य ने शहर के बीच विकास भवन के ठीक सामने स्थित तिकोनिया पार्क के नाम से जाने जाने वाले पार्क में स्वामी विवेकानंद की आकर्षक प्रतिमा की स्थापना की योजना बनाई और वर्तमान पीएसटी के सहयोग से स्वामी जी की प्रतिमा के अनावरण का कार्य पूरा किया गया है, जिसका मंगलवार को अनावरण का कार्यक्रम आयोजित है। यह प्रतिमा हमारे युवा पीढ़ी के लिए एक आदर्श और प्रेरणा स्रोत है जो भटकते युवाओं को का मार्गदर्शन करेगी। आर्य ने बताया कि मूर्ति अनावरण समारोह के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ,विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचारक रमेश के द्वारा किया जायेगा।

संपादक मण्डल

संस्थापक/संरक्षक
संजीव श्रीवास्तव

प्रधान संपादक
हरिनाथ सिंह

सलाहकार संपादक
डॉ एमएए खान आईएएस (रि)
डॉ ओम प्रकाश आईएएस (रि)
आशुतोष रंजन
अनिल तिवारी
आर पी शुक्ल आईएएस (रि)
मेजर के किशोर
हरीशंकर शुक्ल पीपीएस (रि)

स्थानीय संपादक
दिनेश कुमार गर्ग

कार्यकारी संपादक
अभयानंद शुक्ल

आध्यात्मिक संपादक
राम महेश मिश्र

ब्यूरो चीफ
मनोज कुमार शुक्ला

स्टेट कोआर्डिनेटर
विपिन सोनी

संपर्क मुख्यालय
कार्यालय फोन नं.: 0522-4643988
www.rashtriyaprastavana.com
ई-मेलः noidarp@gmail.com

संपर्क कार्यालय
प्रधान कार्यालयः 1/39, प्रथम तल करामत मार्केट, निशातगंज, लखनऊ
प्रशासनिक कार्यालयः 61 ए, मानस नगर, जियामऊ, हज़रतगंज, लखनऊ

सत्ता के दमन के आगे न झुकने वाले लोकतंत्र सेनानी युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा स्रोत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

फर्रुखाबाद। मेला रामनगरिया के सांस्कृतिक पंडाल में लोकतंत्र सेनानी सम्मेलन, गंगा प्रदूषण निवारण एवं पर्यावरण गोष्ठी का आयोजन रविवार को किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री सुधीर बालियान एवं विशिष्ट अतिथि जिलाधिकारी आशुतोष द्विवेदी मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता आपातकाल लोकतंत्र सेनानी समिति के प्रदेश अध्यक्ष ब्रज किशोर मिश्र एडवोकेट ने की। कार्यक्रम के अंत में समस्त लोकतंत्र सेनानियों को सम्मानित भी किया गया। प्रदेश अध्यक्ष बृजकिशोर मिश्रा को जिलाधिकारी आशुतोष कुमार द्विवेदी ने सम्मानित किया। गोष्ठी के प्रारंभ में दिवंगत लोकतंत्र सेनानियों के लिए दो मिनट का मौन रखकर उनके प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की गई। मुख्य अतिथि सुधीर बालियान ने गोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि लोकतांत्रिक अधिकारों की अहमियत लोकतंत्र सेनानियों से बेहतर कोई नहीं समझ सकता। लोकतंत्र सेनानियों को अनेकों प्रकार की अमानवीय यातनाएं देकर आन्दोलन को कमजोर करने का प्रयास किया, किन्तु लोकतंत्र सेनानियों ने तानाशाह को उखाड़ के ही दम लिया। सत्ता के दमन के आगे न झुकने वाले लोकतंत्र सेनानी आज के युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा स्रोत है। कार्यक्रम संयोजक ब्रज किशोर मिश्र एडवोकेट ने कहा कि 25 जून 1975 को आजाद भारत एक बार फिर आंतरिक गुलामी की बेड़ियों में जकड़ गया था। उन्होंने कहा तानाशाही सरकार ने न अपील, न वकील, न दलील के सिद्धांत पर आपातकाल का विरोध करने वाले समस्त राजनेताओं, विद्यार्थियों को जेल की काल कोठरियों में डाल दिया, किन्तु सात ताली के भीतर कुम्भकरणी नींद सोयी सरकार को उखाड़ फेंकने की कसम खा चुके लोकतंत्र रक्षक हटे नहीं, डिगे नहीं, डटे रहे। गंगा में होने वाले प्रदूषण को रोकने के लिए सरकार के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि औद्योगिक इकाईयों से छोड़े जाने वाला औद्योगिक कचरा प्रदूषण के मुख्य कारण है जिन पर रोक लगाना अत्यंत आवश्यक है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने गंभीर प्रदूषण फैलाने वाले जिन उद्योगों की पहचान की है उन पर सरकार को सख्ती से कार्यवाही करनी चाहिए। इस अवसर पर जिलाधिकारी आशुतोष द्विवेदी ने कहा कि लोकतंत्र सेनानियों ने यह सिद्ध कर दिया कि संविधान केवल कागज नहीं बल्कि जनता कि चेतना है और ऐसे कार्यक्रमों से लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूती मिलती है। उन्होंने मां गंगा के जल कि शुद्धता को लेकर कहा कि भारत में अनादिकाल से ही गंगा जीवनदायिनी रही है। माँ शांतिदायिनी रही है, माँ गंगा भारतीय संस्कृति, सभ्यता और अस्मिता की प्रतीक रही है। माँ गंगा की स्वच्छता को लेकर केंद्र सरकार और राज्य सरकार लगातार बड़े कदम उठा रही है, फलस्वरूप गंगा जल की शुद्धता में दिनो दिन सुधार हो रहा है।

मौनी अमावस्या पर वाराणसी में लाखों श्रद्धालुओं ने मौन रह पवित्र गंगा में लगाई आस्था की डुबकी,किया दान पुण्य

■ बाबा विश्वनाथ,कालभैरव दरबार में भी हाजिरी लगाई,साल भर के लिए पर्व की पुण्य बेला में सुख समृद्धि की बाबा से की कामना

राष्ट्रीय प्रस्ताना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी वाराणसी (काशी)में माघ मास के कृष्ण पक्ष की मौनी अमावस्या के मौके पर रविवार को लाखों श्रद्धालुओं ने पवित्र गंगा नदी में मौन रहकर पुण्य की डुबकी लगाई और गंगाघाटों पर दान पुण्य के बाद काशी पुराधिपति बाबा विश्वनाथ,मां अन्नपूर्णा और कालभैरव के दरबार में हाजिरी लगाई। महास्नान पर्व पर श्री काशी विश्वनाथ के दरबार में दर्शन पूजन के लिए बांसफाटक से ही लंबी कतार लगी रही। महास्नान पर्व पर सर्वार्थ सिद्धि,हर्षण और शिव वास योग के दुर्लभ संयोग में गंगा नदी में डुबकी लगाने के लिए सुदूरवर्ती जिलों के श्रद्धालुओं की भीड़ शनिवार शाम से ही गंगातट पर पहुंचने लगी। सर्द हवाओं गलन के बीच गंगा तट और दशाश्वमेध स्थित दुकानों की पटरियों,चितरंजन पार्क में पूरी रात भजन कीर्तन कर ब्रम्ह मुहुर्त में श्रद्धालुओं ने गंगा में पुण्य की डुबकी लगाई। दिन चढ़ने के साथ गंगा स्नान के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ती गई। महास्नान पर्व पर सबसे ज्यादा भीड़ प्राचीन दशाश्वमेध घाट, शीतला घाट, तुलसी घाट, पचगंगा घाट, रीवा घाट, अस्सी,गाय घाट, राजघाट, भैंसासुर घाट,खिड़किया घाट ,सामनेघाट पर रही। महास्नान पर्व को लेकर जिला प्रशासन की ओर से सुरक्षा की दृष्टि से व्यापक इंतजाम किया गया है। पर्व पर एनडीआरएफ और जल पुलिस के जवान जहां गंगा में किसी भी तरह की स्थिति से निपटने के लिए मुस्तैद रहे। वहीं, दशाश्वमेध से लेकर बाबा विश्वनाथ दरबार तक आला अफसर फोर्स के साथ लगातार चक्रमण कर रहे है। उधर, मौनी अमावस्या पर्व पर गंगा में स्नान की परंपरा के तहत जिले के चौबेपुर क्षेत्र के बलुआ और कैथी घाटों पर भी भारी संख्या में ग्रामीण अंचल के लोग गंगा स्नान के लिए पहुंचते रहे। ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं ने गंगा स्नान के बाद पीपल वृक्ष की परिक्रमा की, तीर्थ पुरोहितों,भिखारियों को तिल, कंबल, वस्त्र, उड़द आदि अन्न का दान किया । इसके बाद भगवान विष्णु की पूजा-अर्चना भी की। गौरतलब हो धर्म नगरी काशी में स्नान, दान का अपना अलग ही महात्म्य है। लेकिन स्नान पर्व मौनी अमावस्या पर मौन रह पुण्यकाल में मोक्ष दायिनी गंगा में डुबकी लगाने से मान्यता है जन्म जन्मांतर के पापों से मुक्ति मिलती है। शिव आराधना समिति के डॉ मृदुल मिश्र बताते है कि अमावस्या वैसे तो हर महीने में दो बार पड़ती है लेकिन माघ मास की अमावस्या का सनातन धर्म में अपना खास महात्म्य है। माघ मास को भी कार्तिक के समान पुण्य मास कहा गया है। गंगा तट पर इस कारण श्रद्धालु खास प्रयागराज त्रिवेणी संगम के तट पर एक मास तक कुटी बनाकर मायावी दुनिया से विरक्त होकर रहते है और नियमित गंगा स्नान कर भजन कीर्तन करते हैं। मौनी अमावस्या पर मौन रखकर प्रयागराज त्रिवेणी संगम या फिर बाबा की नगरी काशी में दशाश्वमेध घाट पर गंगा स्नान कर अपने संकल्प के पूरा होने पर घर लौटते है। पूरे साल में 12 अमावस्या होती है। इसमें से मौनी अमावस्या का अपना खास महत्व है।